Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 09 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 262 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

हम संसार को गलत पढ़ते हैं और कहते हैं कि वह हमें धोखा देता है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

लियो का ट्रेलर रिलीज
विलेन के रोल में...

SHARE

सेंसेक्स	:	65,995.63
निफ्टी	:	19,653.50

SARAFA

सोना	:	5,475
चांदी	:	75.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

राज्य में डेंगू के 135 संदिग्ध मिले, तीन में पुष्टि

RANCHI : झारखंड में रविवार को डेंगू के 135 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें से 123 मरीजों ने जांच कराया। इनमें तीन में डेंगू की पुष्टि हुई है। बता दें कि दो मरीज पूर्वी सिंहभूम जिले में मिले हैं। जबकि एक मरीज कोडरमा जिले में मिला है। वहीं चिकनगुनिया के 12 संदिग्ध मरीज राज्य में मिले हैं। सभी संदिग्ध देवघर जिले के हैं। जांच के बाद किसी में भी चिकनगुनिया की पुष्टि नहीं हुई है।

सीमापर से आया एक और ड्रोन, 42 करोड़ की हेरोइन व अफीम बरामद

CHANDIGARH : बीएसएफ ने सीमा पार से ड्रोन की घुसपैठ को असफल बनाते हुए एक ड्रोन और उससे बंधी हेरोइन व अफीम को बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 42 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामद ड्रोन को एफएसएल जांच के लिए भेज दिया है। बीएसएफ अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बीएसएफ को ड्रोन के भारतीय सरहद में आने की सूचना मिली थी। इसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। यह ड्रोन अमृतसर के सरहदी गांव हरदो रत्न से जब्त किया गया है। यह एक बड़ा ड्रोन है, जो भारी खेप को भी उड़ा कर सरहद पार करवाने में सक्षम है। इस ड्रोन के साथ 6.13 किलोग्राम हेरोइन की खेप बंधी हुई थी। जिसकी इंटरनेशनल वैल्यू 42 करोड़ के करीब आंकी गई है। वहीं इस खेप में अफीम को भी जब्त किया गया है, जिसका वजन 60 ग्राम था। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

पटाखा दुकान में भड़की आग, 14 जिंदा जले

BENGALURU : कर्नाटक में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां के अनेकल तालुक के अट्टीबेले इलाके में शनिवार रात को एकत पटाखे की एक दुकान में आग लग गई। इस हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो गई है। शनिवार को दुकान में आग लगने से 12 लोगों की जलकर मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य लोगों ने रविवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने घटना में लोगों की मौत पर संवेदना प्रकट की है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में ज्यादातर पटाखे की दुकान में काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं।

अफगानिस्तान में कांपी धरती अबतक 2000 से ज्यादा की मौत

हेरात के 6 गांव पूरी तरह तबाह, 3 घंटे में महसूस किए गए 6 झटके

AGENCY AFGHANISTAN : अफगानिस्तान में शनिवार दोपहर को आए 6.3 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 2,053 के पार हो गया है। वहीं, घायलों की संख्या 9,000 के पार चली गई है। भूकंप की वजह से लगभग 6 गांव नष्ट हो गए हैं और सैकड़ों नागरिक मलबे के नीचे दब गए हैं। 3 घंटे के अंदर यहां 6 आफ्टर शॉक भी आए थे। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हेरात शहर से करीब 40 किमी की दूरी पर था। अलजजीरा के मुताबिक, अफगानिस्तान की इन्फॉर्मेशन मिनिस्ट्री के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रेयान ने कहा कि हेरात में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा बताई गई संख्या से ज्यादा है। उन्होंने मलबे में फंसे लोगों की मदद करने की अपील की है। तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने भी एनजीओ से लोगों के लिए जल्द से जल्द टेंट, खाना और दवाइयों की मांग की है। वहीं मानवीय मामलों के लिए बने यूएन ऑफिस के एक अपडेट में कहा गया है कि 465 घर तबाह हो गए हैं। इसके अलावा 135 घरों को नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान के समय के मुताबिक, भूकंप शनिवार सुबह करीब 11 बजे आया था।

2022 के मारे गए थे 1 हजार लोग

इससे पहले अफगानिस्तान में 14 सितंबर को भी 4.3 तीव्रता का भूकंप आया था। मार्च में अफगानिस्तान में आए भूकंप में करीब 13 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें 300 लोग घायल हुए थे। अफगानिस्तान में आखिरी बड़ा भूकंपी जून 2022 में आया था। इसकी तीव्रता 6.1 रही थी। पक्तिका प्रान्त में आए भूकंप में करीब हजार लोगों की मौत हुई थी। वहीं 1500 लोग घायल हो गए थे। भूगर्भ वैज्ञानिकों के मुताबिक, भूकंप की असली वजह टेक्टोनिकल प्लेटों में तेज हलचल होती है। इसके अलावा उल्का प्रभाव और ज्वालामुखी विस्फोट, माइन टेस्टिंग और न्यूक्लियर टेस्टिंग की वजह से भी भूकंप आते हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता मापी जाती है। इस स्केल पर 2.0 या 3.0 की तीव्रता का भूकंप हल्का होता है, जबकि 6 की तीव्रता का मतलब शक्तिशाली भूकंप होता है।

इजराइल और हमास की जंग में अबतक 970 लोगों की मौत

भारतीय स्टूडेंट्स को सरकार रेस्क्यू करेगी

TEL AVIV-YAFO : हमास और इजराइल के बीच जंग में अब तक 600 से ज्यादा इजराइलियों की मौत हुई है। वहीं, इजराइल की तरफ से गाजा में एयर स्ट्राइक जारी है। इसमें अब तक 370 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इनमें एक गर्भवती महिला और 20 बच्चे भी शामिल हैं। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि हमारे भी कई नागरिक लापता हैं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक इजराइल में कई अमेरिकी भी मारे गए हैं। वहीं,

न्यूज एजेंसी के मुताबिक इजराइल में नेपाल के 10 छात्रों की मौत हो गई है। कुछ से अभी संपर्क नहीं हो पा रहा है। इससे पहले भारत की विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा था कि सरकार इजराइल में फंसे भारतीय छात्रों को वापस लाने की पूरी कोशिश कर रही है।

लेवी नहीं मिलने पर PLFI उग्रवादियों ने जल जीवन मिशन कैंप ऑफिस पर किया हमला

कार्यालय में मौजूद 15 लोगों को पीटकर किया अधमरा, एक कमरा भी फूंका

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के लापुंग इलाके में नक्सली संगठन पीएलएफआई का वर्चस्व एक बार फिर से बढ़ने लगा है। एक सप्ताह पूर्व दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले पीएलएफआई उग्रवादियों ने जल जीवन मिशन कैंप के ऑफिस पर हमला कर दिया। यह वारदात शनिवार देररात लापुंग थाना क्षेत्र के दोलाइचा गांव में हुई है। इस दौरान कार्यालय में मौजूद 15 लोगों को पीटकर अधमरा कर दिया गया। रंगदारी न मिलने से आगबबूला उग्रवादियों ने एक कमरा भी फूंक दिया। बताया जा रहा है कि नक्सलियों की संख्या एक दर्जन के करीब थी। हालांकि पुलिस ने इस मामले में गांव के ही एक अपराधी किस्म के युवक का हाथ बताया है जो पीएलएफआई के नाम पर लेवी वसूलने के काम में लगा हुआ है। जल जीवन मिशन के साइट इंचार्ज शंटी पटेल ने बताया कि शनिवार देर रात अचानक एक दर्जन के करीब नकाबपोश कार्यालय में आ धमके और जो सामने मिला उसके साथ मारपीट की। इस दौरान मारपीट करने वाले लोगों ने खुद को पीएलएफआई का नक्सली बताया और कहा कि जब तक लेवी के पैसे नहीं मिलेंगे यहां काम नहीं करने दिया जाएगा। नक्सलियों ने वहां से जाते-जाते एक कमरे को आग के हवाले भी कर दिया। देर रात हुए इस अचानक हमले की वजह से जल जीवन मिशन में काम करने वाले मजदूर और कर्मचारी दहशत में हैं।

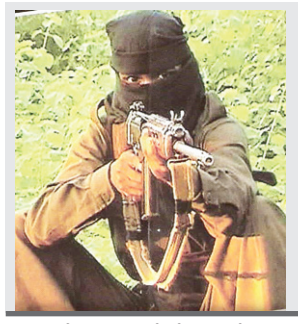

लापुंग के दोलाइचा गांव की घटना

रांची के लापुंग थाना क्षेत्र के दोलाइचा गांव में जल जीवन मिशन का कार्यालय है। पूर्व में अंकित सिंह नाम के व्यक्ति के द्वारा अपने आपको पीएलएफआई कमांडर बताकर 5 लाख रुपये की रंगदारी की डिमांड की गई थी। इसको लेकर कंपनी के साइट इंचार्ज शंटी पटेल की ओर से प्रबंधन को इसकी जानकारी भी दी गई थी। कंपनी की तरफ से जब लेवी देने से इनकार कर दिया गया, उसके बाद ही इस हमले को अंजाम दिया गया है। कंपनी के लोगों ने यह भी बताया कि पीएलएफआई के नाम पर कुछ लोगों को कंपनी में नौकरी देने की भी धमकी दी गई थी। जिसके बाद कंपनी ने दो लोगों को नौकरी पर भी रखा था लेकिन पैसे की मांग को कंपनी के द्वारा नकार दिया गया।

नैनीताल में बड़ा हादसा बस खाई में गिरी, 14 लोग लापता

NAINITAL : उत्तराखंड के नैनीताल में बड़ा हादसा हुआ है। करीब 32 यात्रियों से भरी बस कालाढूंगी रोड पर नालनी में खाई में गिर गई। बस में सवार लोग हिसार (हरियाणा) से नैनीताल घूमने पहुंचे थे। 18 लोगों घायल अवस्था में रेस्क्यू कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू अभियान जारी है। दरअसल, रविवार को आपदा कंट्रोल रूम नैनीताल को सूचना मिली कि कालाढूंगी रोड पर नालनी में एक बस हादसे का शिकार हो गई है। इसमें 30 से 33 लोगों के सवार होने की संभावना है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीमें रुद्रपुर और खैरना से रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना हुईं। हादसा स्थल पर पहुंचकर टीमों को जानकारी मिली की बस में 32 लोग सवार थे। ये हिसार से नैनीताल घूमने पहुंचे थे। एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमों ने पुलिस के साथ संयुक्त रेस्क्यू अभियान शुरू किया और बस में सवार लोगों में से 18 लोगों घायलावस्था में रेस्क्यू कर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

चक दे इंडिया

वर्ल्ड कप में भारत का विजयी आगाज ऑस्ट्रेलिया को रौंदा

AGENCY CHENNAI : टीम इंडिया ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में अपने मिशन की शुरूआत जीत के साथ की है। भारत ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की और भारत को 200 रन का टारगेट दिया। चेज करने उतरी टीम इंडिया की शुरूआत खराब रही। 2 रन पर ही रोहित शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर आउट हो गए। इसके बाद विराट कोहली और केएल राहुल ने 165 रन की साझेदारी कर इंडिया की जीत पक्की कर दी। विराट ने 85 रन और राहुल ने 97 रन बनाए। राहुल ने सिक्स लगाकर भारत को 6 विकेट से जीत दिलाई। 200 रन का टारगेट चेज करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही। टीम ने 10 ओवर में तीन विकेट पर 27 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर 0 रन पर आउट हुए। जवाब में भारतीय पारी लड़खड़ा गई। टीम ने 2 रन के स्कोर पर ईशान किशन, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के विकेट गंवाए। तीनों बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। भारत से रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और रविचंद्रन अश्विन ने मिलकर 6 कंगारू बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। ऑस्ट्रेलिया टीम से ओपनर डेविड वॉर्नर ने 41 रन और स्टीव स्मिथ ने 46 रन बनाए। भारतीय टीम से रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट लिए। कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह को दो-दो विकेट मिले। जबकि रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद सिराज को 1-1 विकेट मिला। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर वनडे वर्ल्ड कप में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

खराब शुरूआत के बाद विराट-राहुल ने पलटी बाजी

चेन्नई की मुश्किल पिच पर 200 रन के टारगेट के जवाब में भारत की शुरूआत बेहद खराब रही। भारत ने 2 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिया। ओपनर ईशान किशन, रोहित शर्मा और नंबर-4 के बैटर श्रेयस अय्यर खाता खोले बगैर आउट हुए। यहां से विराट कोहली और केएल राहुल ने चौथे विकेट के लिए 215 बॉल पर 165 रन की पार्टनरशिप कर भारत को जीत दिलाई। भारतीय स्पिनर्स ने कमाल की गेंदबाजी की। रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और रविचंद्रन अश्विन ने मिलकर 6 कंगारू बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। जडेजा ने तीन विकेट लिए। कुलदीप को 2 और अश्विन को 1 विकेट मिला। नंबर-3 पर खेलने उतरे विराट कोहली ने वर्ल्ड कप में 7वीं फिफ्टी जमाई। उन्होंने वनडे करियर की 67वीं हाफ सेंचुरी पूरी की। कोहली ने 116 बॉल पर 73.28 के स्ट्राइक रेट से 85 रन बनाए। कोहली की पारी में 6 चौके शामिल हैं।

चेशायर होम रोड के खाता नं 37 की जमाबंदी रद्द करने का आदेश

CRIME REPORTER RANCHI : बड़गाईं अंचल के गाड़ी मौजा स्थित खाता संख्या 37 की जिस 1 एकड़ जमीन की खरीदारी व्यवसायी विष्णु अग्रवाल ने की थी, उसकी जमाबंदी रद्द करने का आदेश रांची के एलआरडीसी ने दिया है। व्यवसायी विष्णु अग्रवाल द्वारा खरीदी गयी जमीन की बड़गाईं अंचल ने उनके नाम से जमाबंदी कायम कर दी थी। बड़गाईं अंचल द्वारा विष्णु अग्रवाल के नाम पर जमाबंदी कायम करने के आदेश को एलआरडीसी (भूमि उपसमाहर्ता) के कोर्ट में चुनौती दी गयी थी। जमीन का खतियानी मालिक होने के दावा करनेवाले उमेश गोप ने जमाबंदी खारिज करने की अपील की थी। खाता संख्या 37 की 60 कट्ठा जमीन पर अपना दावा करने वाले सभी पक्षों ने अपने कागजात एलआडीसी के समक्ष पेश किए थे। करीब एक वर्ष से ज्यादा समय तक यह मामला एलआरडीसी कोर्ट में चला। सभी पक्षों को सुनने के बाद अब एलआरडीसी कोर्ट ने विष्णु अग्रवाल के नाम चल रही जमाबंदी को रद्द करने का आदेश दिया है।

बिहार में नदी में शव फेंकनेवाले दोषी तीनों पुलिसकर्मी सस्पेंड

MUJAFFARPUR : मुजफ्फरपुर के एसएसपी ने पुल से शव को नहर में फेंकने वाले तीनों पुलिस कर्मियों के खिलाफ एक्शन लिया है। इस संबंध में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हुई विभागीय जांच में एसएसपी ने पहली नजर में तीनों पुलिसकर्मियों को दोषी पाया और तीनों को सस्पेंड कर दिया है। एक चालक और दो अन्य होमगार्ड के जवानों को ड्यूटी से क्लोज कर उनके खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। इन तीनों पर आरोप है कि इन लोगों ने सड़क हादसे में मृत शख्स के शव को पुल से नीचे नहर में फेंक दिया। इसका वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस प्रशासन के होश उड़ गये।

बेटे ने हत्यारी मां को दिलाई फांसी की सजा

कोर्ट में बताया- मम्मा और अंकल ने मेरे सामने पापा का गला रेत दिया

AGENCY LUKHNOW : शाहजहांपुर कोर्ट ने शनिवार को एनआरआई सुखजीत हत्याकांड में पत्नी रमनदीप कौर को फांसी की सजा सुनाई। वहीं, उसके बॉयफ्रेंड को उम्रकैद की सजा हुई। 8 साल बाद कोर्ट से न्याय मिलने के बाद परिवार खुश है। मगर, ये खुशी उनके बेटे के जाने के गम को कम नहीं कर पा रही है। फैसला आने के बाद सुखजीत की मां अंश कौर वहीं बैठकर रोने लगीं। वो कहती हैं, दो बेटे तो पहले ही जा चुके थे, ये भी चला गया..अब इस बूढ़ी विधवा मां का कौन सहारा बनेगा? फैसला सुनाते वक्त कोर्ट ने कई अहम टिप्पणी भी की। इसके साथ ही सुखजीत की मां और उनके दोनों बेटों को समझाया और आगे का जीवन निडर होकर जीने के लिए कहा। इस केस की सबसे अहम बात ये रही कि पिता को न्याय दिलाने के लिए बड़े बेटे ने मां के खिलाफ कोर्ट में गवाही दी। बेटे ने उस रात होने वाला पूरा हत्याकांड कोर्ट को बताया। बेटे ने बताया कि एक रात मैंने चादर हटाकर देखा, तो मम्मी पापा के सीने पर बैठी थीं। उनका तकिए से मुंह दबा रखी थीं। पास में मिट्ठू अंकल खड़े थे। वो हाथ में हथौड़ा लिए थे। वो बार-बार हथौड़ा पापा को मार रहे थे। जबकि पापा खुद को छुड़ाने के लिए हाथ-पैर मार रहे थे। तभी मम्मी मिट्ठू अंकल से कहती हैं, इसको आज फिनिश कर दो। मम्मी के इतना कहते ही मिट्ठू अंकल मम्मी को कहीं से चाकू निकाल कर देते हैं। फिर मम्मी उसी चाकू से पापा की गर्दन काट देती हैं। ये देखकर मैं इतना डर गया कि मैं चिल्ला भी नहीं पाया। मुझे लग रहा था कि ये लोग मुझे भी मार देंगे, इसलिए अपने चादर के अंदर ही फ्रीज हो गया। बेटी की इस गवाही ने आरोपी मां को फांसी की सजा दिलाई है।

सुखजीत अपनी मां और आरोपी पत्नी रमनदीप के साथ।

91वां स्थापना दिवस : नए झंडे के ऊपरी दाएं कोने में फ्लाई साइड की ओर वायुसेना क्रेस्ट को किया गया शामिल

बदल गया INDIAN AIR FORCE का ध्वज

AGENCY NEW DELHI : भारतीय वायुसेना का 91वां स्थापना दिवस समारोह इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन के रूप में दर्ज हो गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रविवार को नए वायुसेना ध्वज का अनावरण किया। वार्षिक परेड में वायु योद्धाओं को 'जोश' से भरे कदम मिलाते हुए देखा गया। इसी के साथ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 08 अक्टूबर,2023 की तारीख भारतीय वायुसेना के इतिहास में ऐतिहासिक अवसर के रूप में दर्ज हो गई। भारत की ड्रोन शक्ति का प्रदर्शन वायुसेना के नए ध्वज के साथ किया गया। इसके बाद निशान टोली ने नए ध्वज के साथ सलामी मंच के सामने से गुजरकर मान्यता दी, जिसका अभिवादन सभी लोगों ने अपनी-अपनी जगह खड़े होकर किया।

इतिहास में पीछे जाएं, तो आजादी से पहले वायुसेना ध्वज के ऊपरी हिस्से में अंग्रेजी हुकूमत की झलक मिलती थी। स्वतंत्रता के बाद भारतीय वायु सेना का झंडा बदला गया। यूनियन जैक को

वायु सेना ने अपने पड़ोसी क्षेत्र में काम करने की क्षमता विकसित की : सीडीएस

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान रविवार को वायु सेना दिवस पर प्रयागराज में आयोजित वार्षिक परेड में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वायु सेना ने वैश्विक वायु सेनाओं के साथ युद्धाभ्यास करके अपने पड़ोसी क्षेत्र में प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता विकसित की है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने देश की ओर से लड़े गए सभी युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और दंडात्मक हवाई हमले किए हैं। मुसीबत के समय भारतीय प्रवासियों को संघर्ष क्षेत्रों से निकाला है और मानवीय सहायता और आपदा के माध्यम से राहत प्रदान की है। भारतीय वायुसेना के पास मित्र देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में नियमित और सफल भागीदारी का एक समृद्ध इतिहास है। साथ ही वैश्विक वायु सेनाओं के साथ युद्धाभ्यास किए हैं, जिससे निकटतम पड़ोस में और हमारे विस्तारित वातावरण में भी प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता विश्वसनीय रूप से स्थापित हुई है।

अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा आदित्य एल-1

NEW DELHI : आदित्य एल-1 मिशन को लेकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को बताया कि अंतरिक्ष यान ठीक तरह से काम कर रहा है और यह एल-1 बिंदु की ओर बढ़ रहा है। छह अक्टूबर को अंतरिक्ष यान की दिशा को ठीक करने के लिए ट्रैजेक्टरी करेक्शन मैन्युवर (टीसीएम) की प्रक्रिया की गई, जिसमें 16 सेंकड लगे। इसरो ने एक्स के जरिए बताया कि टीसीएम 19 सितंबर को किए गए ट्रांस-लैग्रेंजियन प्वाइंट-1 इंसर्शन को ट्रैक करने के बाद यान के पथ को सही करने के लिए यह कदम जरूरी था। टीसीएम के जरिए सुनिश्चित किया गया कि अंतरिक्ष यान एल-1 अपने इच्छित पथ पर सही दिशा में है।

हेमंत की मां की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

स्थिति नियंत्रित, आइसीयू की टीम कर रही इलाज

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें राजधानी के बरियातू स्थित हिल व्यू नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार रूपी सोरेन को सांस संबंधी समस्या होने के बाद देर रात अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां डाक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। अस्पताल निदेशक डा. नितेश प्रिया ने बताया कि भर्ती होने के बाद उनकी जांच की गई, जिसके बाद इलाज शुरू किया गया। अब उनकी स्थिति पहले से ठीक है, फिलहाल उन्हें वार्ड में रखा गया है। जहां मेडिसिन के विशेषज्ञ डा. उज्जवल और आईसीयू की टीम उनका इलाज कर रही है। बताया गया कि रूपी सोरेन को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। डाक्टर ने बताया कि उन्हें चेस्ट इन्फेक्शन की वजह से समस्या यह आई। लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री के छोटे भाई व विधायक बसंत सोरेन ने हिल व्यू नर्सिंग होम पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इसके अलावा परिवार के अन्य सदस्य भी साथ पहुंचे। रिश्तेदारों ने रूपी सोरेन से मुलाकात के बाद कहा कि उनकी तबीयत ठीक है और वह बैठकर बात कर रही हैं।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Monday, 09 October 2023

BRIEF NEWS

युवाओं ने झारखंड बिरसा सेना का दामन थामा

RANCHI : रविवार को झारखंड बिरसा सेना के बैनर तले सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में रांची विधानसभा के अंतर्गत रातू रोड निवासी सुमित वर्मा एवं सोनू सिंह के नेतृत्व में युवाओं ने झारखंड बिरसा सेना का दामन थामा और पार्टी के विचारधारा को आत्मसात करते हुए पार्टी से कदम से कदम मिला कर चलने का संकल्प लिया। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम पार्टी के केंद्रीय कार्यालय इटकी रोड रातू रोड रांची में संपन्न किया गया। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष रवि कुमार एवं प्रधान महासचिव अभिषेक कुमार ने युवाओं को माला पहना कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाया। साथ में पार्टी के प्रवक्ता सुशांत प्रियदर्शी, राहुल कुमार मौजूद रहे तथा सदस्यता ग्रहण करने वालों में विक्की वर्मा, बादल ठाकुर, अमित वर्मा, राहुल साहू, माही सिंह एवं सैकड़ों के संख्या में युवा मौजूद रहे।

सर्पदंश से छह वर्षीय बच्चे की मौत

DUMKA : सदर प्रखंड के महुआडंगाल निवासी दिलीप सोरेन की छह वर्षीय सुशीला सोरेन की सर्पदंश से रविवार को मौत हो गई। बताया जाता है कि बच्ची सोई हुई थी। इसी दौरान जहरीले सांप ने उसे डस लिया। गंभीर अवस्था में उसे परिजनों ने फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को वाहन ने कुचला, मौत

KHUNTI : तोरपा थाना क्षेत्र के खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर ममरला गांव के पास गत शनिवार की देर रात अज्ञात वाहन ने मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। लोगों को रविवार सुबह घटना की जानकारी मिली। मृतक महिला की पहचान मुरहू थाना क्षेत्र के माहिल घाघरा के कालीचरण कुम्हार की पत्नी रिझन देवी (50) के रूप में की गयी। घटना की सूचना पाकर तोरपा थाना की पुलिस ने शव को उठा कर पोस्टमार्टम कराया स्वजनों को सौंप दिया।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

HAZARIBAG : जिले के इचाक प्रखंड अंतर्गत भुसवा गांव की अख्तरी खातून (22) ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतका के परिजनों का कहना है कि तीन वर्ष पूर्व अख्तरी का निकाह एहसान अंसारी से हुआ था। शादी के कुछ दिनों के बाद से ही अख्तरी खातून को दहेज को लेकर और बच्चा नहीं होने के कारण दवाब मिलता था, जिस कारण उसने विवश होकर वह शनिवार रात को फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। रविवार सुबह इसके परिजनों ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। पुलिस अधिकारी अजाजुल हक ने परिजनों की बयान को दर्ज किया है। घटना के बाद से लड़के के परिवार घर से फरार हैं।

धनबाद एसएसपी ने अनुमति अवकाश के बाद ड्यूटी ज्वाइन करने के दिया आदेश

DHANBAD : श्रावणी मेला ड्यूटी के लिए पांच दिनों की अनुमति अवकाश लेकर समय पर योगदान नही करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। अनुमति अवकाश पर गये पुलिसकर्मी को 11 अक्टूबर तक योगदान देना होगा। धनबाद एसएसपी ने इससे संबंधित आदेश जारी किया है। जारी आदेश में बताया गया है कि इस वर्ष देवघर में राजकीय श्रावणी मेला के अवसर पर विधि-व्यवस्था के लिए प्रतिनियुक्त पुलिसकर्मियों को श्रावणी मेला शांतिपूर्वक सम्पन्न होने के उपरान्त संथाल रेंज के डीआईजी ने पांच दिनों के अवकाश की अनुमति दी थी। जैप-3, गोविन्दपुर से धनबाद जिला बल के सभी पीटीसी प्रशिक्षुओं, पुलिसकर्मियों को 11 अक्टूबर के पूर्व ड्यूटी में योगदान का निर्देश दिया गया है। ससमय योगदान नहीं करने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

संकल्प यात्रा के तहत गुमला की जनसभा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने हेमंत सरकार पर साधा निशाना

परिवार और पैसे की राजनीति करने वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का लें संकल्प : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS GUMLA : संकल्प यात्रा के तहत गुमला विधानसभा की जनसभा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को हेमंत सोरेन सरकार पर साधा निशाना। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है। राज्य सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है। झारखंड के इस भ्रष्टाचार को आखिर कौन समाप्त करेगा? हेमंत सोरेन जब खुद जमीन लुटेरों से पैसा लेते हैं तो आखिर भ्रष्टाचार कैसे रुकेगा।

मरांडी ने कहा कि भाजपा के हाथों ही झारखंड का विकास संभव है। किसानों, गरीबों, महिलाओं की चिंता करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हम सबों को भी खड़ा होना होगा। यही आपसे आग्रह करने आया हूं। हम सब मिलकर परिवार और पैसे की राजनीति करने वाली सरकार को उखाड़ फेकने का लें संकल्प

गुमला में बाबूलाल मरांडी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

मरांडी ने कहा कि सरकार का काम होता है कानून व्यवस्था ठीक कराना लेकिन आज झारखंड में क्या हो रहा है किसी से छुपा नही है यहां प्रत्येक दिन चोरी, डकैती, लूट, अपहरण, हत्या यहां तक कि बहू बेटियों की इज्जत भी सुरक्षित नही है, आखिर यह स्थिति क्यों पैदा हुई। अपराध चरम पर है।

मरांडी ने कहा कि जब जब देश में, प्रदेशों में भाजपा की सरकार बनती है तब विकास का काम होता है और जब कांग्रेस, जेएमएम, राजद की सरकार बनती है तो लूट खसोट होता है। कोयला, बालू, पत्थर की चोरी होती है। झारखंड में 2000 के पहले का दृश्य याद कीजिए। कांग्रेस व उनकी सहयोगी दलों ने कभी गांवों की चिंता नहीं की। जब बीजेपी की सरकार बनी तो गांवों तक सड़कों का जाल बिछाया गया। नदी नालों में पुल पुलिया बना। ये बीजेपी की देन है। बिजली की स्थिति को ही याद कीजिए। नरेंद्र मोदी की सरकार ने संकल्प के तहत सभी गांव में बिजली पहुंचाने का काम किया।

उन्होंने कहा कि इस सरकार को विकास की कोई चिंता नहीं है। हेमंत सरकार नियुक्ति वर्ष का ढोल पीटती रही है परंतु चार वर्षों से नियुक्ति वर्ष का कहीं अता पता नहीं है। सरकार की गलत और असंवैधानिक नियमावली के पेंच में राज्य के युवा पिस रहे हैं। स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स नहीं हैं। कौन पढ़ाएगा, कौन इलाज कराएगा इसकी सरकार को चिंता नहीं है।

कांग्रेस ने आदिवासी समाज को वोट बैंक के रूप में किया इस्तेमाल

बाबूलाल मरांडी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी समाज को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। आजाद भारत में आदिवासी समाज को सिर्फ. भाजपा ने सम्मान दिया है। अलग झारखंड राज्य की सौगात, अलग आदिवासी मंत्रालय, संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करना, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को गौरव दिवस, आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाना और यहां तक कि आजादी के बाद पहली बार मोदी मंत्रिमंडल में आठ आदिवासी को मंत्री बनाया गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर गांव-गांव तक सड़क, पुल-पुलिया और बिजली पहुंचा। कांग्रेस शासन काल में शादी में बारात भी पैदल जाना पड़ता था। आज भाजपा के बनाये सड़कों की मरम्मत तक नहीं करवा पा रहे हैं हेमंत सोरेन। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार में कानून व्यवस्था इतनी लचर है कि पिछले छह महीने में 23 व्यापारियों की हत्या हुई है, जिनमें से नौ व्यापारियों ने पुलिस से सुरक्षा की मांग किया था।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा मांगने के बावजूद नहीं मिलना सरकार के नीतियों पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। लापरवाह अधिकारी पर कार्रवाई होना ही चाहिए। भाजपा सरकार बनने पर जांच कराएगी और जिम्मेवार व्यक्ति के खिलाफ करवाई होगी। साथ ही कहा कि हेमंत सरकार दलालों-बिचौलियों को सुरक्षा मुहैया करवा रही है जबकि व्यापारी वर्ग अपराधियों के निशाने पर हैं। व्यापारी मारे जा रहे हैं।

मरांडी ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन रोहिंग्या व बांग्लादेशियों को पनाह दे रहा है। इजराइल में हमास ने जिस प्रकार से हमला किया है यदि ऐसा गठबंधन रहा तो भारत की स्थिति भी यही होगी। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के छापे में अब तक एक हजार करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त हुई है। इससे भ्रष्ट दल बौखलाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड को भ्रष्टाचारियों से बचाना है। बिशुनपुर विधानसभा के लोगों को संकल्प लेकर जाना है फिर से 2024 में केंद्र में नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री और झारखंड में भाजपा की सरकार बनाना है।

लापता नाबालिग छात्रा का 24 घंटे के बाद भी नहीं मिला सुराग, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

PHOTON NEWS LATEHAR : लातेहार जिले के बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय से लापता हुई नाबालिग छात्रा का सुराग 24 घंटे के बाद भी नहीं मिलने के खिलाफ स्थानीय लोगों ने रविवार की शाम एनएच-99 जाम कर दिया है। सड़क जाम कर रहे लोगों का कहना है कि जब तक लड़की को पुलिस सुरक्षित बरामद नहीं कर लेती तब तक सड़क जाम जारी रहेगा।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को ट्यूशन जाने के क्रम में छात्रा लापता हो गई थी। लड़की के परिजनों का आरोप है कि बालूमाथ के ही कुछ युवकों ने उसका अपहरण कर लिया है। परिजनों ने शनिवार को ही थाना में एक आवेदन देकर आरोप लगाया था कि उनकी बेटी को पिछले कुछ

सड़क जाम करते ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

दिनों से तरुण यादव तथा उसके कुछ दोस्त लगातार परेशान कर रहे थे। मामले को लेकर शुक्रवार को तरुण यादव को डांट फटकार किया गया था। इसके बाद तरुण यादव ने चेतावनी दिया था कि सबक सिखा देंगे।

परिजनों का कहना है कि शनिवार को लड़की अपने घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए निकली थी। घर से निकालने के तुरंत बाद उसके चिल्लाने की आवाज आई। लड़की के चिल्लाने की आवाज सुनकर घर वाले बाहर आए। परंतु लड़की का कुछ आता पता नहीं चला सड़क पर सिर्फ लड़की की किताबें बिखरी पड़ी थी। परिजनों ने घटना के बाद थाना में आवेदन देकर लड़की के अपहरण होने की शिकायत की। आक्रोशित परिजनों के द्वारा शनिवार को भी सड़क जाम किया गया था। परंतु पुलिस ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही लड़की को बरामद कर लिया जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम हटाया था।

लेकिन रविवार को घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी जब लड़की का कोई सुराग नहीं मिला तो नाराज ग्रामीणों ने रविवार की शाम फिर से थाना के सामने सड़क जाम कर दिया है। इधर नाराज ग्रामीणों को पुलिस के अधिकारियों के द्वारा यह समझाया जा रहा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा और लड़की को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा। वहीं सड़क जाम के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-99 पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है।

तेज रफ्तार से आ रहा अनियंत्रित ट्रक पलटा, दो बच्चों की हुई मौत

PHOTON NEWS DUMKA : दुमका जिले के मसलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत दुमका-नाला मुख्य मार्ग के मसलिया बाजार दुर्गा मंदिर के पास एक 10 चक्का ट्रक के अनियंत्रित होकर एक घर को तोड़ते हुए सड़क किनारे पलट जाने से दो बच्चों की मौत हो गई जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार 10 चक्का ट्रक दुमका से दलाही की ओर काफी तेज गति से जा रहा था। इसी बीच मसलिया बीच बाजार में मोड़ के पास चालक ने संतुलन खो दिया, जिस कारण मोड़ से करीब 100 मीटर की दूरी पर एक घर को तोड़ते हुए सड़क किनारे पलट गया। उसी जगह पर तीन बच्चे खेल रहे थे। ट्रक की चपेट में आकर एक

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वाहन को उठाता क्रेन। ● फोटोन न्यूज

बच्चे ध्रुवराज नाग (7) की मौत हो गई। दूसरा बच्चा रिजु नाग भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिसकी मौत फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका में हो गई। तीसरा बच्चा चांद साह का इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गया। उसके सिर में हल्की चोटें आई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक चालक नशे में धुत होकर काफी तेज गति से आ रहा था। सड़क घुमावदार होने के कारण ट्रक पलट गया, जिसमें दो मासूमों की जान चली गई। दुर्घटना के पश्चात लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। समाचार भेजे जाने तक जाम नहीं हटाया जा सका। सूचना पर मसलिया थाना पुलिस ने गंभीर अवस्था में चालक को दुमका भेज दिया। ट्रक को क्रेन से उठाने का प्रयास जारी है।

तेज आवाज के साथ फटी धरती, तीन घर हुए जमींदोज

फटी धरती से निकलता गैस। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद के बीसीसीएल अग्निप्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जिंदगी पर खतरा लगातार बरकरार है। ताजा मामला जोगता थाना क्षेत्र के जोगता 11 नंबर हरिजन बस्ती की है, जहां रविवार को तेज आवाज के साथ भयावह गोफ बन गया है। साथ ही उसमें से भारी मात्रा में गैस रिसाव भी हो रहा है।

गोफ में अबतक 3 घर जमींदोज हो चुके हैं। घर के सारा समान पाताल में समा गया है। गोफ लगातार अपना दायरा भी बढ़ा रहा है, जिससे करीब आधा दर्जन से ज्यादा घर चपेट में आ गया है। गांव में अफरा-तफरी का माहौल है। लोग अपने अपने घरों से समान निकालने में जुटे हुए हैं।

स्थानीय लोगों में बीसीसीएल के प्रति भी भारी आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने कनकनी आउटसोर्सिंग का परिवहन कार्य रोक दिया है। घटना के बाद से अभी तक कोई भी बीसीसीएल अधिकारी मौके पर नही पहुंची है।

मारवाड़ी युवा मंच के शिविर में 39 लोगों ने किया रक्तदान

KHUNTI : मारवाड़ी युवा मंच खूंटी नगर शाखा द्वारा रविवार को स्थानीय राजस्थान भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन मंच की सहयोगी संस्था सेवा सदन रांची और सदर अस्पताल खूंटी के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्घाटन खूंटी के सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी और मंच के पूर्व अध्यक्ष उदय लाल भाला ने किया। डॉ मांझी ने कहा कि रक्तदान के लिए जागरूकता की जरूरत है। रक्तदान को महादान इसलिए कहा गया है, क्योंकि इससे जीवन की सुरक्षा होती है और विज्ञान की प्रगति के बावजूद इसका कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही कई महत्पूर्ण योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अभी खूंटी जिले में एनीमिया के काफी रोगी सदर अस्पताल में आ रहे हैं, जिन्हे रक्त की अवश्यता होती है। उन्होंने मंच के शिविर की काफी सराहना की। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची से झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के मुख्यालय उपाध्यक्ष विशाल पाडिया और प्रांतीय रक्तदान संयोजक पिंकेश खंडेलवाल ने लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

31 वीं पदमाबाई रूंगटा अंतर जिला गणित प्रतियोगिता का आयोजन, कोल्हान के 3667 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

PHOTON NEWS CHAIBASA : 31वी पदमाबाई रूंगटा अंतर जिला गणित प्रतियोगिता का आयोजन रोटरेक्ट क्लब ऑफ चाईबासा के तत्वाधान में रविवार को +2 मांगीलाल रूंगटा उच्च विद्यालय तथा मारवाड़ी हिंदी मध्य विद्यालय में आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता परीक्षा के मुख्य प्रायोजक र.फ फ्ल्लॅ३ ऋ्क्ष्ञ्छ४स्र हैं , कार्यक्रम संयोजक रो० सुमित नरेड़ी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम , पूर्वी सिंहभूम तथा सरायकेला खरसावां से मिलकर कुल 3667 विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर सफल बनाया। इस साल परीक्षा पैटर्न में वस्तुनिष्ठ आधारित प्रश्न की संख्या ज्यादा थी। एक राज्य स्तरीय परीक्षा के रुपरेखा में झारखण्ड बोर्ड , सीबीएसई , आईसीएसइ बोर्ड के प्रश्न का मिलावट रहा। ताकि प्रश्न पत्र का स्टैण्डर्ड अच्छा रहे। इस प्रतियोगिता परीक्षा की मुख्य विशेषता यह रही कि इस बार सुदूर ग्रामीण क्षेत्रो से बीच विद्यार्थियों ने गणित के प्रति अपनी रूचि दिखाते हुए परीक्षा में सम्मलित हुए।

प्रतियोगिता में शामिल छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

परीक्षा दो पालियो में आयोजित की गयी। पहले पाली में कक्षा सप्तम तथा कक्षा दशमी के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दूसरे पाली में कक्षा अष्टमी तथा कक्षा नवमी के विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

इस प्रतियोगिता का अवलोकन एसआर रूंगटा ग्रुप के प्रबंधक एवं सामाजिक कार्यकर्ता मुकुंद रुंगटा ने आयोजन में उपस्थिति देते हुए आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह मजबूती के साथ निरंतर आगे बाद रहा हैं। जिले में ऐसे विद्यालय जो अभी तक इस कड़ी में जुड़े नहीं है उन्हें जोड़ने का प्रयास किया जाए। उन्होंने सभी रोट्रक्टरो को प्रतियोगिता परीक्षा के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन के लिए एसआर रूंगटा ग्रुप रूप हमेशा सहयोग के लिए तैयार है।

रोट्रक्ट क्लब के अध्यक्ष रो० अमित पोद्दार ने बताया कि यह बेहतरीन सामाजिक कार्य एवं सहयोग के लिए चाईबासा रोट्रैक्ट क्लब परिवार +2 मांगीलाल रूंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय एवं मारवाड़ी हिंदी मध्य विद्यालय का सदैव आभारी रहेगा। दोनों ही स्कूल के विद्यालय प्रबंधन ने हर तरीके से प्रतियोगिता में मदद की । अपने सभी जिलों के शामिल हुए विद्यार्थियों के प्रधान शिक्षक शिक्षिका तथा शिक्षकों के प्रति अपना कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि उनका सहयोग के बिना इतना बड़ा आयोजन संभव नहीं हो पाता। उन्होंने इस प्रतियोगिता में शामिल हुए सभी परीक्षार्थियों का भी धन्यवाद देते हुए कहा कि गणित के प्रति उनका सोच निश्चित रूप से जीवन के लिए खुद को तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा। मौके पर रोट्रक्ट क्लब के क्लब के सुमित नरेड़ी, अमित पोद्दार, अक्षय कुमार गुप्ता, रवि अग्रवाल, सौरभ मुंधड़ा आकाश अग्रवाल, अमन गुप्ता, बिष्णु भूत, दुर्गेश खत्री, कपिल गोयल, विनय दोदराजका, केशव दोदराजका, निशांत कुमार, पालक चावला, प्रणय भालोटिया, प्रशांत गुप्ता, राहुल सराफ, राकेश पोद्दार, सदाशिव खत्री, सौरव ज्ञान गुप्ता, सौरव नेवटिया, विवेक शर्मा, गिरीश दोदराजका, रोटरी क्लब के अध्यक्ष हीना ठक्कर, गुरमुख सिंह खोखर, महेश खत्री, अंजू राठौर, विजय पत्र, निर्मल चंद्र त्रिपाठी, घनश्याम मुंधड़ा, कन्हैया लाल अग्रवाल उपस्थित थे।

कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय, मुरहू में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन

बच्चों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य लाभ से जोड़ना जरूरी : मनोरंजन कुमार

PHOTON NEWS KHUNTI : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली और झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में रविवार को कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय मुरहू में 100 दिवसीय बच्चों के हित संबंधित विशेष विधिक जागरूकता और सहायता अभियान के तहत कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

विद्यालय की छात्राओं को संबोधित करते हुए डालसा सचिव

शिविर में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मनोरंजन कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम 17 नवंबर से शुरू हुआ है और 25 दिसंबर तक लगातार चलेगा। यह कार्यक्रम खास कर दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में रहनेवाले बच्चे और उनके अभिभावकों को जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने बच्चों की तस्करी, शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह पर रोक, पोक्सो एक्ट, किशोर न्याय बोर्ड, डायन प्रथा आदि विषयों पर बच्चियों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा और स्वास्थ्य लाभ से जोड़ना होगा, ताकि भविष्य में बच्चे किसी अपराध में शामिल न हों क्योंकि बच्चे ही राष्ट्र के भविष्य हैं। अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी दिनेश बाउरी ने कस्तूरबा विद्यालय की बच्चियों को संविधान के बारे में जानकारी दी और डालसा से मिलने वाले निःशुल्क न्याय के बारे में बताया।

डीएलएसए की डिप्टी चीफ नम्रता कुमारी ने कहा कि खूंटी जिला चाइल्ड ट्रैफिकिंग से प्रभावित है और हम सब का दायित्व है कि जागरूकता और कानून के भय से इसे रोकें। यह अभियान बच्चों के संरक्षण और संवर्धन तथा भविष्य निर्माण में बड़ी भूमिका निर्वाह करेगा। कार्यक्रम में डालसा के पैनल अधिवक्ता मदन मोहन राम ने कहा कि बच्चियों और महिलाओं से आए दिन होनेवाले दुर्व्यवहार और अनैतिक घटनाओं से अपने आप को रक्षा करने के लिए सबसे पहले आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता है।

मेरी माटी, मेरा देश के तहत अपने आंगन की मिट्टी अमृत कलश में की गयी समर्पित

PHOTON NEWS CHAIBASA : आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी टोन्टो मंडल की ओर से रविवार को मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत प्रखंड के विभिन्न क्षेत्र से कार्यकर्ताओं द्वारा अपने आंगन की मिट्टी अमृत कलश में समर्पित किया गया। साथ ही स्वतंत्रता सेनानी परिवार सीमा सुरक्षा बल में कार्यरत व शहीद परिवार एवं समाज समाजसेवी व गांव के विभिन्न घरों के आंगन से मिट्टी संग्रह किया गया।

बताया गया कि सभी मिट्टी को एकत्रित कर दिल्ली में कर्तव्य पथ पर शहीदों के स्मृति में निर्मित होने वाले अमृत

वाटिका को समर्पित किया जाएगा।

मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष लेबेया लागुरी, जिला अध्यक्ष सतीश पुरी, पूर्व विधायक जवाहरलाल बानरा, भाजपा जिला महामंत्री प्रताप कटियार महतो, जगदीश पाट पिंगुवा, मनोज लेयांगी, युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्र मोहन तियु, प्रदीप हेस्सा, लेबेया लागुरी, दिसिन्ग हेंब्रम, बाबूराम लागुरी समेत ग्रामीण महिला एवं पुरुष उपस्तिथ थे।

BRIEF NEWS

हाईकोर्ट के आदेश पर नौ रिटायर्ड कर्मियों की सेवा होगी नियमित

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के आदेश पर राज्य अंतर्गत नौ सेवानिवृत लिपिकों की सेवा नियमित करने का फेसला लिया गया है। उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ भी दिया जायेगा। राज्य सरकार ने इस आश्य के प्रस्ताव पर अपनी स्वीकृति दी है। ये विभिन्न विभागों से सेवानिवृत हुए थे, लेकिन इनका समायोजन नहीं हुआ। दस साल से अधिक सेवा करते हुए रिटायरमेंट लिया था। इनमें मनोज कुमार सिन्हा, गुप्तेश्वर सिंह, जय मंगल प्रसाद शर्मा, राजन राम, राजेंद्र सिंह, सत्येंद्र नारायण त्रिपाठी, नंद किशोर प्रसाद, मदन मोहन और कामेश्वर राम रवि हैं।

मुख्य सचिव चार साल से लंबित कांडों की करेंगे समीक्षा

RANCHI : मुख्य सचिव सुखदेव सिंह 10 अक्टूबर को चार साल से लंबित कांडों की समीक्षा करेंगे। इसको लेकर मुख्य सचिव कार्यालय ने गृह सचिव और डीजीपी को पत्र लिखा है। लिखे पत्र में कहा गया है कि मुख्य सचिव चार साल और इससे अधिक समय से लंबित कांडों की समीक्षा जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, सभी जिलों के एसएसपी, एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। इससे पहले बीते पांच अक्टूबर को एडीजी अभियान ने जिले के एसएसपी और एसपी के साथ चार से लंबित कांडों की समीक्षा की थी। लंबे समय से लंबित केस के निष्पादन के लिए मार्गदर्शन और अनुवीक्षण समिति बनायी गयी है। इस समिति के अध्यक्ष एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर और उपाध्यक्ष, आईजी और सीआईडी असीम विक्रांत मिंज को बनाया गया है। जबकि सभी रेंज के डीआईजी इसके सदस्य है। पुराने लंबित आपराधिक मामलों के निष्पादन में तेजी आयी है।

वृंदावन कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति कर रहा काल्पनिक मंदिर का निर्माण

RANCHI : मोरहाबादी के चिरौंदी स्थित वृंदावन कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति की ओर से इस वर्ष भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राठौर ने रविवार को बताया कि इस बार काल्पनिक पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। इसमें स्थानीय कलाकृतियों की झलक देखने को मिलेगी। उन्होंने बताया कि पंडाल की ऊंचाई 30 फीट और मां की प्रतिमा 10 फीट ऊंची होगी। पंडाल निर्माण में लगभग 18 लाख रुपए खर्च होंगे। पंडाल के अंदर विशेष लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। बाहर भी एक किमी से ज्यादा लाइटिंग से पूरा चिरौंदी - बोड़ेया रोड रौशन होगा। इसके अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष लाइटिंग लगाई जा रही है। बंगाल के 20 कारीगर पंडाल निर्माण के कार्य में जोर-शोर से लगे हैं।

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति न्यू एसटी धुर्वा का हुआ भूमि पूजन

RANCHI : सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति न्यू एसटी धुर्वा का भूमि पूजन हुआ। शारदीय नवरात्रि इस वर्ष 15 अक्टूबर से शुरू हो रही है। इसी दिन कलश स्थापना के साथ दुर्गा पूजा की शुरूआत हो जाएगी। पूजा समिति के सदस्य पूजा की तैयारी में जुट गए हैं। मूर्ति व पंडाल का काम शुरू हो गया है। भूमि पूजन में मुख्य रूप से दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष शिवलाल सिंह, जगन्नाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति के संयोजक कृष्णा मोहन सिंह, अध्यक्ष इंदरजीत प्रकाश कुमार, विनय सिंह समेत कई अन्य मौजूद रहे।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

आजसू की केंद्रीय समिति में होंगे 50 फीसदी युवा, 30 फीसदी महिलाएं भी शामिल

अनुशासन से ही लक्ष्य तक पहुंचती है पार्टी : सुदेश महतो

- आजसू पार्टी के केंद्रीय समिति का स्वरूप तय
- युवाओं और महिलाओं की होगी महत्वपूर्ण भागीदारी
- 40 से कम उम्र के लोगों के कंधे पर पार्टी की जिम्मेवारी

आजसू पार्टी के हरमू स्थित कार्यालय में बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सुप्रीमो सुदेश महतो।

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने पार्टी की केंद्रीय समिति में व्याप बदलाव करने की दिशा में कदम उठाया है। रविवार को हुई अहम बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि केंद्रीय समिति में 50 फीसदी वैसे लोग होंगे जिनकी उम्र 40 साल से कम होगी। वहीं समिति में 30 फीसदी महिलाएं होंगी। इन्हें पदाधिकारी स्तर की जिम्मेदारी दी जाएगी। यानी कि अब पार्टी की जिम्मेदारी युवा साथियों के कंधे पर होगी। पार्टी निर्णय के मुताबिक केंद्रीय समिति का स्वरूप कुछ ऐसा होगा, जिसमें युवाओं और महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी होगी। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि पार्टी अनुशासन से ही लक्ष्य तक पहुंच सकती है। राज्य में पार्टी की जड़ें मजबूत करनी होगी। पार्टी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सभी पर है। सभी को मिलकर जिम्मेदारी लेते हुए तीन महीने के अंदर एक लाख सक्रिय सदस्यों को पार्टी से जोड़ना है। महाधिवेशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के बड़ी आबादी पर महाधिवेशन का साकारात्मक असर है। लोग महाधिवेशन के सोच और प्रयास को सराह रहे हैं। महाधिवेशन में लिए गए संकल्पों को अब धरातल पर उतारने का समय आ गया है। इस दौरान सुदेश महतो ने जातीय जनगणना को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जातीय जनगणना के मुद्दे पर राज्य की जनता को चिट्ठी लिख कर और अन्य तरीके से बरगलाना बंद करें। सरकार जल्द से जल्द जातीय जनगणना करवाएं। यह मुख्यमंत्री के एकाधिकार का विषय है। जातीय जनगणना इस राज्य में रहने वाले हर वर्ग के लोगों के लिए बहुत आवश्यक है। इसके आधार पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं जिससे अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति का भी विकास हो पाए। बैठक में पार्टी के सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री, जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी जिला अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रमुख नेता हुए शामिल।

क्षेत्र की आबादी के आधार पर मिलेगा स्थान

सुदेश कुमार महतो की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संगठन के विस्तार पर चर्चा करते हुए तय किया गया कि सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राज्य के आबादी के आधार पर केंद्रीय समिति में पदाधिकारियों को स्थान दिया जाएगा। राज्य के सभी प्रखंड और नगर निकाय से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने वाले कम से कम एक महिला एवं एक पुरुष केंद्रीय समिति में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

महिला समूह की दीदियों से लाखों के जेवरात की ठगी

घूम-घूम कर ठगता रहा, किसी को नहीं लगी भनक

CRIME REPORTER RANCHI : ओरमांझी थाना क्षत्र के सुदूरवर्ती गांव सदमा व आसपास के महिला समूह की दीदियों से एक ठग ने लाखों के जेवरात व रुपए पर हाथ साफ कर लिया। बताया गया कि पिछले एक माह से मुकेश नामक एक ठग होचई, सांती व आसपास गांव में घूम-घूम कर समूह की दीदियों व अन्य महिलाओं को अपने झांसे में लेकर ठगता रहा और किसी को भनक तक नहीं लगी। ठग ने झांसे में लेने के लिए बताया कि वह पिठोरिया का सोनार अलंकार ज्वेलर्स का संचालक है। पुराने डिजाइन के आभूषणों को दो-चार दिन व एक सप्ताह में नए डिजाइन में बना देगा। ठग के झांसे में आकर समूह की दीदियों ने अपने सोने-चांदी के आभूषण ठग को देते गए। ठग ने कई दीदियों से बनाई के नाम पर रुपए भी ठग लिया। एक सप्ताह गुजर जाने के बाद जब वह आभूषण बना कर नहीं लाया तब दीदियों की चिंता बढ़ने लगी। मोबाइल पर संपर्क करने पर पहले वह कुछ दिन टालमटोल करता रहा और बाद में मोबाइल भी बंद कर लिया। ठग द्वारा दिए गए पते पर अलंकार ज्वेलर्स नाम की कोई दुकान भी नहीं मिली। जिसके बाद दीदियों को ठगे जाने का आभाष हुआ। ठगी की शिकार सभी दीदियां मुखिया सुनील उरांव के पास पहुंची और बताया कि रीता देवी से सोना का मंगलसूत्र, कान का झुमका, चांदी का पायल व हार, प्रतिमा देवी व सूजन देवी से सोना का नथिया व चांदी का पायल, शीला देवी से चांदी का पायल व हार, उषा देवी से पायल, नथिया, बीछिया व कंगन की ठगी हुई। इसके अलावे सुरैत देवी, रीता देवी, किरण देवी, सुनिता देवी, देवंती देवी इन सभी से पायल, सोने की नथिया सहित लगभग पांच लाख रुपए के जेवरात व रुपए भी ठगी कर फरार हो गया है। समूह की दीदियों के अनुसार मुकेश नामक ठग अपना नाम अलग-अलग बताया है। मुखिया ने गांव के लोगों से गांव में आने वाले किसी भी अपरिचित पर विश्वास नहीं करने व सावधान रहने को कहा है। वहीं मुखिया की पहल पर समूह की दीदियों द्वारा ओरमांझी थाना में मामला दर्ज कराया गया है। ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा ठग को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

सदर अस्पताल में पार्किंग शुल्क को लेकर हुआ विवाद

CRIME REPORTER RANCHI : सदर अस्पताल में पार्किंग को लेकर रविवार को एक वाकया सामने आया, जब एक प्रतिष्ठित कॉलेज की कुछ छात्राओं को पार्किंग शुल्क का विरोध करने पर जबरन रोक कर रखा गया। विवाद के बाद अस्पताल परिसर में जब मौके पर पहुंच कर कुछ लोगों ने समझाने का प्रयास किया, तो पार्किंग कर्मी अपने कुछ अन्य साथियों को बुला लाए, इनका एक समूह बस ड्राइवर, छात्राओं और अन्य लोगों से झगड़ने लगा। कॉलेज की कुछ छात्राएं बाहर से शॉपिंग करने आई थीं, जिन्होंने वहां बस खड़ी की थी। जब बस ने अस्पताल परिसर में एंट्री की तो उन्हें नहीं रोका गया, बाद में जब कुछ घंटे बाद वहां से जाने लगीं तो पर्ची के तौर पर प्रति घंटे की दर से दो सौ रुपया पार्किंग चार्ज चुकाने को कहा गया। जब छात्राओं ने ज्यादा पार्किंग वसूलने की शिकायत की तो उनकी बस को गेट पर ही जबरन रोक दिया गया। इस बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। छात्राओं का कहना था कि उनके साथ भी आरोपियों ने बदसलूकी की। इसकी सूचना जब अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट तक पहुंची, तो उन्होंने बवाल कर रहे पार्किंग कंपनी से जुड़े कर्मचारियों पर कार्रवाई की बात कही।

श्रीवास्तव गिरोह के अपराधी मजरूल को पुलिस ने दबोचा

RANCHI : हिंदपीढ़ी इलाके से एके-47 और 16 पीस पिस्टल बरामदगी मामले में श्रीवास्तव गिरोह का अपराधी को गिरफ्तार किया गया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान मजरूल उर्फ करन उर्फ जमरूल को रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मजरूल को पलामू जिला के हैदरनगर से गिरफ्तार किया गया है। बताते चलें कि बीते 26 मार्च 2018 को शहर के हिंदपीढ़ी इलाके से तत्कालीन एसएसपी कुलदीप द्विवेदी ने खुद छापेमारी कर हथियार जब्त किया था। हत्याकांड की छानबीन में पुलिस की यह उपलब्धि मिली थी। रांची पुलिस ने रेगुलर एके-47, 16 पीस पिस्टल, 4 पीस देशी कट्टा, 150 पीस जिंदा गोली और 20 लाख कैश बरामद किया था। इस मामले में मजरूल फरार चल रहा था।

चाहें जितना जोर लगा लें, सनातन नहीं होगा खत्म : जगन्नाथ सिंह

RANCHI : भारत देश का नाम भरत के नाम पर पड़ा। यह भूमि भगवान राम की है। धर्म विरोधी चाहे जितना जोर लगा लें सनातन को समाप्त नहीं कर सकते। समाप्त और अंत उनका होता है जिनकी शुरूआत हुई है। सनातन हजारों हजार वर्ष पुराना है। इतिहास में कई बार सनातन पर प्रहार किया गया है। इसे मिटाने का प्रयास किया है, लेकिन हर बार सनातन राख पर उठ खड़ा हुआ है। इस दौरान हर तरफ जय श्री राम, जय बजरंगबली का नारा गूंज रहा था। मौका था जगन्नाथ मंदिर परिसर मैदान में आयोजित शौर्य रथ आगमन पर शौर्य जागरण यात्रा का। जहां सभी लोगों को भगवान राम की जन्मभूमि पर निर्मित हो रही राम मंदिर के लिए निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम में शामिल जगन्नाथ सिंह केंद्रीय उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद ने कहा कि भगवान राम का मंदिर अगले वर्ष बन जाएगा।

नवरात्र पर रांची से गोरखपुर और दरभंगा के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें, लगेंगे अतिरिक्त कोच

PHOTON NEWS RANCHI : इस वर्ष 15 अक्टूबर से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र के मद्देनजर रांची रेल मंडल ने स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह निर्णय हुआ है कि दरभंगा और गोरखपुर से आने वाले यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। साथ ही जिन ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ देखी जाएगी या फिर वेटिंग लिस्ट की संख्या ज्यादा रहेगी उनमें अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। दक्षिण पूर्व रेलवे रांची मंडल के मंडल वाणिज्य प्रबंधक निशांत कुमार ने रविवार को बताया कि इस वर्ष रेलवे कर्मचारियों द्वारा पहले मंथन किया गया कि किस रूट की ट्रेन में सबसे ज्यादा भीड़ होती है, उसी हिसाब से हेड क्वार्टर को

अतिरिक्त रेल गाड़ियों के परिचालन को लेकर प्रस्ताव भेजा जाएगा। मंथन करने के बाद यह देखने को मिला की उत्तर प्रदेश और बिहार के दरभंगा जिले से आने वाली ट्रेनों में सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है। अभी से ही इन ट्रेनों में यात्रियों को वेटिंग में टिकट मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बिहार और कोलकाता के लिए भी यात्रियों की भीड़ होती है लेकिन इन रूटों पर भारत सरकार की तरफ से वंदे भारत ट्रेन का भी परिचालन किया गया है। इसके अलावा भी बिहार और झारखंड के अन्य जिलों में जाने वाले ट्रेनों का परिचालन हो रहा है, जो कहीं ना कहीं दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ जैसे त्योहार के मौके पर लोगों को राहत पहुंचाएगी। उत्तर प्रदेश के सीतापुर के रहने वाले एक यात्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हजारों लोग रांची में रहते हैं। रांची से गोरखपुर के लिए दुर्गा पूजा के मौके पर अतिरिक्त ट्रेन की शुरूआत की जाती है तो निश्चित रूप से हजारों यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। रांची से पटना जाने के लिए फिलहाल छह ट्रेनों का परिचालन हो रहा है, जिसमें जनशताब्दी, वंदे भारत एक्सप्रेस, हटिया पटना एक्सप्रेस, हटिया आईपीआर एक्सप्रेस, पाटलिपुत्र एक्सप्रेस हैं।

अंजुमन इस्लामिया हॉस्पिटल का चुनाव संपन्न

अध्यक्ष बने हाजी मुख्तार, महासचिव अनवर अन्नु

PHOTON NEWS RANCHI : अंजुमन इस्लामिया अस्पताल परिसर में जनरल बॉडी की बैठक हाजी गुलाम रब्बानी की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि इससे पहले जो अंजुमन अस्पताल कमिटी बनी थी, वो नियम अनुसार नहीं थी। 14 की जगह पर 17 लोग थे, जो नियम विरुद्ध है। उस कमिटी को भंग कर नई कमिटी बनाने का प्रस्ताव रखा गया। जिसके बाद अंजुमन इस्लामिया अस्पताल का चुनाव हुआ। जिसमें अस्पताल सोसायटी एक्ट के तहत हाजी मोख्तार अहमद को अंजुमन इस्लामिया अस्पताल सोशल सर्विसेज सोसाइटी के अध्यक्ष चुने गये।

ये हैं नई कमेटी के सदस्य : वहां मौजूद सभी की सर्वसम्मति से हाजी मोख्तार अहमद को अध्यक्ष चुना गया। जबकि उपाध्यक्ष जाहिद काजल, महासचिव अनवर आलम अन्नु, उप सचिव नदीम इकबाल, कोषाध्यक्ष मास्टर शाहिद चुने गये। इनके अलावा 9 कार्यकारिणी सदस्य के भी चुनाव हुए। जिसमें पूर्व पार्षद मो असलम, अफरोज आलम, जफर खान, मो सुफियान, जबीउल हक, अब्दुल खालिक नन्हू, शाफिकुर रहमान, डॉ सैयद इकबाल व मो मुकीम आलम के नाम शामिल हैं।

बैठक में शामिल हाजी मोख्तार अहमद व अंजुमन अस्पताल कमेटी के सदस्य।

अंजुमन इस्लामिया मेडिकल एंड सोशल सर्विसेज सोसाइटी एक्ट के तहत कुल 14 लोगों की एक कमेटी बनाई गई है। अब यह नई कमेटी अंजुमन इस्लामिया हॉस्पिटल को संचालित करेगी। चुनाव से पहले हुई बैठक में सभी ने एक स्वर में कहा कि अंजुमन इस्लामिया अस्पताल को बेहतर बनाने की जरूरत है। इसके लिए सभी पंचायत, सोसाइटी, तंजीम, एदारा को साथ आना होगा।

न्यू डेली मार्केट के अध्यक्ष बने हाजी हाशिम, मो. इरफान चुने गए महासचिव

RANCHI : न्यू डेली मार्केट ट्रेड वेलफेयर एसोशिएशन का चुनाव रविवार को संपन्न हुआ। हाजी मो हाशिम एसोसिएशन के चेयरमैन बने। वहीं मो इरफान को महासचिव बनाया गया। दो वर्ष के कार्यकाल वाली यह समिति अपने अच्छे कार्यों को लेकर आगे बढ़ रही है। यही कारण है कि 21 वर्षों से अध्यक्ष पद हाजी मो। हाशिम काबिल रहे हैं। न्यू डेली मार्केट ट्रेड वेलफेयर एसोशिएशन के चुनाव पर कनवीनर मिन्हाज आलम, उप कनवीनर मो नसीम और मो। शमीम ने कहा कि चुनाव शांति पूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सबसे अच्छी बात यह रही कि तीन पोस्ट पर निर्विरोध सदस्य निर्वाचित हुए।

झारखंड से 15 अक्टूबर तक विदा होगा मॉनसून

दुर्गा पूजा में साफ रहेगा मौसम

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में मौसम साफ हो गया है। बीते दिनों पांच दिनों तक बारिश हुई, जिसके बाद से आसमान एकदम साफ हो गया है। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है। अगले 36 से 48 घंटे के अंदर राज्य के अधिकांश हिस्से से मानसून के वापस लौट जाने की उम्मीद है। इस दौरान राज्य के अधिकांश इलाकों का मौसम शुष्क रहेगा। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ अभिषेक आनंद ने रविवार को बताया कि इस बार मानसून की विदाई में देरी हो सकती है। 12 से 13 अक्टूबर तक अधिकांश जिलों से मानसून की विदाई होगी। पूरे झारखंड से 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से मानसून के लौटने की उम्मीद है। इन दिनों तक न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। मानसून के लौटने दौरान हल्की बारिश होने की भी संभावना बन रही है लेकिन बारिश परेशान करने वाली नहीं होगी। बादलों के छंटने के साथ ही तापमान में गिरावट आनी शुरू हो गयी है। तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गयी है। सर्वाधिक बारिश वाले इलाके चाईबासा, जमशेदपुर और सरायकेला क्षेत्र में आज हल्के बादल छाये रहेंगे।

मुक्ति संस्था ने 35 अज्ञात शव का किया सामूहिक दाह संस्कार

RANCHI : मुक्ति संस्था की ओर से रविवार को जुमार नदी के तट पर 35 अज्ञात शव का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया । मुक्ति संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकालकर पैक कर जुमार नदी के तट पर लेकर गए। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था की ओर से अबतक कुल 1623 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया। मौके पर संस्था के रवि अग्रवाल, अमित किशोर, रतन अग्रवाल, संदीप पपनेजा, सौरभ बथवाल ,सुमित अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।

युवा कांग्रेस का मिलन समारोह, 24 जिलों के कार्यकर्ता हुए शामिल

'जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया' का नारा किया गया बुलंद

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को झारखंड युवा कांग्रेस का मिलन समारोह गीतांजलि बैंक्वेट हॉल, मोरहाबादी में आयोजित किया गया। इसमें कांग्रेस महासचिव सह झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इनके अवावा, अक्छउ सचिव सह भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अलावरु, विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री बादल पत्रलेख, विधायक अनूप सिंह, दीपिका पांडे सिंह, प्रदीप यादव पूर्व विधायक ममता देवी गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद युवा आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव, बाल आयोग के सदस्य उज्जवल प्रकाश तिवारी और झारखंड युवा कांग्रेस के सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित रहे। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया का नारा बुलंद किया। कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी देश के उभरते नेता में शामिल होने जा रहे हैं। जिसका डर भाजपा को सता रहा है। उनकी लोकप्रियता से भाजपा वाले बौखला गए हैं। उन्होंने कहा देश में तानाशाही सरकार है। देश के युवाओं ने बदलाव करने को लेकर ठान लिया है। नौजवान, किसान और महिलाएं त्रस्त हैं। इस सरकार में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। उन्होंने कहा इस कार्यक्रम में कांग्रेस के पुराने कार्यकताओं और नए कार्यकताओं को एक मंच पर लाने के लिए यह मिलन सम्मेलन किया गया है। इस मिलन समारोह का उद्देश्य वर्तमान और पूर्व जिलाध्यक्षों, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को संवाद के लिए एक मंच पर लाना था। कार्यक्रम में सभी 24 जिलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर अविनाश पांडे ने कहा कि सभी कार्यकर्ता पार्टी के लिए ईमानदारीपूर्वक काम करें। यह समय काफी कठिन है। कोई अगर विधायक बना हो, सांसद बना हो, मंत्री बना हो तो यह युवा कांग्रेस की ही देन है। जिसे पद नहीं भी मिला वह कार्य करते रहें, आज न कल उन्हें भी जरूर पद मिलेगा।

मिलन समारोह में मौजूद प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे और अन्य।

विधायक अनूप सिंह ने याद किये पुराने दिन

इस मौके पर विधायक अनूप सिंह ने कहा कि मैं भी यूथ कांग्रेस का प्रेसिडेंट था, क्योंकि युवा राजनीति यही से शुरू होती है। जितने भी प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं, वह यूथ कांग्रेस से ही रहे हैं। मैं खुद भी 7 सालों तक यूथ कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष रहा हूं। अपने युवा काल में जो हम काम करते हैं, उसको दिखाना जरूरी होता है।

मनरेगा कर्मियों का आरोप

अधिकारी गलत काम व टार्गेट पूरा करने के लिए बना रहे दबाव

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ की रांची जिला इकाई की बैठक जिला स्कूल परिसर में संजय प्रामाणिक की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में सभी प्रखंड के मनरेगा कर्मी उपस्थित थे। बैठक में सरकार के अधिकारियों के द्वारा मनरेगा कर्मियों के ऊपर हो रहे शोषण का विरोध किया गया। मनरेगा कर्मियों ने कहा कि अधिकारियों की ओर से उन्हें गलत काम और टार्गेट पूरा करने की धमकी जा रही है। कहा जा रहा है कि अगर टारगेट पूरा नहीं किया तो सीधे बर्खास्त करने की धमकी दी जा रही है। संजय प्रमाणिक ने कहा कि गलत होने पर सीधे रोजगार सेवक को ही बलि का बकरा बनाया जाता है। बैठक में मुख्य रूप से जॉन पीटर बागे प्रदेश अध्यक्ष, संजय प्रामाणिक जिला अध्यक्ष, बासंती कुमारी, मो युसुफ , आशिक अंसारी, बजरंग प्रसाद, बीरेन्द्र सिह भोक्ता, मो मुर्तजा, अपराजिता गुप्ता, खुदी राम पातर, दिनेश उरांव व अन्य लोग शामिल थे। बैठक में मनरेगा कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर आगामी दिनों में सरकार को घेरने की रणनीति पर विचार किया गया। राँची जिला के सभी मनरेगा कर्मी एकजुट होकर किसी भी शोषण और अपनी मांगों की पूर्ति के लिए तैयार हैं। संजय प्रमाणिक ने बताया कि मनरेगा कर्मी विगत 16 वर्षों से अपनी सेवा ग्रामीण विकास विभाग के अति महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा में काम कर रहे हैं।

BRIEF NEWS

राउरकेला नगरनिगम क्षेत्र के कॉलेजों का होगा विकास

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम अंतर्गत आठ कॉलेजों में विशेष सभा बैठक बुलाई गई। बैठक में आरएमसी के उपायुक्त, कार्यकारी अभियंता, कनिष्ठ अभियंता(जेई), आरएमसी कर्मचारी, कॉलेज के प्राचार्य उपस्थित थे। बैठक का प्राथमिक उद्देश्य फाइव टी के पहल से ट्रांसफॉर्मेशन रूप में अपने कॉलेजों के परिवर्तन के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाना था। बैठक का उद्देश्य मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत धनराशि के बारे में बताना और कॉलेज परिवर्तन के हिस्से के रूप में किए जाने वाले विभिन्न कार्यों के साथ-साथ अपेक्षित पूर्णता समयसीमा के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस बात पर भी जोर दिया गया कि असाधारण प्रदर्शन से अगले चरण के लिए फंडिंग में बढ़ोतरी भी हो सकती है।

सुंदरगढ़ में मना नुआखाई उत्सव, जनजातीय नृत्य से दर्शक हुए मुग्ध

ROURKELA : सुंदरगढ़ में रविवार को जिला स्तरीय नुआखाई भेटघाट कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला संस्कृति परिषद और जिला प्रशासन ने सुंदरगढ़ में जिला स्तरीय नुआखाई भेंतघाट का आयोजन किया। स्थानीय संस्कृति भवन के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में विधायिका कुसुम टेटे अतिथि थी। इस दौरान कुसुम टेटे ने नुआखाई उत्सव के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष कुंती प्रधान ने कहा कि नुआखाई हमारा मुख्य त्योहार, हमारी संस्कृति और परंपरा है और इस परंपरा को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में, गांव के उपासकों द्वारा पारंपरिक नुआखाई पूजा की गई। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक समूहों द्वारा पारंपरिक संबलुरी, आदिवासी नृत्य और अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका जेना एवं मनोज साहू ने किया। इसमें अतिरिक्त जिलापाल रवि नारायण साहू, अभिमन्यु माझी, सदर उपजिलापाल दाशरथी सराबू समेत अन्य लोगों ने भाग लिया।

महाराष्ट्र में फंसे युवा पहुंचे बंडामुंडा, बताई आपबीती

ROURKELA : राउरकेला के बंडामुंडा थाना अंतर्गत तिलका नगर के युवक, जो महाराष्ट्र में एक मछली पकड़ने वाली ट्रॉलर कंपनी में समुद्र में बंधक बने हुए थे,आज रात राउरकेला पहुंचे हैं। युवकों को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला युवक उसे अपने साथ ले कर आए है। गौरतलब है कि एक वीडियो संदेश भेजकर कर अपने आपबीती कि बात रो रो कर घर वालों को बताया था। घर वालों ने इस मामले जानकारी बंडामुंडा थाने में दी। राउरकेला बंडामुंडा पुलिस ने मामले को गंभीरता के साथ लेते हुए महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से इन सभी युवकों को बचाने सफल हुए।

साइबर सुरक्षा के लिए जागरूरकता दौड़ आयोजित

ROURKELA : साइबर धोखाधड़ी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए ओडिशा पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा अभियान 2023 चलाया जा रहा है। इस मौके पर रविवार को सुंदरगढ़ में मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। स्थानीय डीआरडीए चौक से सांकरा बाइपास तक 6 किलोमीटर लंबी सड़क पर एक सार्वजनिक दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एसपी प्रत्युष दिवाकर ने झंडा दिखाकर किया। सामूहिक दौड़ में छोटे बच्चों से लेकर हर उम्र के लोगों ने हिस्सा लिया। विभिन्न शैक्षणिक संस्थान, खेल छात्रावासों के कैदी और आम जनता साइबर सुरक्षा के संदेश से जुड़े हुए थे। एक सप्ताह से अधिक समय से जागरूकता रथ जिले में घूम रहा है और विभिन्न गांवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। एसपी ने कहा कि इससे लोग साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं के प्रति जागरूक होंगे।

विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक संपन्न

पांच अक्टूबर से प्रोन्नति का लाभ दिए जाने का संघ ने किया विरोध, आंदोलन की दी चेतावनी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : राजकीय हरिजन मध्य विद्यालय भालूबासा, जमशेदपुर में झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, पूर्वी सिंहभूम की एक आपात बैठक विभिन्न शिक्षक समस्याओं के निराकरण हेतु जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान शिक्षक संघ की ओर से विभिन्न समस्याओं को रखा गया। संघ के जिला अध्यक्ष अरूण कुमार सिंह ने कहा कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग अपने ही पूर्व के आदेश को नजर अंदाज करते 05 अक्टूबर 23 से शिक्षकों को भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति नहीं देने का आदेश दिया है। जो सही नहीं है। क्योंकि एक सिपाही भी 5 वर्षों में सिपाही से हवलदार बन जाता है परंतु शिक्षक योग्यता रखने के बाद भी जिस पद पर नियुक्त होते हैं उसी पद व वेतनमान पर सेवानिवृत हो जाते हैं।

विरोध प्रदर्शन करते शिक्षक संघ के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि जो प्रोन्नति ग्रेड 4 में अब दी जा रही है। वह 1994 में नियुक्त शिक्षकों को 2003-4 वैचारिक लाभ मिल जाना चाहिए। लेकिन सरकार ने तबसे न देकर अक्टूबर 2023 से लाभ देने का पत्र जारी कर दिया है जो सही नहीं है। क्योंकि इससे पुराने होने के बाद भी हम 2015 में नियुक्त शिक्षकों से जूनियर हो जाएंगे जो पुराने शिक्षकों के साथ अन्याय होगा। इसके साथ ही शिक्षकों से जुड़े पांच अन्य समस्याओं का यथाशीघ्र निराकरण नहीं होने पर वृहद आंदोलन की रूपरेखा तय की गई।

आंदोलन की पहली कड़ी में सभी शिक्षक 10 दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्र के माननीय विधायक महोदय से मिलकर उपरोक्त समस्याओं से अवगत कराएंगे यदि निराकरण न हुआ तो फिर धरना/ प्रदर्शन हेतु शिक्षक बाध्य होंगे। इसकी तिथि जल्द घोषित कर दी जाएगी।

बैठक में अरुण कुमार, सुनील मुर्मू, कृष्ण चंद्र दास, रमाकांत शुक्ला, पीतम सोरेन, टीप्रु तीयु, दुला राम मार्डी,रविंद्र नाथ सोरेन उपस्थित थे।

इन मांगों को भी रखा गया:

1. जिले के करीब 150 शिक्षक जो वर्ष 1994 में नियुक्त हुए थे का एक ही संवर्ग के कनीय शिक्षक का वेतन वरीय से अधिक होने पर समतुल्य वेतन का निर्धारण कर लेखा सत्यापन हेतु जिला लेखा कार्यालय में तीन माह से जमा है परंतु आज तक सत्यापन नहीं हो सका इसे जल्द से जल्द सत्यापित कराया जाए।
2. ई-विद्या वाहिनी में शिक्षकों द्वारा नेटवर्क की समस्या रहने पर महीने में कभी-कभी 5-10 मिनट उपस्थिति बनाने में विलंब हो जाता है। इसके परिणाम स्वरूप निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों द्वारा शिक्षकों को बेवजह परेशान किया जाता है यदि विभाग का यही रवैया रहा तो शिक्षक अपने मोबाइल से उपस्थिति दर्ज नहीं करेंगे।
3. प्रतिदिन व्हाट्सएप पर नए-नए आदेश जारी कर उसके पूरा नहीं होने पर सरकारी शिक्षकों को दंडित कर मानसिक और बौद्धिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है इसे अविलंब रोका जाए।

सरप्लस शिक्षकों की सूची को रद्द करे विभाग

शिक्षक संघ की ओर से कहा गया कि पीरामल फाउंडेशन द्वारा अपलोड की गई सरप्लस शिक्षकों की सूची जो ट्रांसफर पोर्टल पर अपलोड है उसमें अनेक खामियां व्याप्त है। सरप्लस शिक्षकों की सूची बनाते समय छात्र शिक्षक अनुपात व आरटीई मानक का ध्यान ही नहीं रखा गया है।अ नेक शिक्षक नेटवर्क समस्या के कारण पोर्टल पर आवेदन ऑनलाइन नहीं कर सके। डॉक्यूमेंट जांच के नाम पर दूर दराज के शिक्षकों को जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय बुलाकर बेवजह परेशान किया गया तथा गंभीर बीमारी से ग्रसित शिक्षकों को सिविल सर्जन कार्यालय जाने को कहा गया है। पूरी स्थानांतरण प्रक्रिया काफी जटिल है यदि लागू हुआ तो पूरे झारखंड के शिक्षा व्यवस्था रसातल में चले जाएगी। ऐसे में इस पूरी सूची को रद्द करते हुए अविलंब संशोधित सूची जारी किया जाए।

21 केंद्रों पर 9 अक्टूबर से शुरू होगी स्नातक छठवें सेमेस्टर की परीक्षा, 22000 परीक्षार्थी होंगे शामिल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय के स्नातक छठवें सेमेस्टर 2020-23 की परीक्षा 9 अक्टूबर से शुरू होगी और 17 अक्टूबर तक संचालित होगी। यह परीक्षा दो पालियों में ली जाएगी। इसकी पहली पाली सुबह 9 बजे से शुरू होकर दोपहर 12 बजे तक संचालित होगी। वहीं दूसरी पाली दोपहर 1 बजे से शुरू होकर शाम 4 बजे तक चलेगी। विवि के परीक्षा विभाग की ओर से इस परीक्षा के लिए केंद्रों का भी निर्धारण कर दिया गया है। जारी नोटिफिकेशन के तहत परीक्षा के लिए कुल 21 केंद्र बनाए गए हैं जहां करीब 22 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके साथ ही केंद्र बनाए गए सभी कॉलेजों के प्रिंसिपलों को केंद्राधीक्षक बनाया गया है और उन्हें परीक्षा की तैयार निर्धारित समय से पहले पूरा करने को कहा गया है।

पांच महीने देरी से हो रही है परीक्षा

स्नातक छठवें सेमेस्टर की परीक्षा करीब 5 महीने की देरी से हो रही है। नियमत इसे मई से जून के बीच संपन्न हो जानी चाहिए जबकि जुलाई से पहले परीक्षा परिणाम। लेकिन केयू अक्टूबर में परीक्षा ले रहा जो पूरे महीने चलेगा औरर इसका परीणाम नवंबर के अंत में आएगा। इस परीक्षा के देरी से होने से स्नातक के छात्र दूसरे विवि में पीजी नामांकन के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। यही नहीं केयू में भी पीजी नामांकन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है।

इसके साथ ही परीक्षा में कदाचार रोकने के लिए पांच टीमें गठीत की गयी है जो समय समय पर संबंधित केंद्रों का निरीक्षण करेगी।

इन केंद्रों पर होगी परीक्षा : एबीएम कॉलेज गोलमुरी, बहरागोड़ा कॉलेज, जीसी जैन कॉमर्स कॉलेज चाईबासा, घाटशिला कॉलेज, ग्रेजुएट कॉलेज, कोआपरेटिव कॉलेज, वर्कर्स कॉलेज, जेएलएन कॉलेज चक्रधरपुर, केएस कॉलेज सरायकेला, एलबीएसएम कॉलेज, सिंहभूम कॉलेज चांडिल, टाटा कॉलेज चाईबासा, बीडीएसएल महिला कॉलेज, करीम सिटी कॉलेज, पटमदा डिग्री कॉलेज, संत आगस्टीन कॉलेज, नोवामुंडी कॉलेज, महिला महाविद्यालय सरायकेला खरसावां, मॉडल महाविद्यालय सरायकेला खरसावां, डिग्री कॉलेज मनोहरपुर व एजेके कॉलेज चाकुलिया।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के नए परिसर का 11 को राज्यपाल करेंगे उद्घाटन, सीएम भी रहेंगे मौजूद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : वीमेंस यूनिवर्सिटी के सिदगोड़ा स्थित नए कैंपस का उद्घाटन बनने के करीब दो साल बाद 11 अक्टूबर को होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल सह कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आमंत्रित किया गया है। दोनों की ओर से विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया जाएगा। यह जानकारी विवि की कुलपति डॉ अंजिला गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 1953 में बिष्टुपुर में स्थापित जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज एक नए राह पर अग्रसर हो रहा है। यह बिहार एवं झारखंड प्रथम महिला विश्वविद्यालय अब नए भवन में जाने वाला है। ऐसे में शिक्षा को प्रयासरत, क्षेत्र की महिलाओं के लिए वो शुभ घड़ी आ गई जब ह्यजमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटीह्न को सिदगोड़ा कैंपस का उपहार प्राप्त होनेवाला है। इसके लिए जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी ने पूरी तैयारी कर ली है।

विदित हो कि यह विवि अभी बिष्टुपुर स्थित अपने पुराने कैंपस में ही संचालित हो रही है। लेकिन नए परिसर के उद्घाटन के बाद विवि के कई विभाग नए परिसर में सचालित होने लगेंगे। विवि प्रशासन की ओर से बताया गया कि नए कैंपस में जहां मुख्य प्रशासनिक कार्यों के साथ वाणिज्य, विज्ञान संकाय के कुछ विभाग एवं कुछ वोकेशनल विभागों के शैक्षणिक कार्य भी संपन्न होंगे, वहीं बिष्टुपुर कैंपस में ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस, शिक्षा, विज्ञान के कुछ विभाग एवं कुछ वोकेशनल कोर्स अपने शैक्षणिक कार्य करते रहेंगे।

70 करोड की लागत से 22 एकड़ में बना है नया परिसर

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के नए परिसर की बात करें तो यह करीब 22 एकड़ में फैला है। वर्तमान में इस परिसर में 70 करोड़ की लागत से दो भवन बनकर तैयार हैं। पहला भवन 10 मंजिला एकेडमिक भवन है जहां शैक्षणिक कार्य संपन्न होंगे। वहीं दूसरा भवन छात्रावास है जो करीब 500 बेड का है। यह पूरा परिसर राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक शिक्षा अभियान (रूसा) के फंड से बना है। इन दोनों भवनों के अलावा यहां कई और भवन बनने हैं। जिसके लिए विवि की ओर से बजट की मांग उच्च शिक्षा विभाग से की गयी।

कुछ ऐसा रहा जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय का इतिहास

वर्ष 1953 में बिष्टुपुर में स्थापित ह्यजमशेदपुर वीमेंस कॉलेज को वर्ष 2006 में पहली बार ₹कॉलेज विथ पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस (सीपीई)₹ एवं वर्ष 2008 में ऑटोनोमस का दर्जा प्राप्त हुआ। उन्नत होते हुए कॉलेज यूनिवर्सिटी के रूप में भी उन्नत हुआ। महिला शिक्षा को समर्पित इस विश्वविद्यालय की आधारशिला और ऑनलाइन स्थापना 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किया गया। वहीं 22 जून, 2022 को कुलपति के पदभार ग्रहण करने के साथ जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी क्रियाशील हुई और अब 11 अक्टूबर, 2023 को पूर्ण रूप से अपने नए प्रशासनिक, एकेडमिक भवन, हॉस्टल आदि के साथ बने नए कैंपस में अवस्थित हो जायेगी।

बिरसा मुंडा इंडोर स्टेडियम में किया गया रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

PHOTON NEWS CHAIBASA : बिरसा मुंडा इंडोर स्टेडियम में रविवार को रोलर स्केटिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता 6 वर्गों में आयोजित किया गया था। विजेता प्रतिभागियों के बीच मेडल और सर्टिफिकेट्स का वितरण किया गया। बताया गया कि चाईबासा में रोल बाल स्केटिंग की ट्रेनिंग अप्रैल से सप्ताह में तीन दिन (शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को) दी जा रही है। फिलहाल चाईबासा तथा आसपास के क्षेत्र से 55 बच्चे इस खेल में अपनी हुनर निखार रहे है। इसके लिए जमशेदपुर से चार पदाधिकारियों ने अपना योगदान दिया। चंदेश्वर कुमार, विद्याभूषण, ज्योति एवं नरेंद्र कुमार शामिल थे। पश्चिमी सिंहभूम रोल बाल स्केटिंग की अध्यक्षा शालिनी सराफ, कोषाध्यक्ष वरिसा दोदराजका, रोलर स्केटिंग प्रशिक्षक दशमत माझी, लायंस क्लब चाईबासा लावण्या की अध्यक्ष पिंकी अग्रवाल, लायंस क्लब चाईबासा के अध्यक्ष सचिन अग्रवाल एवं बहुत से अभिभावक भी मौजूद थे।

प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

ये रहे विजेता :

वर्ग एल केजी एवं यू केजी में अथर्व चिरानिया प्रथम, प्रजना दोदराजका द्वितीय एवं देवन्या शर्मा तृतीय।

वर्ग द्वितीय में आशी प्रिया प्रथम, आरव खैतान द्वितीय एवं देवांश शर्मा तृतीय।

वर्ग चतुर्थ में अभिराज मोदी प्रथम, पलक दोदराजका द्वितीय एवं दर्श अग्रवाल तृतीय।

वर्ग पंचम एवं षष्ठ में मानविक विजयवर्गीय प्रथम, श्रेयांश अग्रवाल द्वितीय एवं शिवम गोयल तृतीय।

वर्ग सप्तम में प्रियांश बंसल प्रथम, परिकेत अग्रवाल द्वितीय एवं आलेख अग्रवाल तृतीय।

वर्ग अष्टम में श्रीदास पिरोजीवाला प्रथम, पुण्यक सराफ द्वितीय एवं आस्था सिन्हा तृतीय रहीं।

राउरकेला सरकारी अस्पताल की सुधरेगी व्यवस्था : स्वास्थ्य मंत्री

PHOTON NEWS ROURKELA : ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री निरंजन पुजारी ने राउरकेला सरकारी अस्पताल का दौरा किया। दौरे के दौरान निरंजन पुजारी के साथ राज्य के श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने आरजीएच सम्मेलन कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे की स्थिति, रोगियों को आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के प्रावधान की समीक्षा की।

मंत्री ने अस्पताल अधिकारियों को अस्पताल में बिस्तरों की संख्या, दैनिक रोगी दर, चिकित्सा प्रणाली, विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली । उन्होंने आने वाले दिनों में डॉक्टर के रिक्त पद भरने पर सहमति जताई। बैठक के बाद उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा कर मरीजों के लिए की गयी आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा और मरीजों का हाल जाना।

मरीज से हालचाल पूछते विभागीय मंत्री। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि राउरकेला सरकारी अस्पताल में साफ-सफाई पर जोर दिया जा रहा है। अस्पताल व्यवस्थित ढंग से मरीजों को सेवाएं दे रहा है। मरीजों के लिए दवाएं उपलब्ध हैं।डायलिसिस रोगियों को भी आवश्यक सेवाएँ मिलती हैं। अस्पताल के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए जल्द ही नई इमारतों का निर्माण किया जाएगा। परिणामस्वरूप, अस्पताल के बिस्तरों की संख्या बढ़ेगी और अधिक रोगियों को इलाज मिल सकेगी। बैठक में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ. निरंजन मिश्रा, जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. धरणी रंजन सतपथी, राउरकेला सरकारी अस्पताल के निदेशक डॉ. सतासी कुमार स्वामीन, अधीक्षक आरजीएच डॉ. सुधारानी प्रधान, उपाधीक्षक डॉ. पंडित साहू, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शंकर आचार्य एवं आरजीएच प्रबंधक मोहित कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे।

ईब नदी पुल पर ट्रेलर ने बाइक को रौंदा, पति की मौत, पत्नी व बच्ची गंभीर

PHOTON NEWS ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के सदर थाना अंतर्गत ईब नदी पर बनी पुल पर रविवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी और बच्ची की हालत गंभीर है। उन्हें गंभीर हालत में सुंदरगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक टाउन थाना क्षेत्र के अमलीपाली का रहने वाला है। तीनों बाइक से जा रहे थे तभी एक ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी।चालक पति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी और नवजात बेटी घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक फरार हो गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

विधायक दीपक बिरुवा की उपस्थिति में हुई झामुमो प्रखंड कमेटी की बैठक

सभी पंचायतों के सदस्यों की सूची जमा करने का निर्देश

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड स्थित सरनाडीह में रविवार को झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सतीश सुंडी की अध्यक्षता में माननीय विधायक श्री दीपक बिरुवा की उपस्थिति में झामुमो प्रखण्ड कमेटी की बैठक हुई। बैठक में आगामी 15 अक्टूबर को सरनाडीह में होने वाली कार्यकर्ता सम्मेलन सह प्रशिक्षण शिविर को लेकर चर्चा हुई। साथ ही पार्टी की सांगठनिक स्थिति व राजनीतिक परिस्थिति एवं सदस्यता अभियान को लेकर विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम पर भी चर्चा परिचर्चा की गई।

बैठक में शामिल विधायक दीपक बिरुवा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

बैठक में विधायक दीपक बिरुवा ने उपस्थित पदाधिकारी को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि प्रखंड अंतर्गत सभी 18 पंचायत में आगामी 11 अक्टूबर तक पंचायत समिति का सुदृढीकरण किया जाना है। उन्होंने सभी 18 पंचायत के 25 सदस्यों की सूची जमा करने का निर्देश दिया।

बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य राजश्री सावैया, जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी, राहुल तिवारी, शिशिर सुंडी, चंद्र मोहन देवगम, मासीह देवगम, लेबर सिंह अल्डा, दुबलिया बारी , सिद्धेश्वर देवगम, पूनम सुंडी, गुमदी पूर्ति, रंगिया सुंडी, मनोहर सुंडी, तूराम सामद, मुन्ना सुंडी, नारायण देवगम, सुखलाल सुंडी, बेरगा सुंडी, सनी देवगम, मधु सूंबरूई, धर्मराज देवगम समेत अन्य उपस्थित थे।

राउरकेला स्टेशन के विकास के लिए 350 करोड़ रुपये का होगा निवेश : एके मिश्रा

PHOTON NEWS ROURKELA : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के महाप्रबंधक अनिल मिश्रा राउरकेला दौरे पर थे। जीएम एके मिश्रा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राउरकेला स्टेशन, बंडामुंडा आदि स्टेशनों का दौरा किया और विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की ।

राउरकेला स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद जीएम एके मिश्रा ने बंडामुंडा और नुआगांव के बीच रेलवे ट्रैक का निरीक्षण किया। चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। रेलवे महाप्रबंध ने कहा कि राउरकेला रेलवे स्टेशन क्षेत्र के सुधार के लिए 350 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है।

बीजेपी वाले गांधी के हत्यारे को क्रांतिकारी मानते हैं

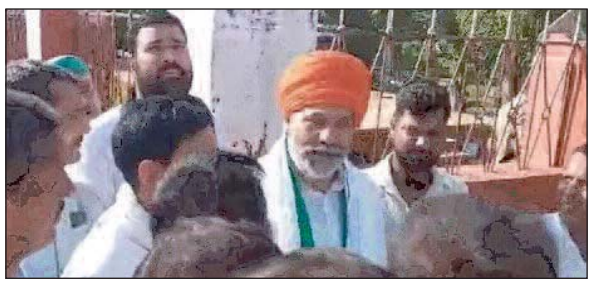

भोजपुर में राकेश टिकैत ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा- सरकार के भरोसे नहीं लिखा जाएगा इतिहास

पटना। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत तीन दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे हैं। शनिवार को टिकैत बिहटा होते हुए भोजपुर जिले के जगदीशपुर पहुंचे, जहां राकेश टिकैत ने वीर कुंवर सिंह के मूर्ति पर माल्यापर्ण किया। इस दौरान राकेश टिकैत के साथ बिहार के पूर्व कृषि मंत्री सह राजद विधायक सुधाकर सिंह भी मौजूद थे। वहीं माल्यार्पण के बाद उन्होंने कहा की बिहार में जल्द ही किसानों के मुद्दों पर राज्य में आंदोलन करेंगे। ये आंदोलन एमएसपी से नीचे दाम मिलने के कारण किया जाएगा। एमएसपी गारंटी कानून के लिए बिहार किसानों का साथ दें। वहीं उन्होंने कहा कि बिहार मैं इसलिए आया हूं क्योंकि बिहार के किसानों को भी सबसे ज्यादा दिक्कत है। उन्होंने बताया कि बिहार में किसान के फसलों के सही दाम नहीं मिलते है। सस्ते में व्यापारी सफलें खरीदता है क्योंकि यहां कि बाजार समिति जो मंडी है, वो 15 साल पहले यहां खत्म हो गई है। बिहार में अब कोई प्लेटफार्म किसान का नहीं है। ताकि किसान अपनी फसल बेच सके। हजारों ट्रक भरकर यहां की फसलों को उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बड़े बड़े शहरों के व्यापारी वहां बेचते है। इतना ही नहीं बिहार में भूमि अधिग्रहण की भी समस्या

है। वहीं वीर कुंवर सिंह ने अस्सी साल की उम्र में लड़ाई लड़ी थी और आज के समय में बिहार में भूमि अधिग्रहण हो रहा है और कोई आंदोलन नहीं है। एक आंसू गोला नहीं है एक लाठी चार्ज नहीं है। तो जमीन कैसे बचेगी। उन्होंने कहा कि अपनी जमीन बचाने के लिए आंदोलन जरूरी है। जब तक देश में जय हिंद संविधान का नारा नहीं लगेगा तब तक अपनी जमीन नहीं बचेगी। वहीं उन्होंने कहा कि बिहार में ट्रैक्टर आंदोलन की शुरूआत हो चुकी है। एक झटका सरकारों से लेनी पड़ेगी। ट्रैक्टर मार्च निकलेंगे। लोग जागरूक होंगे। उन्होंने कहा कि यहां के लोग मेहनती है बाहर जाकर काम करते है। बताते भी नहीं है ये किसान है मजदूर बनकर काम करते है। लेकिन अपना खेत और अपना काम का नारा बिहार में देना पड़ेगा। वहीं जातीय जनगणना पर राकेश टिकैत ने कहा कि कुछ लोगों का राजनीति फायदा होता होगा। वहीं देश को कोई जनगणना में बांट रहे है तो वो धर्म में बांट रहे है। वहीं 2024 में लोकसभा के चुनाव में किसान किसको समर्थन करने के सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि हम तो देखेंगे किसको सपोर्ट करना है। किसी को अखाड़े में जाते है की कुश्ती लड़ और जब लड़ने वाला ही भाग जाए तो किसको करें। पहले देखने दो किसको चुनाव लडना है ये क्या करेंगे। अगर पहले ही डर गए विपक्ष वाले तो वे (भापजा) आयेंगे और वे बेईमानी करेंगे और वे डराएंगे। सब काम करेंगे और ये उनसे डर गए तो जीत तो उन्हीं की होगी। वहीं वीर कुंवर सिंह के स्मारक नहीं लगाए जाने वाले सवाल पर उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा वाले क्रांतिकारियों की इतिहास मिटाएंगे वो गांधी के हत्यारे को क्रांतिकारी मानते है। उनका इतिहास लिखा जायेगा वीर कुंवर सिंह का नहीं लिखा जायेगा। वीर कुंवर सिंह का इतिहास जनता को खुद लिखना पड़ेगा।

भोजपुर में विवाहिता की रस्सी से गला घोंटकर हत्या

भोजपुर। जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के खैरहा गांव में शनिवार को एक विवाहिता की रस्सी से गला घोट कर हत्या कर दी गई। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के सनसनी फैल गई है। वहीं मृतका के परिजन द्वारा ससुराल वालों पर पैसे की मांग को लेकर उसी गला घोट कर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतका धनगाई थाना क्षेत्र के खैरहा गांव निवासी मृत्युंजय सिंह की पत्नी काजल कुमारी (25) है। इधर, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के ईश्वर सिंह के टोला गांव निवासी मृतका के पिता जितेन्द्र सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी काजल कुमारी की शादी धनगाई क्षेत्र के खैरहा गांव निवासी राम सकल सिंह के पुत्र मृत्युंजय सिंह से वर्ष 2022 में 11 फरवरी को लेन-देन एवं पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ की थी। शादी के कुछ दिन बाद से ही उसके पति,सास तथा ननद द्वारा उसे जगदीशपुर जमीन खरीदने व स्नातक पास होने पर स्कॉलरशिप मिले पैसे की मांग को लेकर उसे मानसिक रुप से प्रताड़ित किया जाता था। ससुराल द्वारा बराबर कहा जा रहा था कि तुम अपने मायके में ही रहा करो। मेरे भाई की कमाई तुम्हारे घर वाले खाते है। जिसको लेकर उसकी पति,ननंद एवं सास बराबर उसके साथ झगड़ा भी करती थी। जब गर्भवती थी तो उसे हम लोग अपने घर लाए थे और बच्ची पैदा होने के बाद उसे ससुराल भेज दिया था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को अंतिम बार हमलोग को फोन पर उससे बात हुई थी। बातचीत के दौरान जब मैंने उससे पूछा कि बेटी तुमने जितिया का व्रत किया है तो उसने कहा कि नहीं। इसके बाद उसकी मां ने उससे बात की। उस दौरान उसने अपनी मां से कहा था कि यह लोग बराबर मुझे मानसिक रुप से प्रताड़ित करते हैं। इसी बीच शनिवार की दोपहर उन्हें सूचना मिली के उनकी बेटी की मौत हो गई है। सूचना पाकर परिजन उसके ससुराल पहुंचे। घटना की सूचना स्थानीय थाने को दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच शव अपने कब्जे में ले कर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। वही दूसरी ओर मृतका के पिता जितेन्द्र सिंह ने उसके पति, सास व दो ननद पर उस स्नातक पास करने के बाद स्कॉलरशिप में मिले पचास हजार और जगदीशपुर के नयका टोला में जमीन खरीदने को लेकर चार लाख यानी कुल साढ़े चार लाख रुपए की मांग को लेकर अपनी बेटी काजल कुमारी की रस्सी से गला घोट कर हत्या करने का आरोप लगाया है।

बेगूसराय: दबंगों ने महिला को पीटा

2 बेटी की भी पिटाई की, पीड़िता बोली- जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश कर रहा था

बेगूसराय । दबंगों की दबंगई की एक बड़ी करतूत सामने आई है। यहां दबंगों ने दो छात्रा और एक महिला को लाठी से बेरहमी से पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना नगर थाना क्षेत्र की है। दबंगों ने दो छात्राओं सहित एक महिला की जमकर पिटाई कर दी। इनका इलाज सदर अस्पताल बेगूसराय में चल रहा है। पीड़ित पक्ष की ओर से आरोप लगाया गया है कि आरोपी के द्वारा हथियार के बल पर उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया जा रहा था। इसका विरोध करने की वजह से ही महिलाओं के साथ पिटाई की गई है। अभी तक पीड़ित पक्ष के द्वारा पुलिस में किसी प्रकार की सूचना

नहीं दी गई है। पुलिस मामले में अपनी अभिज्ञता जाहिर कर रही है। दरअसल, पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के पोखरिया मोहल्ले की है । पीड़िता समस्तीपुर जिले के हसनपुर चीनी मिल की रहने वाली है एवं दोनों बहन बेगूसराय में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई करती है। बेटी से मिलने के लिए उसकी मां बराबर आते जाते रहती थी। पोखरिया मोहल्ले के रहने वाला एक युवक नाजायज संबंध बनाने की कोशिश करता था। इसके लिए पूर्व में भी हथियार के साथ लड़की को डराने धमकाने की तस्वीर भी पीड़ित पक्ष की ओर से दिखाया गया है। इसी बीच जब उसकी मां बेटी से मिलने के लिए आई तब दोनों बच्चियों ने अपनी मां से इसकी शिकायत की। इसके बाद मां के निर्देश पर दोनों बच्चियों ने किराए के मकान को खाली कर दूसरी जगह किराए पर अपना मकान ले लिया।

मकान मालिक को जब चाबी देने के लिए पहुंची तब सामने के मकान में रहने वाले दबंग अपराधी ने उसके साथ गाली गलोज करना शुरू कर दिया। पीड़िता के द्वारा इसका विरोध किया गया तो लाठी डंडे से मां एवं दोनों बेटी की पिटाई कर दी ।

दरभंगा में लगातार बढ़ रहे डेंगू के मरीज

अब तक 79 मामले आए सामने, डॉक्टरों ने कहा- लक्षण दिखे तो तुरंत कराए

दरभंगा । लगातार डेंगू के केस में बढ़ोतरी हो रही है। जिससे पूरा स्वास्थ्य महकमा सतर्क है और डेंगू वार्ड को दुरुस्त करने में लगा हुआ है। अभी तक दरभंगा में कुल 79 डेंगू के पेशेंट मिले हैं। जिसमें से 2 वार्ड में भर्ती है। वहीं दरभंगा में एक की मौत डेंगू से हो चुकी है। उक्त बातों की जानकारी सिविल सर्जन अनिल कुमार सिन्हा ने दी। जानकारी हो की डीएमसीएच के ओपीडी से अक्टूबर के मात्र 6 दिनों में डेंगू जांच के लिए 59 मरीजों को ओपीडी से भेजा गया। इसमें से 19 मरीजों में डेंगू पाया गया है। इस लैब में डेंगू जांच कराने वाले मरीजों की संख्या में लगातार

बढ़ोतरी हो रही है। विभाग के वीआरडीएल लैब में एलाइजा मशीन से ब्लड की जांच की जाती है। जांच के बाद डेंगू की पुष्टि होती है। इस लैब में दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, सूपौल सहरसा, पूर्णिया, खगड़िया, बेगूसराय से डेंगू जांच के लिए मरीज आते हैं। यह लैब आईसीएमआर की ओर से संचालित किया जाता है। वीआरडीएल लैब, डीएमसीएच के साइंटिस्ट डॉ संजय कुमार ने कहा की डीएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में डेंगू जांच की पूरी व्यवस्था है। डेंगू की जांच के लिए एलाइजा जांच में एनएस-1 व आईजीएम जांच की जाती है। उल्टी, पेट में दर्द, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी, तेज बुखार आदि लक्षण हो तो डॉक्टर की सलाह से डेंगू की जांच जरूर कराएं।

नौबतपुर: कुख्यात की गोली मार कर हत्या

पटना । नौबतपुर थाने के शेखपुरा का रहने वाला कुख्यात अपराधी जटा सिंह उर्फ. जटहा उर्फ. काला नाग उर्फ शत्रुधन कुमार को बीते शनिवार की रात चेसी गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। देर रात पुलिस ने लाश की खोजबीन किया। लेकिन पता नहीं चल सका था। नौबतपुर पुलिस को रविवार की सुबह जटा सिंह का लाश चेसी गांव के समीप बधार में मिला है। वहीं, मौके से एक सफेद रंग की एसयूवी कार भी बरामद की गई है। कार के अंदर खून दिख रहा था। चेसी में जटा सिंह गिरोह के कई साथी थे तो कई विरोधी भी थे । जटहा के ऊपर नौबतपुर में हत्या, रंगदारी,

गोलीबारी के दर्जनों मामले दर्ज है। बिहटा, बिक्रम, दुल्हिन बाजार के कई अपराधिक घटनाओं में शामिल रहा है । जटहा पुलिस पर भी गोलीबारी करने से बाज नहीं आता था । यही जटा एक बार दुल्हिन बाजार में रेड के दौरान पुलिस पर गोलीबारी कर दिया था इसमें डीएसपी बाल - बाल बचे थे । कुख्यात अपराधी का डायलॉग था जटा के हाथ में जब तक है कट्टा ह्ल तब तक कोई हाथ नहीं लगाएगा। पुलिस ने जब जटहा को गिरफ़्तार किया था तो दोनाली पिस्टल और अत्याधुनिक पिस्टल बरामद किया था । जटहा सुपारी लेकर लोगों की हत्या करता था । नौबतपुर बाजार के कारोबारियों में जटहा का भय व्याप्त था । हाल ही में एक होटल में खाने के दौरान गोलीबारी कर दिया था । इन दिनों जमीन कारोबारियों से रंगदारी वसूली करता था, जो नहीं देते थे। उसका विरोध करता था ।

डूबे व्यक्ति का लाश 16 घंटे बाद बरामद

जमुई । मलयपुर थाना क्षेत्र के देवचक गांव में आहर में नहाने के दौरान डूबे व्यक्ति की लाश मिल गई है। शनिवार तीन बजे वह नहाने के दौरान आहार की गहराई में डूब गया था। जिसके बाद से उसकी तलाश जारी थी। रविवार सुबह आस-पास के लोगों ने पुलिस की मदद से हादसे के 16 घंटे बाद उसकी लाश आहर से निकाल लिया है। मामला मलयपुर

थाना क्षेत्र का है। शनिवार को करीब 3 से 4 बजे के बीच ये हादसा हुआ था। देवाचक निवासी नारायण मांझी 45 वर्ष आहार में नहाने गया था। इसी दौरान नारायण मांझी का पैर फिसल गया और वह अधिक गहराई वाली जगह में चले गए और डूब गए। आसपास खेल रहे बच्चों ने इसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों को दिया। गांव के कई युवक आहर में उतर नारायण मांझी को खोजबीन की पर उसे नहीं ढूंढ पाया। घटना की सूचना बरहट सीओ रणधीर प्रसाद और मलयपुर थानाध्यक्ष वीरभद्र सिंह को दिया गया। पुलिस ने जिले के कटौना में तैराकी का प्रशिक्षण दे रहे एनडीआरएफ के 5 गोताखोरों को घटनास्थल बुलाकर डूबे व्यक्ति की खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिला। अंधेरा होने के कारण सुबह खोजबीन करने की बता कही गई।

संक्षिप्त डायरी

भोजपुर में 5 लड़कियां नदी में डूबीं, 3 के मिले शव

भोजपुर । सोन नदी में 5 लड़कियां डूब गईं। रविवार सुबह स्थानीय लोगों की मदद से तीन शवों को बरामद किया गया है। दो की तलाश की जा रही है। डूबने वालों में एक महिला और चार किशोरी है। इनमें से एक की शादी इसी साल हुई थी। मृतका के भाई साहिल ने बताया कि सभी नहाने के दौरान नदी में एक-दूसरे पर पानी फेंक रही थीं। मैंने देखा था, तभी अचानक से दीदी बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगी। मैंने बहुत आवाज लगाई लेकिन मदद के लिए कोई नहीं आया। इतने में सब डूबने लगीं, मुझे बस उनके सिर दिखाई दे रहे थे। सभी जिउतिया पर्व पर घाट पर सभी स्नान और पूजा करने गई थीं। सभी नदी में पानी फेंककर खेल रही थीं, तभी एक का पैर फिसला और वो डूबने लगी। उसे बचाने के दौरान एक-एक कर पांचों डूब गईं। घटना चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा दक्षिणी घाट की है। डूबने वालों में 2 लड़कियां एक परिवार की वहीं तीन एक परिवार से थीं। घटना के बाद देर रात तक स्थानीय लोगों ने खोजबीन की थी लेकिन कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह से ही स्थानीय लोगों ने तलाश शुरू की। सुबह 7 बजे के करीब 3 लड़कियों का शव मिला। रञ्ञ्ककी 10 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची। दो लापता शवों की खोजबीन जारी रविवार सुबह NDRF और SDRF के नहीं पहुंचने से ग्रामीण नाराज दिखें। लोगों ने तीनों शवों को सड़क पर रखकर नासरीगंजझ्सकड्डी मुख्य मार्ग को चांदी बाजार के पास जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीण मुआवजे की मांग कर रहे हैं। कोइलवर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी ऋषभ कुमार की पत्नी अनिता कुमारी (20)। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मिल्की गांव निवासी दशरथ यादव की बेटी निशा कुमारी (18) (अनिता की ममेरी बहन)। चांदी थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदी गांव निवासी चितरंजन वर्मा की बेटी सुमन कुमारी और चंद्रावती कुमारी, दोनों सगी बहन थी। चांदी थाना क्षेत्र के चांदी गांव निवासी देवेंद्र वर्मा की की बेटी अंजली कुमार (20) (चचेरी बहन) है। सुमन कुमारी नौवीं, चंद्रावती कुमारी मैट्रिक पास और अंजली ग्रेजुएशन की छात्रा है। अनिता की शादी मार्च 2023 में हुई थी। तीन दिन पहले वह अपने मायके आई थी। जबकि उसकी ममेरी बहन निशा रक्षाबंधन में आई थी। रविवार सुबह सुमन, चंद्रावती और निशा का शव बरामद किया गया है।

बेतिया में करोड़ों रुपए में 3 सड़कों का होगा निमार्ण

बेतिया । जर्जर पड़े वार्ड 17 के जोड़ा शिवालय मंदिर से राज ड्योढ़ी की सड़क के नव निर्माण योजना को नगर विकास एवं आवास निर्माण विभाग से हरी झंडी मिल गई है। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि विभाग के अपर मुख्य सचिव के स्तर मिले निर्देश के बाद लाल बाजार के ऐतिहासिक जोड़ा शिवालय मंदिर से राज ड्योढ़ी के पूर्वी गेट से राज कचहरी कार्यालय तक और राज कचहरी से टेंपो स्टैंड तक की पीसीसी सड़क का निर्माण भी राज्य योजना मद से कराए जाने की स्वीकृति नगर निगम बोर्ड से मिलने के बाद विभाग को भेजे गए अनुरोध पत्र के आलोक में कुल 99 लाख 93 हजार 400 की लागत वाली इस योजना का प्राक्कलन अंतिम स्वीकृति के लिए नगर आयुक्त को सौंपा गया है। इसके साथ ही सात करोड़ से अधिक की लागत वाली नगर निगम क्षेत्र की तीन सड़क निर्माण योजनाओं को नगर निगम बोर्ड द्वारा सर्व सहमति से राज्य योजना मद से बनवाने के लिए पारित दो अन्य योजनाओं की स्वीकृति विभागीय स्तर से दिलाने की दिशा में पहल की जा रही है। एनएच 727 से जोड़ने वाली काली बाग ओपी से जमादार टोला होकर मनुआ पुल तक, कमलनाथ नगर के खीरी पेड़ मोड़ से सुप्रिया रोड में एनएच 727 तक, इन जर्जर सड़कों के नाले सहित ढउउ सड़क के नव निर्माण पर कुल 7 करोड़ 6 लाख 11,300 की राशि खर्च के प्राक्कलन को नगर निगम बोर्ड द्वारा सर्व सहमति से स्वीकृति दे दी गई है। मनुवा पुल मुख्य के पास एनएच 727 से जुड़ी जमादार टोला होते हुए काली बाग ओपी चौक से नजदीक विकास प्रसाद के घर तक पीसीसी सड़क एवं नाला निर्माण पर कुल 4 करोड़ 52 लाख 34 हजार की लागत का प्राक्कलन बना है। संत तेरेसा जाने वाली सड़क में खीरी के पेड़ से कमलनाथ नगर चौक होते हुए एनएच 727 में रोड तक पीसीसी सड़क एवं नाला निर्माण पर कुल 1 करोड़ 53 लाख 83,900 की लागत का प्रस्ताव है। नगर के मुख्य नाले के नवनिर्माण हेतु स्ट्राम वॉटर ड्रेनेज योजना में भी स्वीकृति मिली है।

अपने घर जैसा लगता है बिहार : मिश्रा

बक्सर । कार्यक्रमों में लगातार पहुंच रहे आईपीएस आनंद मिश्रा को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। लोगो का मानना है कि वो इस बार चुनाव लड़ने की तैयारी में है। हालांकी जब यह सवाल आनंद मिश्रा से पूछा गया की बार-बार बिहार आना किसी बात का संकेत है क्या? जिन्होंने हंसते हुए साफ शब्दों में कहा की नही यह कोई संकेत नहीं है। बिहार मेरा घर है मैं अपने घर आता जाता रहा हूं। बता दे की आईपीएस आनंद मिश्रा युपी के लखीमपुर खीरी में SP के पद पर तैनात है। जब भी उन्हें मौका मिलता है वो बक्सर के विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करते है। युवा जनसंवाद को भी घूम-घूम कर करते है। शनिवार की रात बक्सर रामलीला के उद्घाटन में पहुंचे जहां मीडिया के सवालों का जबाब देने का काम किया। बिहार के प्रशासनिक व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि हर स्टेट की अलग-अलग सिचुएशन है। उस हिसाब से कोई भी पुलिस और एडमिनिस्ट्रेटर एटुंड हो जाता है।

सीतामढ़ी में 132 आशा कार्यकताओं की नौकरी खत्म

गलत तरीके से हुआ था चयन, सीएचसी ने जांच के दौरान कागजातों में पाई गई गड़बड़ी

सीतामढ़ी । परिहार प्रखंड में 132 आशा कार्यकताओं को नौकरी चली गई। ये सभी का अवैध रूप से नियुक्त सेटिंग-गेटिंग कर की गई थी। नियुक्त करने वाले अधिकारी भी बहाली के तमाम नियमों को ताक पर रख दिए थे। जांच होने पर मामला सामने आया हैं। राज्य स्वास्थ्य समिति के पत्र के आलोक में सीएचएस प्रभारी ने एक साथ इन सभी आशा का चयन रद्द कर दिया है। इस कार्रवाई से इन सभी 132 आशा कार्यकताओं में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य सेवा में सहयोग के लिए आशा कार्यकताओं का चयन किया जाता है। परिहार में बड़ी संख्या में आशा चयनित की गई थीं। सभी आशा कार्यकर्ता विभाग के कदम से कदम मिला कर चल रही थीं। विभाग के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने में काफी मदद करती थीं। वह कल तक स्वास्थ्य विभाग की कर्मी कहलाती थी और अब सीधे सड़क पर आ गई हैं। मामला यह है कि आशा कार्यकताओं का चयन ही गलत तरीके से कर लिया गया था। इस कारण जांच के बाद एक साथ 132 आशा कार्यकताओं का चयन रद्द कर दिया गया है। यानी उनके हाथ से नौकरी छीन गई। रद्द करने की यह कार्रवाई परिहार पीएचसी प्रभारी डॉ आरपी शाही ने की है। सीएचसी प्रभारी ने बताया कि कई आशा ऐसी हैं, जिनकी उम्र चयन के दौरान 25 वर्ष से कम और 40 वर्ष से अधिक थी। इनका चयन नहीं करना था। एक हजार की आबादी पर एक आशा का चयन किया जाना था। इस नियम का पालन नहीं हुआ था। यानी पोषक क्षेत्र की आबादी हजार से कम होने पर भी चयन कर लिया

गया था। संबंधित अभ्यर्थी को उसी के पंचायत में चयन किया जाना था। जिस पंचायत की वह निवासी थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। अभ्यर्थी किसी पंचायत की थी और चयन किसी दूसरे पंचायत के लिए कर किया गया था। इसी कारण चयन को अवैध मानकर रद्द किया गया है। कुछ दिन पहले राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक परिहार सीएचसी आए थे और सीएचसी का गहन निरीक्षण के साथ कागजातों और पंजियों की जांच की थी। इसी दौरान आशा के चयन में गड़बड़ी की बात सामने आई थी। गड़बड़ी पर हैरानी व्यक्त की थी। निदेशक ने पीएचसी प्रभारी को आशा के चयन की जांच करा अवैध चयन को रद्द करने का निर्देश दिया था। पीएचसी प्रभारी डॉ शाही ने बताया कि जांच में कई तरह की अनियमितता सामने आई है। इसी कारण चयन को रद्द करने की कार्रवाई की गई है। कुछ आशा दायित्व के निर्वहन में कोताही बरतती थी। इसी कारण उनका भी चयन रद्द कर उन्हें हटा दिया गया है। जिनका चयन रद्द हुआ है। उनमें परिहार उत्तरी, जगदर और परसंडी पंचायत की 4-4 आशा कार्यकर्ता हैं, जबकि पिपरा विशनपुर, नरगां दक्षिणी और परिहार दक्षिणी पंचायत की 7-7, सुतिहारा, मानिकपुर मुशहरनिया और बबुरवन की 5-5, महादेवपट्टी, धनहा और बेला मच्छपकौनी पंचायत की 2-2, बाया पंचायत की 12, नरगां उत्तरी, कन्हवां और बथुआरा की एक-एक, भेड़हिया पंचायत की 6, खैरवा मलाही की 15, विशनपुर, बेतहा एवं परसा की 8-8, धरहरवा की 3, बराही की 4 और मनपौर पंचायत की 9 आशा कार्यकर्ता शामिल हैं।

देव आनंद के गोल्डी

देव आनंद का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। पूरे देश को अपने खास अंदाज से मोहित कर देने वाले देव आनंद सच में एक ऐसे प्रेम पुजारी थे जिन्होंने भारतीय सिनेमा में प्यार को रूमानियत के साथ-साथ शोखपन और असीम ऊर्जा प्रदान की। देव को देव आनंद बनाने में चार लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सबसे पहले चेतन आनंद फिर गुरुदत्त और राज घोसला और उसके बाद उनके छोटे भाई विजय आनंद यानी गोल्डी। जिद्दी (1948) देव की पहली सुपरहिट फाल्म थी जिसे बॉम्बे टॉकीज के लिए शाहिद लतीफ ने निर्देशित किया था के बाद 1949 में देव आनंद ने अपने बड़े भाई चेतन आनंद के साथ नवकेतन फिल्म्स नामक फिल्म कंपनी की स्थापना की। अफसर (1950) इस बैनर की पहली फिल्म थी जिसे चेतन आनंद ने निर्देशित किया था। नवकेतन की अगली फिल्म बाजी थी जिसे उनके मित्र गुरुदत्त ने निर्देशित किया। दरअसल गुरुदत्त, देव आनंद की पहली फिल्म हम एक हैं (1946) के सहायक निर्देशक और हमउम्र थे। इसलिए शीघ्र ही दोनों की अच्छी दोस्ती हो गई । दोनों ने आपस में यह वादा भी किया कि जब भी वे अपनी पहली फिल्म बनाएंगे तो एक-दूसरे को मौका अवश्य देंगे। आंधियां (1952), टैक्सी ड्राइवर (1954) और फंटूश (1956) के निर्देशन के बाद चेतन आनंद नवकेतन से अलग हो गए और उन्होंने अपनी निर्माण कंपनी हिमालय फिल्म के नाम से बना ली। इस दौरान राज घोसला ने और लोगों के लिए उनकी कुछ हिट फिल्में निर्देशित की। काला पानी (1958) का निर्देशन उन्होंने नवकेतन के लिए किया फिर वे गुरुदत्त के साथ व्यस्त हो गए। ऐसे में विजय आनंद की एंट्री नवकेतन में हुई । हालांकि टैक्सी ड्राइवर के निर्माण के समय विजय आनंद पहली बार नवकेतन से जुड़े। इस फिल्म के लिए उन्होंने संवाद लेखन का कार्य किया। विजय आनंद की पटकथा नौ दो ग्यारह (1957) से प्रभावित होकर देव आनंद ने उसके निर्देशन की जिम्मेवारी भी उनको सौंप दी। फिल्म बेहद सफल रही और उसके बाद तो नवकेतन की फिल्मों के निर्देशन की जिम्मेदारी विजय आनंद को मिल गई जिसे उन्होंने लंबे समय तक निभाया। विजय आनंद ने उनके लिए 10 फिल्मों का निर्देशन किया जिसमें चार फिल्में काला बाजार (1960), तेरे घर के सामने (1963), गाइड (1965) और ज्वैल थीफ (1967) का निर्देशन उन्होंने नवकेतन फिल्म्स के लिए किया और बाद में अपने बनाए बैनर नवकेतन इंटरप्राइजेज के लिए तेरे मेरे सपने (1971), छुपे रुस्तम (1973) और बुलेट (1976) का निर्माण किया। बीच में एक सुपरहिट फिल्म त्रिमूर्ति फिल्म के लिए थी जॉनी मेरा नाम (1970)। यह वह फिल्में हैं जिनसे संपूर्ण देव आनंद की छवि निर्मित होती हैं। देव आनंद को हंसते-गाते रोमांटिक प्रेमी बनाने में विजय आनंद की फिल्मों की विशेष भूमिका रही। उनके द्वारा गीतों को फिल्माए जाने का हुनर सबसे अलग और सबसे निराला था। यह शैली उन्होंने गुरुदत्त से सीखी थी। यह कुछ विशेष गीत हैं ... खोया खोया चांद..., रिमझिम के तराने लेकर आई बरसात...(काला बाजार) या फिर तेरे घर के सामने.... का गीत जो कुतुब मीनार पर फिल्माया गया था।

गणना पर रोक नहीं

सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में जाति सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है और इस पर बिहार सरकार की प्रतिक्रिया मांगी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने सरकार को अब तक प्रकाशित आंकड़ों पर आगे कोई कार्रवाई करने से रोकने या सर्वेक्षण के परिणाम प्रकाशित करने के किसी भी कदम में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। एक सोच एक प्रयास बनाम भारत संघ और अन्य का यह मामला अभी पूरी तरह से शांत नहीं होने वाला। पहले भी पटना उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक जातिगत गणना को रोकने के लिए एकाधिक बार दस्तक दी गई है, पर ज्यादातर बार न्यायालय का रुख गणना के पक्ष में ही रहा है। चुनौतियों के बावजूद अदालती सहमति से गणना हो चुकी है और उसके आंकड़े भी जारी हो चुके हैं। इसके बावजूद सर्वोच्च न्यायालय में इसे चुनौती देना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जब अनेक राज्यों में ऐसी ही गणना या आंकड़े जारी करने की तैयारी है, और यह एक तरह से बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। ऐसे में, न्यायालय का दरवाजा बार-बार खटखटाने के भला क्या मायने हैं? क्या यह संसाधन के साथ-साथ अदालती समय की बबार्दी नहीं है? अदालत को भी सचेत भाव से अंतिम तौर पर इस विवाद का पटाक्षेप करना चाहिए। यह चुनौती बहुत गंभीर मामला नहीं है और इसलिए मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 में रखी गई है। तब तक बिहार सरकार के पास पर्याप्त समय है कि वह इन आंकड़ों के सहारे अपनी कुछ अच्छी योजनाओं को आकार दे और अदालत में ज्यादा मजबूती से जवाब दे। गोपनीयता या निजता के उल्लंघन का हवाला देकर जाति गणना को रुकवाने का आधार कमजोर है। भारत में किसी की जाति के बारे में जानना बहुत आसान है। लोग अपनी-अपनी जाति का लाभ लेने से खुद को अभी अलग नहीं कर पाए हैं। अतः किसी की जाति निजता का मामला नहीं है। अनेक सरकारी कागजों में जाति का उल्लेख होता है। शायद ही कोई पार्टी होगी, जिसके पास किसी इलाके के जातिगत आंकड़े न होंगे, पर ऐसे अनधिकृत आंकड़ों पर कभी रोक नहीं रही है। अब जब आधिकारिक रूप से गणना हुई है, तब उस पर रोक की तो कोई गुंजाइश ही नहीं बनती है। विरोध का एक दूसरा पहलू भी है, जिसकी दुहाई केंद्रीय गृह मंत्रालय अपने जवाबी हलफनामे में पहले दे चुका है कि 1948 में बने जनगणना अधिनियम के तहत केवल केंद्र सरकार ही जनगणना कर सकती है, पर बिहार सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि यह जनगणना नहीं है, यह सामान्य गणना या सर्वेक्षण है।

शौर्य का पर्याय भारतीय वायुसेना

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

अगर बात 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से शुरू करें तो फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों की याद आना स्वाभाविक है। वे उस वक्त राजधानी के रेस कोर्स स्थित एयर फोर्स स्टेशन में ही रहते थे, जब 1971 की जंग छिड़ी थी। वे भारत की जंग में विजय के नायकों में से थे। उस जंग के लिए 14 दिसम्बर 1971 का दिन खास था। उस दिन फ्लाइंग ऑफिसर सेखों ने पाकिस्तान के दो लड़ाकू सेबर जेट विमानों को ध्वस्त कर दिया था। उन्हें उस जंग में अदम्य साहस के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से नवाजा गया था। फ्लाइंग अफसर निर्मलजीत सिंह सेखों का जन्म पंजाब के लुधियाना जिले में 1946 में हुआ था। 1967 में बतौर पायलट वायुसेना में शामिल हुए। 1971 में पाकिस्तानी वायुसेना ने जब श्रीनगर हवाई अड्डे पर हमला किया तब सेखों ने एक जेट से चार पाकिस्तानी सेबर जेट का मुकाबला कर दो को नेस्तनाबूद कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी थी। उसी दौरान मात्र 26 वर्ष की उम्र में वीरगति को प्राप्त हुए।

भारतीय वायुसेना के शौर्य पर हम भारतीय नागरिक जितना चाहें गर्व कर सकते हैं। देश आठ अक्टूबर को वायुसेना स्थापना दिवस के रूप में मनाता है। इसकी स्थापना 1932 में आठ अक्टूबर को हुई थी। तब तो अंग्रेजी हुकूमत के दिनों में इसे रायल इंडियन एयरफोर्स कहा जाता था। भारतीय वायुसेना को उसके कार्यों और देश की मजबूत सुरक्षा में योगदान के लिए हमेशा याद रखा ही जाना चाहिए। भारतीय वायुसेना की शक्ति सारे देश और देशवासियों को आश्वस्त करती रहती है। जब भी दुश्मन ने भारत पर हमला किया तो वायुसेना ने सेना के बाकी अंगों के साथ मिलकर शत्रु की गर्दन में ऐसा अंगूठा डाला है जिससे उसकी जान निकल गई है। भारतीय वायुसेना के गौरवमयी इतिहास से सारा देश परिचित है। अगर बात 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से शुरू करें तो फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों की याद आना स्वाभाविक है। वे उस वक्त राजधानी के रेस कोर्स स्थित एयर फोर्स स्टेशन में ही रहते थे, जब 1971 की जंग छिड़ी थी। वे भारत की जंग में विजय के नायकों में से थे। उस जंग के लिए 14 दिसम्बर 1971 का दिन खास था। उस दिन फ्लाइंग ऑफिसर सेखों ने पाकिस्तान के दो लड़ाकू सेबर जेट विमानों को ध्वस्त कर दिया था। उन्हें उस जंग में अदम्य साहस के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से नवाजा गया था। फ्लाइंग अफसर निर्मलजीत सिंह सेखों का जन्म पंजाब के लुधियाना जिले में 1946 में हुआ था। 1967 में बतौर पायलट वायुसेना में शामिल हुए। 1971 में पाकिस्तानी वायुसेना ने जब श्रीनगर हवाई अड्डे पर हमला किया तब सेखों ने एक जेट से

चार पाकिस्तानी सेबर जेट का मुकाबला कर दो को नेस्तनाबूद कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी थी। उसी दौरान मात्र 26 वर्ष की उम्र में वीरगति को प्राप्त हुए। जिन्होंने अपनी शादी का जश्न मनाने के लिए मैदान-ए-जंग को चुना। यदि भारत ने 1971 की जंग में पाकिस्तान की कमर तोड़ डाली थी, तो इसका कहीं न कहीं श्रेय एयर चीफ मार्शल इदरीस हसन लतीफ को भी जाता है। वे 1971 के युद्ध के दौरान एयर वाइस मार्शल के पद पर थे। वे जंग के समय शत्रु से लोहा लेने की रणनीति बनाने के अहम कार्य को अंजाम दे रहे थे। लतीफ लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने, युद्ध की प्रगति तथा यूनिटों की आवश्यकताओं पर भी नजर रख रहे थे। लतीफ शिलांग स्थित पूर्वी सेक्टर में थे जब पाकिस्तान ने हथियार डाले थे। दिल्ली कैंट में उस महान योद्धा के नाम पर एक सड़क भी है। एयर चीफ मार्शल इदरीस हसन लतीफ का देश के पहले गणतंत्र दिवस से एक अलग और खास संबंध रहा। दरअसल उन्हीं के नेतृत्व में उस गणतंत्र दिवस पर फ्लाई पास्ट हुआ था जिसे देखकर देश मंत्रमुग्ध हो गया था। देश ने पहले कभी लड़ाकू विमानों को अपने सामने कलाबाजियां खाते नहीं देखा था। लतीफ तब स्क्वाड्रन लीडर थे। वे और उनके साथ हॉक्स टैम्पेस्ट लड़ाकू विमान उड़ा रहे थे। तब लड़ाकू विमानों ने वायुसेना के अंबाला स्टेशन से उड़ान भरी थी। लतीफ ने 1948 और 1965 की जंग में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। लतीफ के एयर फोर्स चीफ के पद पर रहते हुए वायुसेना का बड़े स्तर पर आधुनिकीकरण हुआ। उन्होंने जगुआर लड़ाकू विमान की खरीद करने के लिए सरकार को मनाया था। वायुसेना दिवस के अवसर पर भारतीय वायुसेना के पहले एयर चीफ मार्शल सुब्रतो मुखर्जी का स्मरण करना भी आवश्यक है। उनको फादर ऑफ द इंडियन एयर फोर्स कहा जाता है। सुब्रतो मुखर्जी के पिता सतीश चंद्र मुखर्जी आईसीएस अफसर थे। सुब्रत मुखर्जी 1932 में वायुसेना में शामिल हुए। उन्होंने दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान भाग लिया। भारत की आजादी के बाद वे भारतीय वायुसेना के आधुनिकीरण में अहम रोल अदा किया। वे एक जाबांज पायलट थे। एयर चीफ मार्शल सुब्रतो मुखर्जी का आठ नवंबर, 1960 को टोक्यो में खाना खाते समय निधन हो गया था। उनके शव को दिल्ली लाया गया और पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उसके बाद ही उनके नाम पर आज का सुब्रतो पार्क बना। यहां पर एयरफोर्स से जुड़े विभिन्न स्कूल, दफ्तर और आवास हैं। उनके जीवनकाल में ही राजधानी में एयरफोर्स स्कूल 1955 में खुल गया था। इसका उदघाटन भी एयर चीफ मार्शल सुब्रत मुखर्जी ने ही किया था। इस स्कूल को खोलने का मकसद यह था ताकि एयर फोर्स से जुड़े लोगों के बच्चों को उच्चस्तरीय शिक्षा उनके घरों के पास ही मिल जाए। इस तरह, भारतीय वायुसेना के लिए 23 अकबर रोड का भी अत्यंत खास स्थान है। भारतीय वायुसेना के एयर चीफ मार्शल राजधानी के 23 अकबर रोड के बंगले में रहते हैं। देश की स्वंतत्रता से पहले ही 23 अकबर रोड को वायुसेना प्रमुख का आवास बना दिया गया था। इसमें अंतिम रायल इंडियन एयर फोर्स के एयर वाइस मार्शल मेरिडिथ थामस भी रहे थे। 23 अकबर रोड को एयर फोर्स हाउस भी कहते हैं। इस लुटियन बंगले में सन 1947 के बाद अर्जन सिंह, सुब्रतो मुखर्जी, इदरीस हसन लतीफ, पीसी लाल, एनएके ब्राउन जैसे वायुसेना के प्रमुखों का निवास स्थान रहा । अर्जन सिंह बताते थे कि वे एयरफोर्स हाउस में पहली मर्तबा जनवरी,1945 को गए थे। वे दूसरे विश्व युद्ध से लौटे थे। वे तब इस बंगले में एयर वाइस मार्शल मेरिडिथ थामस से मुलाकात करने के लिए गए थे। अर्जन सिंह इसमें 1964 से 1969 तक रहे। वे इस दौरान भारतीय वायुसेना के प्रमुख थे। एयरफोर्स हाउस में वायुसेना प्रमुख हर साल आठ अक्टूबर को वायुसेना दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित होता है। जिसमें देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री वगैरह भाग लेते हैं। एयर हाउस में ही रहने का सौभाग्य 1971 की जंग के एक नायक एयर चीफ मार्शल पीसी लाल को भी मिला। दूसरे विश्वयुद्ध से लेकर 1971 की जंग को पीसी लाल ने देखा था। वर्ष 1969 में वायुसेना प्रमुख का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने वायुसेना को भविष्य के युद्ध के लिए तैयार करने पर ध्यान लगाया और इसका फायदा 1971 के युद्ध में मिला। उन्हें पद्म भूषण और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। कारगिल युद्ध और अनेक कठिन अवसरों पर भारतीय वायुसेना ने उल्लेखनीय कार्य कर-के देशवासियों का दिल जीता है। वायुसेना दिवस पर देश के जांबाज वायु सैनिकों को सलाम !

लेखक,वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।

श्रद्धा की अभिव्यक्ति ही श्राद्ध

श्रद्धा भाव है और श्राद्ध कर्म। श्रद्धा मन का प्रसाद है। पतंजलि ने श्रद्धा को चित्त की स्थिरिता या अक्षोभ से जोड़ा है। श्रद्धा की अभिव्यक्ति श्राद्ध है। भारत में पूर्वजों पितरों के प्रति श्रद्धा की स्थाई भावना है। हम भारतवासी पूर्वजों के प्रति प्रतिपल श्रद्धालु रहते हैं लेकिन नवरात्रि उत्सवों के 15 दिन पहले से पूरा पखवारा पितर पक्ष कहलाता है। लोकमान्यता है कि इस पक्ष में पूर्वज पितर आकाश लोक आदि से उतरकर धरती पर आते हैं। हम सब पूरे वर्ष व्यस्ते रहते हैं। इसी में 15 दिन पितरों के प्रति गहन श्रद्धा का प्रसाद सुख निराला है। वैदिक निरूक्त में श्रत और श्रद्धा को सत्य बताया गया है। पितरों का आदर प्रत्यक्ष मानवीय गुण है। पिता और पूर्वज हमारे इस संसार में जन्म लेने का माध्यम हैं। वे थे, इसलिए हम हैं। वे न होते, तो हम न होते। उन्होंने पालन पोषण दिया। स्वयं की महत्वाकांक्षाएं छोड़ी। उन्होंने हमारी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए तमाम कर्म किए। वे सदा सर्वदा नमस्कारों के योग्य हैं। भारतीय विद्वानों ने श्रद्धा भाव को श्राद्ध कर्म बनाया। पिता, पितामह और प्रपितामह के लिए अन्न भोजन जल आदि के अर्पण तर्पण का कर्मकाण्ड बनाया। श्रद्धा है कि अर्पित किया गया भोजन पितरों को मिलता है। वे प्रसन्न होते हैं और सन्तति को सभी सुख साधन देते हैं। लेकिन तमाम कर्मकाण्ड आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण की संगति में नहीं आते। वे अंधविश्वास जान पड़ते हैं। लेकिन कर्मकाण्ड निरूद्देश्य नहीं होते। सभ्य समाज में पितरों का आदर होता ही है, होना भी चाहिए। श्राद्धकर्म को लेकर चलने वाली बहस पुरानी है। मत्स्य पुराण (19.2) में प्रश्न है कि श्राद्ध का भोजन पुरोहित या अग्नि को अर्पित होता है, क्या वह मृत पूर्वजों द्वारा खाया जाता है? जो मृत्यु के बाद अन्य शरीर धारण कर चुके होते हैं?' इस प्रश्न का उत्तर भी दिया गया है, 'पिता, पितामह और प्रपितामह को वैदिक मंत्रों में क्रमशः वसु, रूद्र और आदित्य देव के समान माना गया है। वे नाम परिचय सहित उच्चारण किए गए मंत्रों आहुतियों को पितरों के पास ले जाते हैं। यदि पितर सत्कर्म के कारण देवता हो गए हैं तो वह भोजन आनंद रूप में उनके पास पहुंचता है, यदि पशु हो गए हैं तो भोजन घास हो जाता है यदि सर्प जैसे रेंगने वाली योनि में हैं तो यह भोजन वायु आदि के रूप में उन्हें मिलता है।' मत्स्य पुराण का यह उल्लेख महत्वपूर्ण है। यहां आए प्रश्न तत्कालीन समाज के ही तर्क हैं। उत्तर श्राद्ध समर्थकों के स्पष्टीकरण माने जा सकते हैं। असल में श्रद्धा कर्म परम्परा पुरानी है और पुनर्जन्म मान्यता भी। ऋग्वेद में भी पुनर्जन्म का उल्लेख है। संतानों द्वारा प्रेषित भोजन पितरों तक पहुंच जाने के सिद्धांत का मूल श्रद्धा है। पुनर्जन्म सिद्धांत के कारण आत्मा के नए शरीर धारण की बात आई। आर्य समाज श्राद्धकर्म के पक्ष में नहीं है। उसने वैदिक दर्शन को प्रतिष्ठा दी। आर्य समाज ने ऋग्वैदिक पितरों को मृत नहीं माना। उन्हें जीवित वानप्रस्थी बताया। शतपथ ब्राह्मण में मंत्र है 'यह भोजन पिता जी आपके लिए है।' याज्ञवल्क्य की व्यवस्था है 'वसु, रूद्र और आदित्य हमारे पितर हैं। वे श्राद्ध के देवता हैं। पितरों का ध्यान वसु रूद्र और आदित्य के रूप में ही करना चाहिए। वृहदारण्यक उपनिषद् में याज्ञवल्क्य ने शाकल्य को रूद्र और वसु का अर्थ समझाया है। यहां पृथ्वी, आकाश आदि वसु हैं, प्राण, इन्द्रियां मन आदि रूद्र हैं। आदित्य प्रकाश हैं। यहां प्रकृति की शक्तियों के प्रति पितर श्रद्धा है। ऋग्वेद के दसवें मण्डल (सूक्त 14) में मृत पितरों पर रोचक विवरण हैं। कहते हैं 'यम (नियम) व्यवस्था को कोई बदल नहीं सकता। जिस मार्ग से हमारे पूर्वज गये हैं, उसी मार्ग से सभी मनुष्य जायेंगे। अन्ततः सबको यम के पास जाना ही पड़ता है।' मृत पिता से कहते हैं 'जिस पुरातन मार्ग से पूर्वज पितर गये हैं, आप भी उसी से गमन करें।' फिर यज्ञ कर्म की चर्चा है। यम से प्रार्थना है कि 'आप अंगिरा आदि पितरजनों सहित हमारे यज्ञ में आएं।' आगे (सूक्त 15) पितरों को नमस्कार निवेदन करते हैं, 'जो पितामह आदि पितर पूर्वज या उसके बाद मृत्यु को प्राप्त पितर हैं, या जो फिर से उत्पन्न हो गए हैं। उन सबको नमस्कार है - इदं पितृभ्यो नमः अस्त्वद्य ये पूर्वासो या उपरास ईयुः।' फिर कहते हैं, 'हे पितरों! हमारे आवाहन पर आप आएं। यज्ञशाला में दक्षिण की ओर घुटनों के बल पर पृथ्वी पर कुश में बैठें।' पूर्वजों पितरों का सम्मान और मृत होने के बावजूद उन्हें स्मरण करना आनंददायी है। विवाह आदि मंगल उत्सवों पितर आवाहन के लोक गीत गायन होते हैं। गीतों में मृत पितरों को निमंत्रण है कि आप सब इस विवाह में आओ। बरात चलो। विवाह में आशीष दो। शास्त्र पुराना है या लोक? यहाँ लोक और शास्त्र एक हो गए हैं। मृत पितरों को जीवंत जानना स्मरण करना आह्लादकारी है। कर्मकाण्ड की अपनी उपयोगिता है। कर्मकाण्ड में भी रमते हुए सत्य की जिज्ञासा संभव है। मृत पितर मृत ही हैं। भारतीय चिन्तन में सूक्ष्म शरीर का अस्तित्व भी जाना गया है। सूक्ष्म शरीर पर भी प्रश्न उठाए जा सकते हैं। भोजन अर्पण शुद्ध श्रद्धा है। उन्हें मिलता है कि नहीं? ऐसे प्रश्न श्रद्धा के सामने छोटे हैं। हम स्वाभाविक ही पूर्वजों की निन्दा में क्रोध करते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने बौद्धिक में एक विषय पर सुंदर उदाहरण सुनाया था। कथा के अनुसार एक श्रद्धालु पितृ श्राद्ध कर रहे थे। तार्किक ने पूछा कि क्या यह भोजन उन्हें ही मिलेगा? श्रद्धालु ने प्रश्नकर्ता के पिता को गाली दी। प्रश्नकर्ता गुस्से में आ गया। श्रद्धालु ने कहा कि आप बेकार गुस्से में हैं। आपके पिता मृत हैं इसलिए उन्हें गाली नहीं मिल सकती। प्रश्नकर्ता निरूत्तर थे। श्राद्ध श्रद्धा की ही अभिव्यक्ति है। श्रद्धा अंधविश्वास नहीं है। श्रद्धालु विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोते। ऋग्वेद में श्रद्धा को देवता कहा गया है। वरिष्ठजनों के प्रति आदरभाव मजबूत सामाजिक संगठन की आधारशिला है।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर देश के जांबाज वायु सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता और पराक्रम को नमन करता हूं। आप सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

लोकतंत्र की रक्षा के लिए सम्पूर्ण क्रांति की नींव रख कर जयप्रकाश नारायण जी ने सिद्ध किया कि अन्यायी हुकूमत कितनी भी अहंकारी या शक्तिशाली क्यों न हो, उसे जनता के स्वाभिमान के सामने झुकना ही पड़ता है। एक जनसेवक के रूप में जयप्रकाश नारायण जी का निःस्वार्थ भाव देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। ऐसे महान लोकनायक की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

भ्रष्ट और अक्षम राजनीतिक नेतृत्व के कारण झारखंड के बिगड़े हुए हालात किसी से छुपे नहीं हैं। खनन संपदाओं की लूट, मां-बहनों में असुरक्षा की भावना, बिगड़ी कानून व्यवस्था, लचर स्वास्थ्य व्यवस्था हेमंत सोरेन के नाकामियों को दर्शा रही है। हेमंत सोरेन और उनके परिवार ने रांची से लेकर संथाल तक सिर्फ आदिवासियों की जमीनों पर कब्जा किया है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

ये खबरें प्रेरित तो करती ही हैं...

इन दिनों दुनिया के विभिन्न हिस्सों से कम से कम चार ऐसी खबरें आईं हैं, जिनसे पढ़े-लिखे भारतीय जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है, फिर भी हमेशा की तरह विचारणीय है। पहले खबरों की चर्चा कर ली जाए। विज्ञान की दुनिया भले मानव मात्र के कल्याण की दृष्टि से शिखर पर हो, परन्तु खेल सर्वाधिक चर्चित है। हम भी पहले खेल के उस समाचार से शुरू कर सकते हैं, जिसने भारतीय चैनलों पर टीआरपी के मानक बनाए। पहली खबर यह है कि वर्ल्ड कप के पहले ही मैच में भारतीय मूल वाले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी रचिन रविंद्र का बल्ला इंग्लैंड के खिलाफ जमकर चला। रचिन ने मात्र 82 गेंदो पर शतक बना डाला। उन्होंने 4 छक्के और 9 चौके लगाए। गेंदबाजी करते हुए भी उन्होंने एक विकेट लिया। रचिन रविंद्र न्यूजीलैंड के वेलिंग्टन में पैदा हुए हैं, लेकिन उनके माता-पिता भारतीय हैं। सॉफ्टवेयर इंजीनियर पिता रवि कृष्णमूर्ती भी न्यूजीलैंड आने से पहले बेंगलुरु के लिए क्लब स्तर के क्रिकेट खेला करते थे। रोचक यह है कि उन्होंने दो मशहूर भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के नाम में से एक-एक अंश लेकर बेटे का नाम रचिन रविंद्र रखा। भारतीयों के लिए हाल की दूसरी बड़ी खबर अमेरिकी आतंरिक्ष एजेंसी नेशनल एरोनॉटिक्स ऐंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन यानी नासा के वैज्ञानिक अरोह बड़जात्या ने दी है। अरोह भारतीय मूल के हैं। वे इसी 14 अक्टूबर को विशेष तरह के सूर्य ग्रहण के दौरान तीन रॉकेट लॉन्च करने वाले हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि इस तरह के सूर्यग्रहण के आसपास वायुमंडलीय बदलाव देखा जाता है। इसी दौरान रॉकेट लॉन्च करने का यह मिशन विशेष अध्ययन वाला होगा। अब साथ ही तीसरे समाचार में भारतीय मूल की वैज्ञानिक डॉ. जोइता गुप्ता की चर्चा करें। प्रोफेसर जोइता को जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए प्रतिष्ठित डच पुरस्कार मिला है। एम्स्टर्डम यूनिवर्सिटी के एम्स्टर्डम इंस्टीट्यूट फॉर सोशल साइंस रिसर्च में ग्लोबल साउथ में इनवायरोमेंट ऐंड डेवलपमेंट और विकास और आईएचई डेल्फ्ट इंस्टीट्यूट फॉर वॉटर एजुकेशन की इस प्रोफेसर को मिला यह पुरस्कार स्पिनोजा पुरस्कार के नाम से चर्चित है। इसे डच नोबेल के नाम से भी पहचाना जाता है। प्रश्न यह नहीं है कि नोबेल के समानांतर दुनिया में कितने पुरस्कार और कहा-कहां हैं। मूल बात यह है कि यह एक भारतीय मूल की वैज्ञानिक को दिया गया है। ये तीनों नाम भारतीय मूल के विशिष्ट लोगों की सूची में ताजा की तरह ही है। आज हम नाम गिनाने को बैठें तो यह सूची हजार में पहुंच सकती है। अकेले अमेरिका और कनाडा का ही उदाहरण लें तो वहां की राजनीति, व्यवसाय सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत से पहुंचे व्यक्ति अथवा उनकी अगली पीढ़ी खासा असर रखते हैं। इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचन की पूर्व प्रक्रिया चल रही है। उम्मीदवारी की होड़ में दो प्रमुख नाम ऐसे हैं, जो भारतीयों का ध्यान खींचते हैं। इनमें एक नाम तो निकी हेली का है। वे बहुत चर्चित हैं। वहीं लेखक, करोड़ों के मालिक उद्यमी विवेक रामास्वामी ने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर लोगों को चौंकाया। उनका दावा है कि वे एक ऐसा सांस्कृतिक आंदोलन खड़ा करना चाहते हैं, जो विविधता में एकता को दर्शाएगा। अमेरिका से आने वाली खबरों में चौथा समाचार हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन धर्मों के लोगों को एक मंच पर लाने के लिए एक गुट बनाने का है। करीब एक सप्ताह पहले ही इस गुट को शुरू करने की घोषणा के समय भारतीय मूल के सांसद श्री थानेदार ने इसे 12 अन्य सांसदों के समर्थन का दावा किया। फिर से वही मूल प्रश्न कि इस तरह की खबरों से हम भारतीयों को मिलता क्या है?

रुख में नरमी काफी नहीं

कनाडा के साथ रिश्तों में आई दरार के बीच भारत दोनों तरफ राजनयिकों की मौजूदगी में समानता सुनिश्चित करने को लेकर अपने रुख पर अड़ा है। दोनों के बीच तकरार का यह मुद्दा इस लिहाज से दिलचस्प कहा जा सकता है कि भारत इस पर खुलकर सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रख रहा है जबकि कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो कह रहे हैं कि वह कूटनीतिक चैनलों के जरिए ही संवाद करना चाहेंगे क्योंकि कूटनीति अपने प्राइवेट रूप में ज्यादा प्रभावी होती है। उनकी इस बात से कोई असहमति नहीं हो सकती, लेकिन यह बात हैरान जरूर करती है कि इस सचाई का अहसास उन्हें इतनी देर से हुआ। वरना अपने देश में हुई एक हत्या का इल्जाम खुले रूप में भारत के मत्थे मढ़कर वह दोनों देशों के रिश्तों को यूं खतरे में नहीं डालते। वह भी तब, जबकि इस इल्जाम को सही साबित करने वाले सबूत भी हाथ में न हों। हो सकता है उन्हें ऐसा लगा हो कि अगर वह ऐसा करेंगे तो उससे ज्यादा दबाव बनेगा और फिर भारत को झुकाना संभव हो जाएगा। मगर पिछले करीब एक पखवाड़े के अनुभव ने साबित कर दिया कि यह उनकी गलतफहमी थी। इस दौरान वह न तो अपने दावे के पक्ष में कोई ठोस सबूत दे सके और न ही अन्य देशों को भारत के खिलाफ अपनी तरफ गोलबंद कर सके। उनके रुख में बदलाव के पीछे इस ठोस हकीकत की भूमिका हो सकती है। लेकिन इसके आगे की सचाई यह है कि भारत लगातार कनाडा पर खालिस्तानी तत्वों को खुली छूट देने का जो आरोप लगाता रहा है, उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। न तो खालिस्तानी तत्वों ने कनाडा में अपनी सक्रियता घटाई है और न ही कनाडा सरकार उन पर किसी तरह की सख्ती करती नजर आ रही है। भारतीय राजनयिकों के खिलाफ जो पोस्टर हटा लिए गए थे, वे फिर से गुरुद्वारों में लगा दिए गए हैं। इस बीच ये खबरें भी फैलाई जा रही हैं कि कनाडाई इंटेलिजेंस एजेंसी ने ब्रिटिश कोलंबिया के सिखों को सतर्क रहने को कहा है क्योंकि कथित भारतीय एजेंट कुछ खालिस्तानियों को मारने के प्रयास में हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

मुफ्त डिलीवरी के साथ सभी प्रोडक्ट पर 150 रुपये तक की छूट देता है पेटीएम से ओएनडीसी नेटवर्क

नई दिल्ली।

पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (पीईपीएल) ने रविवार को पेटीएम से ओएनडीसी नेटवर्क पर सुपर सेवर वीकेंड ऑफर की घोषणा की। इसके तहत यूजर्स ऑर्डर देते समय डिस्काउंट और एक्सक्लूसिव डील्स पा सकते हैं। कंपनी ओएनडीसी नेटवर्क पर एक अग्रणी खरीदार ऐप है और विभिन्न श्रेणियों में 200 से ज्यादा ब्रांडों की पेशकश करते हुए तेजी से आगे बढ़ रही है। पेटीएम ओएनडीसी फूड पर कंपनी 150 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दे रही है जिसमें फ्री डिलीवरी भी शामिल है। इसी तरह किराना, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और एक्सेसरीज और होम एंड किचन एसेंशियल पर, यूजर 250 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर पर 125 रुपये की छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर पूरे भारत में लागू है और 31 अक्टूबर तक वैध है। इसके अलावा, कंपनी 1,000 रुपये और उससे अधिक मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स पर 10 प्रतिशत की छूट दे रही है। पेटीएम ओएनडीसी नेटवर्क पर लाइव होने वाली पहली कंपनी है और उसने पीईपीएल द्वारा संचालित पेटीएम ऐप पर पेटीएम से ओएनडीसी नेटवर्क लॉन्च किया। पीईपीएल के प्रवक्ता ने कहा, ओएनडीसी नेटवर्क पर सबसे लोकप्रिय खरीदार ऐप के रूप में हम यूजर्स को शीर्ष ब्रांडों पर अद्भुत ऑफ़र के साथ उनके ऑनलाइन खुदरा अनुभव को नया रूप देते हुए, निर्बाध रूप से खरीदारी करने में सक्षम बनाते हैं। इस सुपर सेवर वीकेंड डिस्काउंट सेल के साथ, हमारा लक्ष्य अपने उपयोगकर्ताओं को किफायती कीमतों पर विभिन्न प्रकार के उत्पाद पेश करना है। सरकार द्वारा समर्थित, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) देश के मौजूदा ईकॉमर्स ईकोसिस्टम को लोगों तक पहुंचाने के लिए बनाया गया है। बेंगलुरु में लॉन्च होने के बाद से, ओएनडीसी ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, कांचीपुरम, हैदराबाद, बागलकोट और लखनऊ तक अपनी मौजूदगी का विस्तार किया है।

कच्चा तेल सस्ता, पेट्रोल और डीजल में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड 84.43 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल में जोरदार तेजी आने के बाद अब गिरावट देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड फिलहाल 82.81 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जबकि ब्रेंट क्रूड 84.43 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। क्रूड में गिरावट और तेजी से पेट्रोल और डीजल की कीमतें प्रभावित होती हैं। इस बीच इंडियन ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने रे विवार के लिए ईंधन की कीमतें निर्धारित कर दी हैं। हालांकि कच्चे तेल में गिरावट आने के बाद भी पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है, इसलिए देशभर में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 97.28 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 96.53 रुपए और डीजल 89.71 रुपए प्रति लीटर हो गया है। मध्य प्रदेश में 108.67 रुपए और डीजल 93.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। बिहार में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

राजस्थान में पेट्रोल 108.48 रुपए और डीजल 93.72 रुपए प्रति लीटर हो गया है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 102.45 रुपए और डीजल 95.44 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एक्स यूजर्स क्लिकबैट विज्ञापन से हुए परेशान, ब्लॉक और रिपोर्ट करने का नहीं हैं ऑप्शन

सैन फ्रांसिस्को।

एलन मस्क के स्वामित्व वाले एक्स कॉर्प ने कथित तौर पर क्लिकबैट विज्ञापन लॉन्च किए हैं, जिन्हें यूजर्स न तो ब्लॉक कर सकते है और न ही रिपोर्ट। ऐसे में वे प्लेटफॉर्म पर पैसे कमाने के नए तरीके से परेशान हो गए हैं। मिसरेबल ने बताया कि एक्स यूजर्स के सामने स्क्रॉल करते समय अपने फीड में बिना लेबल वाले विज्ञापन आ रहे हैं। जब यूजर्स उन विज्ञापनों पर टैप करते हैं तो वे उन्हें थर्ड-पार्टी वेबसाइट्स पर ले जाते हैं, जहां उन्हें ब्लॉक करने या रिपोर्ट करने का कोई तरीका नहीं होता है। रिपोर्ट में कहा गया है, नए विज्ञापनों से यह भी पता नहीं चलता कि विज्ञापनदाता कौन है या वे विज्ञापन भी हैं।पिछले कुछ दिनों में कई एक्स यूजर्स ने अपने फॉर यू फीड में एक नए प्रकार के विज्ञापन को देखने की रिपोर्ट करने के लिए मैशेबल से संपर्क किया है, जो पहले प्लेटफॉर्म पर उनके सामने नहीं आया था।

ये नए एक्स विज्ञापन यूजर्स को विज्ञापन पोस्ट को लाइक या रीट्वीट करने की अनुमति नहीं देते हैं।

नए विज्ञापन प्रारूप से यह भी पता नहीं चलता कि विज्ञापन के पीछे कौन है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विज्ञापनों में प्रमोट किए जा रहे कंटेंट का प्रकार स्पैमयुक्त, लो क्वालिटी चुमबॉक्स विज्ञापन में पाए जाने वाले एडवरटाइजिंग के अनुरूप प्रतीत होता है। ये विज्ञापन अब एक्स मोबाइल ऐप्स पर यूजर्स को दिखाए जा रहे हैं। विज्ञापन राजस्व में गिरावट से निपटने के लिए, एक्स ने थर्ड-पार्टी के विज्ञापनदाताओं के साथ साझेदारी की है।सामान्य विज्ञापनों के विपरीत, जो केवल एक्स खातों से पोस्ट होते हैं और उन पर विज्ञापन लेबल होता है, इन नए विज्ञापनों में उनके साथ कोई खाता संबद्ध नहीं होता है। एक्स सीईओ लिंडा याकारिनो ने पिछले महीने कहा था कि कंपनी 2024 की शुरुआत तक लाभदायक होगी, उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म पर अब 200-250 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स हो सकते हैं। याकारिनो ने कहा कि शीर्ष 100 विज्ञापनदाताओं में से 90 प्रतिशत अकेले पिछले 12 हफ्तों में प्लेटफॉर्म पर लौट आए हैं। उनके अनुसार, लगभग 1,500 विज्ञापनदाता प्लेटफॉर्म पर लौट आए हैं।

एक्स ने अभी तक अपने 13 वर्षों में वार्षिक लाभ की घोषणा नहीं की है, और मुनाफा बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है।

IIFCL ने विमानन अवसंरचना के लिए 8,800 करोड़ रुपए के ऋण को दी मंजूरी

नई दिल्ली:

इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) ने देश में हवाई अड्डों और नागरिक विमानन अवसंरचना के विकास के लिए 8,800 करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किए हैं। आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पी आर जयशंकर ने बताया कि सरकार का देश में नागरिक विमानन क्षेत्र को विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है और इस सपने को साकार करने के लिए बड़े निवेश की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''अभी तक आईआईएफसीएल ने हवाई अड्डा परियोजनाओं के विकास के लिए करीब 4,000 करोड़ रुपए के वितरण के साथ करीब 8,800 करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी भारत में हवाई अड्डों के प्रमुख निवेशकों में से एक है और उसने करीब 74,000 करोड़ रुपए के कुल परियोजना परिव्यय के साथ हवाई अड्डों का समर्थन किया है। जयशंकर ने कहा कि देश के करीब सभी प्रमुख हवाई अड्डों के विकास में आईआईएफसीएल का

योगदान है। हवाई अड्डा क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उसके बुनियादी ढांचे की क्षमता बढ़ाना जरूरी हो गया है। नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 तक पांच वर्षों में नागरिक विमानन क्षेत्र के लिए करीब 91,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय की परिकल्पना की गई है।

कर्ज में डूबे अनिल अंबानी की कंपनी को 922 करोड़ के टैक्स का नोटिस

नई दिल्ली ।

भारी कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी कंपनी रिलायंस कैपिटल की रिलायंस जनरल इंश्योरेंस को डीजीजीआई ने 922.58 करोड़ रुपये टैक्स डिमांड भेजा है। कंपनी को इस बारे में कई कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। रिलायंस कैपिटल अभी इनसॉलवेंसी में है। हिंदूजा ग्रुप ने उसके लिए सबसे बड़ी बोली लगाई है लेकिन अभी इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी का इंतजार है। पहले दौर में सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी टॉरेंट ग्रुप ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डीजीजीआई ने 4 अलग-अलग मामलों में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी को टैक्स नोटिस भेजे हैं। इनमें 478.84 करोड़, 359.70 करोड़, 78.66 करोड़ और 5.38 करोड़ रुपये टैक्स की डिमांड की गई है। ये नोटिस रि-इंश्योरेंस और को-इंश्योरेंस से आने वाले रेवेन्यू से संबंधित हैं। इस बारे में कंपनी को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं आया है। प्रॉफिट में चल रही इस कंपनी की रिलायंस कैपिटल की कुल वैल्यू में 70 परसेंट हिस्सेदारी है। बैंकरों का कहना है कि इससे कंपनी की वैल्यूएशन पर असर पड़ सकता है। हिंदूजा ग्रुप ने 9 हजार 800 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है। इसमें करीब 20 फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनियां हैं। इनमें सिक्योरिटीज ब्रोकिंग, इंश्योरेंस और एक एआरसी शामिल है। आरबीआई ने कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को 30 नवंबर 2021 को भंग कर दिया था और इसके खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू की थी। पहले राउंड में टॉरेंट इन्वेस्टमेंट ने इसके लिए 8,640 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाई थी।

भारत में अप्रैल से अगस्त तक मोबाइल फोन निर्यात लगभग दोगुना होकर 5.5 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली: भारत से चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक मोबाइल फोन निर्यात लगभग दोगुना होकर 5.5 अरब डॉलर (लगभग 45,700 करोड़ रुपए) हो गया। मोबाइल उद्योग निकाय आईसीईए ने यह जानकारी दी। आईसीईए ने कहा कि भारत से मोबाइल फोन निर्यात अप्रैल-अगस्त 2023 में लगभग तीन अरब डॉलर (लगभग 24,850 करोड़ रुपए) था। नाम उजागर न करने की शर्त पर एक सूत्र ने बताया कि प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने 23,000 करोड़ रुपए के आईफोन निर्यात किए, जो कुल निर्यात के आधे से कुछ ज्यादा हैं। हालांकि, इस संबंध में पूछने पर एप्पल से कोई जवाब नहीं मिला। कुल मोबाइल फोन निर्यात पर इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि भारत से मोबाइल फोन निर्यात में 80 प्रतिशत से अधिक की भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, भारत जीवीसी (वैश्विक मूल्य श्रंखला) के लिए पसंदीदा स्थान बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। इस पर काम प्रगति पर है और प्रतिक्रिया सकारात्मक है। आईसीईए के अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से फोन निर्यात दोगुना होकर 90,000 करोड़ रुपए से अधिक यानी लगभग 11.12 अरब डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 45,000 करोड़ रुपए था।

भारत का कोयला आयात अगस्त में 12 प्रतिशत कम हुआ

नई दिल्ली । इस साल अगस्त में भारत का कोयला आयात सालाना आधार पर 12.08 प्रतिशत घटकर 1.82 करोड़ टन रह गया। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 2.07 करोड़ टन था। जानकारी के अनुसार ई-कॉमर्स फर्म एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों की मानें तो अप्रैल से अगस्त के दौरान कुल कोयला आयात भी 10.3 प्रतिशत घटकर 10.39 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.59 करोड़ टन था। अगस्त में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.05 करोड़ टन था, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 1.38 करोड़ टन था। इस दौरान कोकिंग कोयले का आयात 46.2 लाख टन था। इस मामले में एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और सीईओ विनय वर्मा ने कहा कि गैर-कोकिंग कोयले के आयात में (अगस्त 2023 तक) लगभग दो करोड़ टन की भारी गिरावट आई है। हालों कि ऐसा घरेलू उपलब्धता बढ़ने के चलते हुआ। उन्होंने ये रुझान आगे भी जारी रहने की उम्मीद जताई है।

चीन के स्मार्टफोन बाजार में 2023 के पहले आठ महीनों में गिरावट : रिपोर्ट

नई दिल्ली। चीन के उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, चीन में स्मार्टफोन बाजार में इस साल के पहले आठ महीनों में गिरावट देखी गई है, जनवरी से अगस्त तक केवल 679 मिलियन डिवाइस का निर्माण हुआ, जो 2022 की इसी अवधि से 7.5 प्रतिशत कम है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, काउंटरपॉइंट रिसर्च का कहना है कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री भी धीमी हो गई है, 2023 के पहले आठ महीनों में 4 प्रतिशत (साल दर साल) की गिरावट आई है। जून तिमाही में, चीन की स्मार्टफोन खपत 2014 के बाद से दूसरी तिमाही की सबसे कम बिक्री के आंकड़े पर गिर गई, क्योंकि व्यापक आर्थिक प्रतिकूलताओं ने उपभोक्ता भावनाओं पर असर डाला। हालांकि, 2023 के शेष समय में बाजार के परिदृश्य में सुधार की उम्मीद है। अपकमिंग विंटर सेल्स सीजन के साथ-साथ हुवाई और एप्पल द्वारा नए 5जी स्मार्टफोन जारी करने से इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हुआवेई के मेट 60 प्रो सीरीज 5जी हैंडसेट ने विशेष रूप से चीनी स्मार्टफोन बाजार का आत्मविश्वास बढ़ाया है। काउंटरप्वाइंट के अनुसार, साल के अंत तक हुआवेई के लेटेस्ट 5जी स्मार्टफोन की कुल बिक्री पांच से छह मिलियन यूनिट के बीच होगी। हुआवेई का बड़ा घरेलू हार्मोनीओएस यूजर बेस इस ऑप्टिमिस्टिक फोरकास्ट में योगदान देने वाला एक फैक्टर है। कंपनी के नए 5जी डिवाइस से नए कस्टमर्स को आकर्षित करने और अन्य ब्रांडों पर स्विच करने वाले पूर्व यूजर्स को वापस लौटने के लिए आकर्षित करने की उम्मीद है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में इस साल के पहले आठ महीनों में हुआवेई के स्मार्टफोन की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़ी है।

केंद्र ने स्पष्ट किया, ई-गेमिंग कंपनियों पर जीएसटी पूर्व प्रभाव से लागू नहीं है

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने राज्यों को स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पूर्व तिथि से नहीं लगाया जा रहा है क्योंकि पुराने कानून के तहत सट्टेबाजी में शामिल कुछ ऑनलाइन गेम पर पहले से ही 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया जा रहा था।महाराष्ट्र के मंत्री दीपक वसंत केसरकर के अनुसार, 7 अक्टूबर को जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान कुछ राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर पूर्व प्रभाव से जीएसटी लगाने का मुद्दा उठाया। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह मुद्दा जीएसटी परिषद की बैठक के एजेंडे में नहीं था, लेकिन बैठक खत्म होने के बाद गोवा जैसे कुछ राज्यों ने इसे उठाया। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, ÷कुछ सदस्यों को सूचित किया गया था कि यह पूर्व प्रभाव से लागू नहीं है और यह पहले से ही कानून था। ये देनदारियां पहले से ही मौजूद थीं क्योंकि पैसे वाले ऑनलाइन गेम दांव के साथ खेले जाते थे... वे पहले से ही सट्टेबाजी या जुए के माध्यम से 28 प्रतिशत जीएसटी के दायरे में थे। कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को कथित तौर पर 55 हजार करोड़ रुपये की कुल राशि के साथ जीएसटी चोरी के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कई लोगों ने इसे पूर्व तिथि से प्रभावी कराधान करार दिया है और दावा किया है कि नोटिस गेमिंग प्लेटफार्मों के लिए नए कर रे लैब के लिए 1 अक्टूबर 2023 की कार्यान्वयन

तिथि से पहले की अवधि से संबंधित हैं। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंह देव ने यह भी कहा कि परिषद ने अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के तहत ऑनलाइन गेमिंग पर पूर्व प्रभाव से कर लगाने के मुद्दे पर चर्चा की, जिसमें कुछ फर्मों से उनके टर्नओवर से अधिक बकाया की मांग की गई है। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने शनिवार को यह भी कहा कि ऑनलाइन गेमिंग फर्मों पर प्रस्तावित 28 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पूरे भारतीय स्टार्टअप क्षेत्र को खतरे में डाल सकता है, जिससे संभावित रूप से महत्वपूर्ण नौकरियां खत्म हो सकती हैं और विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है।

यदि युद्ध पश्चिम एशिया तक फैला, तो भारत के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति व मुद्रास्फीति का जोखिम: अर्थशास्त्री

चेन्नई। वरिष्ठ अर्थशास्त्री इजराइल-हमास युद्ध के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर प्रतीक्षा और निगरानी की स्थिति में हैं, जबकि इस बात पर सहमत हैं कि अगर युद्ध पूरे पश्चिम एशिया में फैल गया, तो कच्चे तेल की आपूर्ति में चुनौती हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रभाव पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी, हालांकि स्थिति पर नजर रखनी होगी। सुमन चौधरी, मुख्य अर्थशास्त्री और अनुसंधान प्रमुख, एक्यूइट रेटिंग्स एंड रिसर्च लिमिटेड ने आईएएनएस को बताया, ÷सबसे बुरी स्थिति में, इस संघर्ष के पूरे पश्चिम एशिया में फैलने और इसमें कई देशों के शामिल होने की भी संभावना है। इससे कच्चे तेल की आपूर्ति में और चुनौतियां पैदा हो सकती हैं, जहां ओपेक प्लस (पेट्रोलियम निर्यातक देशों और अन्य तेल उत्पादक देशों का संगठन) द्वारा आपूर्ति में कटौती के कारण पहले से ही वैश्विक कीमतों में वृद्धि हुई है। चौधरी ने कहा कि भू-राजनीतिक संघर्ष में वृद्धि के साथ, वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार को मुद्रास्फीति के जोखिमों के पुनरुत्थान और वैश्विक बाजारों में उच्च अस्थिरता के साथ और मंदी का सामना करना पड़ सकता है, इसके परिणामस्वरूप रुपये पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। चौधरी ने कहा, हालांकि, संघर्ष का प्रत्यक्ष प्रभाव सीमित होने जा रहा है क्योंकि भारत के साथ इजरायल का व्यापार 10 बिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है, वित्त वर्ष 2023 में इजरायल को निर्यात 8.5 बिलियन डॉलर और आयात 2.3 बिलियन डॉलर है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने आईएएनएस से कहा, आर्थिक प्रभाव पहले तेल की कीमत और उसके बाद मुद्रा के माध्यम से देखा जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की संभावित कार्रवाई पर चौधरी ने कहा कि वह केवल उभरते परिदृश्य पर नजर रखेगा और इस समय कोई कार्रवाई करने की संभावना नहीं है। सबनवीस ने कहा, ÷जैसे-जैसे आरबीआई अधिक सतर्क होगा, बांड पैदावार ऊंची रहेगी। महंगाई का असर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर नहीं बल्कि थोक मूल्य सूचकांक पर दिखेगा. चूंकि खुदरा ईंधन की कीमतों में बदलाव नहीं किया जाएगा, अगर सरकार इसे अवशोषित करती है तो कच्चे तेल की ऊंची कीमतें तेल विपणन कंपनियों या राजकोषीय पर दिखाई देंगी। चौधरी ने कहा, हालांकि, यह (आरबीआई) ओएमओ (खुले बाजार परिचालन) बिक्री जैसे उपकरणों के माध्यम से सिस्टम में तरलता को सख्त बनाए रखने का प्रयास करेगा, जिसका बांड पैदावार पर असर पड़ सकता है।

अगस्त में प्लास्टिक एक्सपोर्ट 6.9प्रतिशत घटकर 34.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा: Plexconcil

नई दिल्ली:

कठिन वैश्विक आर्थिक हालात के कारण अगस्त में भारत का प्लास्टिक निर्यात सालाना आधार पर 6.9 प्रतिशत घटकर 34.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। शीर्ष उद्योग निकाय प्लास्टिक निर्यात संवर्धन परिषद (प्लेक्सकाउंसिल) के अनुसार अगस्त 2022 में कुल प्लास्टिक निर्यात 37.0 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में मिश्रित प्रदर्शन रहा, जैसे फ्लोरिंग, चमड़ा, लैमिनेट, मेडिकल प्लास्टिक, उपभोक्ता और घरेलू उत्पाद, फिशनेट और मोनोफिलामेंट, लेखन उपकरण और स्टेशनरी तथा मानव बाल जैसी उत्पाद श्रेणियों में निर्यात बढ़ा। प्लेक्सकाउंसिल के आंकड़ों के अनुसार बुने हुए बोरे, बुने हुए कपड़े, तिरपाल, प्लास्टिक फिल्म व चादर, प्लास्टिक पाइप आदि विविध उत्पादों तथा वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई। निकाय ने कहा कि भारत दुनिया में पॉलीइथाइलीन टेरेफथेलेट रेज़िन के शीर्ष पांच निर्यातकों में से एक है। प्लेक्सकाउंसिल के कार्यकारी निदेशक श्रीबास दसमोहपात्रा ने कहा, ''फ्लोर कवरिंग, चमड़े के कपड़े और लैमिनेट में 51 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई, ये आमतौर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले उत्पाद खंड हैं। हमें यह जानकर खुशी हो रही है कि यह गति जारी है।

स्थानीय और वैश्विक ग्राहकों के लिए भारत में विस्तार कर रहा है एस्सार का ब्लैक बॉक्स

बेंगलुरु। प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में एक प्रमुख निवेश के रूप में एस्सार के ब्लैक बॉक्स ने हाल ही में बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सलेंस स्थापित किया है। यह सेंटर वैश्विक ग्राहकों के लिए डिज़ाइन किया गया है और ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्नत अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, कमांड सेंटर, सर्विस डेस्क और कस्टमाइज्ड डिलीवरी ऑपरेशन से सुसज्जित है। ब्लैक बॉक्स कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजीव वर्मा ने कहा, भारत हमारे लिए एक बाजार के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जो भारतीय समूहों और वैश्विक ग्राहकों दोनों को सेवा प्रदान करता है। भारत में हमारी विकास क्षमता पर हमारा सकारात्मक दृष्टिकोण है और हम यहां निवेश करना जारी रखेंगे। भारत सरकार द्वारा चल रही डिजिटलीकरण पहल और डेटा सेंटर की मजबूत मांग ऐसे क्षेत्र हैं जिनका हाइपर-स्केल ग्राहकों के साथ काम करने में हमारी विशेषज्ञता को देखते हुए हम मूल्यांकन करना चाहते हैं। कंपनी विकास को गति देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है और 500 नई नौकरियों को जोड़कर अपने बेंगलुरु सेंटर ऑफ एक्सलेंसको बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट योजना की रूपरेखा तैयार की है। भारत में ब्लैक बॉक्स की 37 वर्षों से अधिक समय से मौजूदगी है, जो पहले एजीसी नेटवर्क्स के नाम से संचालित होता था। 35 से अधिक देशों तक फैले वैश्विक फुटप्रिंट के साथ, कंपनी भारत में बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा, विनिर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)/आईटी-सक्षम सेवाएं सहित विभिन्न क्षेत्रों में सम्मानित ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है। वर्मा ने कहा, इनमें से कई ग्राहकों ने अच्छी ग्रोथ का अनुभव किया है और कई क्षेत्रों में अपने परिचालन का विस्तार किया है। उन्होंने हमारे मजबूत रिश्तों और हमारे द्वारा लगातार दिए जाने वाले ठोस परिणामों से प्रेरित होकर ब्लैक बॉक्स के साथ साझेदारी करना चुना है। ब्लैकबॉक्स संयुक्त राज्य अमेरिका में बैंकिंग, बीमा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण, वितरण, ऊर्जा और यूटिलिटीज सहित उद्योग क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला के ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। वर्मा ने कहा, हमारा सबसे बड़ा बाजार, कई अन्य प्रौद्योगिकी कंपनियों की तरह, संयुक्त राज्य अमेरिका है। अमेरिका में, हम प्रबंधित विस्तारित पहचान और प्रतिक्रिया सेवाओं, एंडपॉइंट पहचान और प्रतिक्रिया सेवाओं और भेद्यता प्रबंधन सेवा सहित कई सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं। हम राजस्व और मुनाफा बढ़ाने पर फोकस करते हुए अमेरिका में सक्रिय रूप से विस्तार और निवेश कर रहे हैं। हम अपने मजबूत बैकलॉग और पाइपलाइन के कारण दोहरे अंक की वृद्धि हासिल करने की उम्मीद करते हैं। ब्लैक बॉक्स भारत सरकार द्वारा निर्धारित डिजिटल इंडिया पहल का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है। कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता अत्याधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे समाधान प्रदान करने के लिए व्यवसायों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने तक फैली हुई है, चाहे वे भारत में स्थित हों या विश्व स्तर पर संचालित हों।

सूर्य आदि सात ग्रहों के नाम पर सप्ताह के सात दिन तय किए गए हैं। हर वार का अधिपति कोई एक ग्रह है, लेकिन ग्रह देवों को भी अन्य प्रधान देवों के साथ जोड़ा गया है। इस सबके पीछे विज्ञान, ग्रहों की चाल, ऋतुचर्या, दिनचर्या और स्वस्थ, सुखी रहने के तौर-तरीके बड़ी कुशलता के साथ पिरोए गए हैं। यह समझने के लिए हमें आसमान में ग्रहों की कक्षाओं के क्रम को समझना होगा। ये इस प्रकार हैं- 1. शनि 2. गुरु 3. मंगल 4. रवि 5. शुक्र 6. बुध 7. चंद्रमा। इनमें हर चौथा ग्रह अगले वार का मालिक होता है जैसे, रविवार के बाद उससे चौथे चन्द्रमा का, फिर चन्द्र से चौथे मंगल का क्रमशः वार आता-जाता है।

7 वारों के देवताओं को ऐसे करें प्रसन्न

रविवार

रविवार का अधिपति सूर्य स्वयं जीवन का आधार होने से विष्णु रूप कहा गया है। अतः 'आरोग्यं भास्करादिच्छेत' के नियम से रोग के प्रकोप को कम करने, स्वस्थ रहने, दवा का अनुकूल प्रभाव पैदा करने और आयु की रक्षा तथा आत्मबल, तन व मन की ताकत को देने वाला सूर्य है। जन्म का कारण होने से सविता, प्रसविता, प्रसव कराने वाला परिवार वृद्धि का देवता है। जो लोग प्रजनन अंगों के विकार के कारण, अज्ञात कमी की वजह से औलाद का सुख नहीं देख पाते हैं, उनके लिए सूर्य की उपासना बहुत मुफीद होती है। सूर्य के लिए गायत्री मंत्र, केवल ओम् नाम या 'ओम् घृणिः सूर्य आदित्यः' का जप करना, जल चढ़ाना, माता-पिता या उनके जैसे जनों को ठेस न पहुंचाना अच्छा है। सूर्य को प्रसन्न रखने के कुछ अन्य मार्ग ये हैं- सुबह मुंह को गीला रखकर सूर्य के सामने गायत्री मन्त्र या ओम् नाम का 10 या 28 बार जप करना चाहिए। घर में धूप और खुली हवा का प्रबंध, धूप सेंकना, बुजुर्गों के मन को ठेस नहीं पहुंचाना चाहिए। घर में गंगाजल या किसी कुदरती सोते का जल सहेजना चाहिए। संक्रांति, अमावस्या, पूर्णिमा, अष्टमी के दिन और दोनों वक्त मिलने के समय कलह, बहस, देर तक सोने से बचें। इनसे सारे ग्रहों की अनुकूलता बनती है।

सोमवार

सोमवार का अधिपति चंद्रमा मन, विचार, भावुकता, चंचलता, आवेग और आवेश का प्रतीक है। चंद्र की अनुकूलता से मन पर नियंत्रण, निर्णय करने की सही दिशा और दिल के बजाए दिमाग से अधिक काम लेने की आदत बनती है। सोम जल का ग्रह होने से शिव को खास प्रिय है। इस दिन शिवजी की पूजा, आराधना करना उपयुक्त है। ध्यान रखें शिव की पूजा सदा माता पार्वती के साथ ही साम्ब सदाशिव के रूप में ही सांसारिक सुखों के लिए अधिक फलदायी है।

चंद्र को प्रसन्न रखने के कुछ तरीके ये हैं- दूध, खीर, सेवइयां, मिठाई, पनीर, दान करना चाहिए और तारों की छांव या चांदनी में कुछ देर बैठना चाहिए। बड़, पीपल, गूलर की गोलियां, फल या जड़ घर में रखें। अपनी कुल प्रतिष्ठा, सम्पदा को संभालें। पानी का सेवन करना और माता-पिता से अलगाव या दूरी न रखना चन्द्रमा को प्रसन्न रखने का कारगर तरीका है। दूध में मुल्तानी मिट्टी, चोकर या बेसन मिला कर उबटन करें। किसी के सामने अपनी व्यथा का रोना न रोएं।

मंगलवार

मंगलवार का अधिपति मंगल, युद्ध और हथियारों का ग्रह है। इसके देवता वीर हनुमान, एकदंत गणेश और मलय स्वामी हैं। हनुमानजी की पूजा, प्रसाद चढ़ाना, मंगल का व्रत रखना और इस दिन शाकाहार करना अच्छा है। हनुमान चालीसा का पाठ आसान और कारगर उपाय है। अतिरिक्त शुभता के लिए- अपने सगे भाई-बहनों के लिए अपशब्द न कहें और स्त्रियों से बहस न करें। मीठी सुहाल, पूए, चीले, पूरनपूरी खाएं, खिलाएं और बांटें। भाभियों से सामान्य व्यवहार रखें और कभी विकलांगों की सहायता करें। नीम, बबूल का सेवन किसी तरह से करें और पेड़-पौधों की देखभाल करते रहें।

बुधवार

बुधवार का अधिपति बुध, बुद्धि, हास-परिहास, अभिनय और कला और वनस्पतियों का ग्रह है। इसके प्रधान देव विष्णु हैं। अतः विष्णुजी के किसी रूप की आराधना करना शुभ है। ओम् नमो भगवते वासुदेवाय या श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे। हे नाथ नारायण वासुदेव का जप करना श्रेयस्कर है। कुछ बोनस शुभता पाना हो तो अपनाएं- मांस मदिरा, मानसिक हिंसा, पक्षियों को पालना, ससुराल से गहरे संबंध रखना आदि बातों से बचें। वनस्पति, जड़ी-बूटी पालें, प्रसाधन इस्तेमाल करना, सोना धारण करना, पौधे रखना, बहन-बेटी और उनके परिवार-जनों का आदर करना, केसर लगी मिठाई या केसरी हलुवा या मूंग दाल के पदार्थ खाना, खिलाना शुभ है। दादी को कोई भेंट देने, सांड को गुड़ रोटी खिलाने, केले और बताशे बांटने से बुध प्रसन्न रहता है। स्नान जल में चावल डालना, पीपल में जल देना, हरी सब्जी शिवजी को भेंट करना, कभी पत्ते के दोने में कुछ खाना, कभी दान करना मंगलकारक है।

वारों के अधिदेवता

ग्रहों को मूल रूप से विष्णु या महादेव के अंश से उत्पन्न समझा जाता है। सूर्य की पूजा, नमस्कार, अर्घ्य देना तो खास तौर पर विष्णु और शिव ही क्यों, झसब तरह की पूजा में अनिवार्य कहा गया है। वारपति ग्रह और अवतारों का संबंध इस तरह से है- 1. सूर्य- रामावतार, 2. चन्द्र- श्रीकृष्णावतार, 3. मंगल- नृसिंह अवतार, 4. बुध- बुद्ध अवतार, 5. गुरु- वामन अवतार, 6. शुक्र- परशुराम अवतार, 7. शनि- कर्म अवतार। इससे हम आसानी से समझ सकते हैं कि सब ग्रह आदिदेव विष्णु या शिव जो भी नाम दें, उसी से निकले हैं।

गुरुवार

गुरुवार का देवता संसार का सृजनहार ब्रह्मा है। अतः विवाह, संतान सुख, परिवार सुख, ज्ञान, वाणी और हुनर के साथ बड़प्पन अधिकार का स्वामी बृहस्पति है। इसके लिए सिर्फ ओम् नाम का जप करना काफी फायदेमंद है। अधिक शुभता के लिए- किसी के साथ कपड़े शेयर न करें। चरित्र, जुबान और आचरण को मजबूत रखें। हल्दी वाली रोटी, चने की दाल, पीला वस्त्र, घी, बूरे का सेवन वितरण करें।

शुक्रवार

शुक्रवार देवी के अधीन है। अतः दुर्गा पूजा, दीपक जलाना, खेतड़ी बोकर रखना, कन्यापूजन करना और जालसाजी, झूठी गवाही से बचना अच्छा है। दुर्गाचालीसा आदि पढ़ना, खुशबू का प्रयोग, धूपबत्ती जलाना, साफ-सुथरा और आकर्षक बनने की कोशिश करना शुभ है।

शनिवार

शनिवार के अधिपति भैरव, हनुमान, महाकाली, नृसिंह हैं। भावनानुसार इनमें से किसी की पूजा आराधना करना अच्छे परिणाम देगा। बस्ती के बाहर किसी शिवमंदिर में पूजा करना भी लाभदायक है। अधिक शुभता के लिए- मजदूरों, मेहनतकशों का दिल न दुखाना, जीवन में अनुशासन रखना, साफ-सुथरा रहना, रोज नहाना और हाथ-पैर, दाढ़ी, नाखूनों को साफ सलीकेदार रखना, तेल मालिश, शनि को खुश रखने की रामबाण दवा है।

श्राद्ध कर्म और तर्पण का महत्व

पितरों में अर्यमा श्रेष्ठ है। अर्यमा पितरों के देव हैं। अर्यमा को प्रणाम। हे! पिता, पितामह, और प्रपितामह। हे! माता, मातामह और प्रमातामह आपको भी बारंबार प्रणाम। आप हमें मृत्यु से अमृत की ओर ले चलें।

पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं तथा तृप्त करने की क्रिया और देवताओं, ऋषियों या पितरों को तंडुल या तिल मिश्रित जल अर्पित करने की क्रिया को तर्पण कहते हैं। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। श्राद्ध पक्ष का माहात्म्य उत्तर व उत्तर-पूर्व भारत में ज्यादा है। तमिलनाडु में आदि अमावसाई, केरल में करिकडा वावुबली और महाराष्ट्र में इसे पितृ पंधरवडा नाम से जानते हैं।

हे अग्नि! हमारे श्रेष्ठ सनातन यज्ञ को संपन्न करने वाले पितरों ने जैसे देहांत होने पर श्रेष्ठ ऐश्वर्य वाले स्वर्ग को प्राप्त किया है वैसे ही यज्ञों में इन ऋचाओं का पाठ करते हुए और समस्त साधनों से यज्ञ करते हुए हम भी उसी ऐश्वर्यवान स्वर्ग को प्राप्त करें।- यजुर्वेद

श्राद्ध और तर्पण का अर्थ

सत्य और श्रद्धा से किए गए कर्म श्राद्ध और जिस कर्म से माता, पिता और आचार्य तृप्त हो वह तर्पण है। वेदों में श्राद्ध को पितृयज्ञ कहा गया है। यह श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों, माता, पिता और आचार्य के प्रति सम्मान का भाव है। यह पितृयज्ञ संपन्न होता है संतानोंत्पत्ति और संतान की सही शिक्षा-दीक्षा से। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। वेदानुसार यज्ञ पांच प्रकार के होते हैं-(1) ब्रह्म यज्ञ (2) देव यज्ञ (3) पितृयज्ञ (4) वैश्वदेव यज्ञ (5) अतिथि यज्ञ। उक्त पांच यज्ञों को पुराणों और अन्य ग्रंथों में विस्तार दिया गया है। उक्त पांच यज्ञ में से ही एक यज्ञ है पितृयज्ञ। इसे पुराण में श्राद्ध कर्म की संज्ञा दी गई है।

श्राद्ध कर्म का समय

पितृयज्ञ या श्राद्धकर्म के लिए अश्विन माह का कृष्ण पक्ष ही नियुक्त किया गया है। सूर्य के कन्या राशि में रहते समय आश्विन कृष्ण पक्ष पितर पक्ष कहलाता है। जो इस पक्ष तथा देह त्याग की तिथि पर अपने पितरों का श्राद्ध करता है उस श्राद्ध से पितर तृप्त हो जाते हैं।

कन्या राशि में सूर्य रहने पर भी जब श्राद्ध नहीं होता तो पितर तुला राशि के सूर्य तक पूरे कार्तिक मास में श्राद्ध का इंतजार करते हैं और तब भी न हो तो सूर्य देव के वृश्चिक राशि पर आने पर पितर निराश होकर अपने स्थान पर लौट जाते हैं।

श्राद्ध कर्म के प्रकार

नित्य, नैमित्तिक, काम्य, वृद्धि, पार्वण, सपिंडन, गोष्ठ, शुद्धि, कर्मांग, दैविक, यात्रा और पुष्टि।

तर्पण कर्म के प्रकार

पुराणों में तर्पण को छह भागों में विभक्त किया गया है - 1. देव-तर्पण 2. ऋषि-तर्पण 3. दिव्य-मानव-तर्पण 4. दिव्य-पितृ-तर्पण 5. यम-तर्पण 6. मनुष्य-पितृ-तर्पण।

श्राद्ध के नियम

श्राद्ध पक्ष में व्यसन और मांसाहार पूरी तरह वर्जित माना गया है। पूर्णत पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध का समय दोपहर साढ़े बारह बजे से एक बजे के बीच उपयुक्त माना गया है। कौओं, कुत्तों और गायों के लिए भी अन्न का अंश निकालते हैं क्योंकि ये सभी जीव यम के काफी नजदीकी हैं।

श्राद्ध कर्म का लाभ

।।श्रद्धया दीयते यस्मात् तच्छ्राद्धम।।

भावार्थ- श्रद्धा से श्रेष्ठ संतान, आयु, आरोग्य, अतुल ऐश्वर्य और इच्छित वस्तुओं की प्राप्ति होती है।

व्याख्या - वेदों के अनुसार इससे पितृऋण चुकता होता है। पुराणों के अनुसार श्रद्धायुक्त होकर श्राद्धकर्म करने से पितृगण ही तृप्त नहीं होते, अपितु ब्रह्मा, इंद्र, रुद्र, दोनों अश्विनी कुमार, सूर्य, अग्नि, अष्टवसु, वायु, विश्वेदेव, ऋषि, मनुष्य, पशु-पक्षी और सरीसृप आदि समस्त भूत प्राणी भी तृप्त होते हैं। संतुष्ट होकर पितर मनुष्यों के लिए आयु, पुत्र, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुष्टि, बल, वैभव, पशु, सुख, धन और धान्य देते हैं।

जल व पिंडदान से पितृ को मिलती है ऊर्जा

पितरों की पद वृद्धि तथा तृप्ति के लिए स्वयं श्राद्ध करना चाहिए। पितरों के लिए श्रद्धा से क्रमानुसार वैदिक पद्धति से शांत चित्त होकर किया कर्म श्राद्ध कहलाता है। शास्त्र में सुस्पष्ट है कि नाम व गौत्र के सहारे स्वयं के द्वारा किया श्राद्ध पितरों को विभिन्न योनियों में प्राप्त होकर उन्हें तृप्त करता है। पं. अमर डब्बावाला के अनुसार यम स्मृति तथा निर्णय सिंधु के आधार पर जब सूर्य कन्या राशि में अवस्थित हो, तब पितृ अपने पुत्र-पौत्र की ओर देखते हैं। अपनी तृप्ति व पद वृद्धि के हेतु जल व पिंडदान की आशा करते हैं। सूर्यसंहिता के आधार पर पितृ वर्ष में साढ़े दस महीने अपनी ऊर्जा द्वारा पुत्र-पौत्रों को शुभ-आशीष प्रदान करते हैं। पुत्र पौत्रों द्वारा दिए गए जल व पिंडदान से उन्हें ऊर्जा मिलती है। जब पितरों के निमित्त जल व पिंड दान नहीं किया जाता है, तब पितृ क्लेश करते हैं। कर्तव्य स्वरूप स्वयं द्वारा पितरों के निमित्त श्राद्ध करने से वह सीधे पितरों को प्राप्त हो जाता है। तृप्त होकर पितृ अपने वंशजों को आशीर्वाद, सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं। यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि श्राद्ध में दी गई अन्न आदि सामग्री पितरों को कैसे प्राप्त होती है। विभिन्न कर्मों के अनुसार मृत्यु के बाद जीव को भिन्न योनियां प्राप्त होती हैं। कोई देवता, पितृ, प्रेत, हाथी, चींटी तथा कोई चिनार का वृक्ष या तृण बनता है। श्राद्ध में दिए गए छोटे से पिंड से हाथी का पेट कैसे भर सकता है। छोटी-सी चींटी इतना बड़ा पिंड कैसे खा सकती है और देवता तो अमृत से तृप्त होते हैं। पिंड से उन्हें कैसे तृप्ति मिल सकती है। इन प्रश्नों का शास्त्र में उत्तर दिया गया है कि नाम व गौत्र के सहारे विश्वदेव एवं अग्नि ख्वाता आदि दिव्य पितरों को हव्य (हवन) तथा काव्य (पितरों के निमित्त ब्रह्मभोज) के द्वारा पदार्थ प्राप्त करा देते हैं। इसका प्रमाण मार्कंडेय पुराण, वायु पुराण तथा श्राद्ध कल्पलता में मिलता है।

पितृ पक्ष विशेष

श्राद्ध कीजिये पुण्य कमाईये

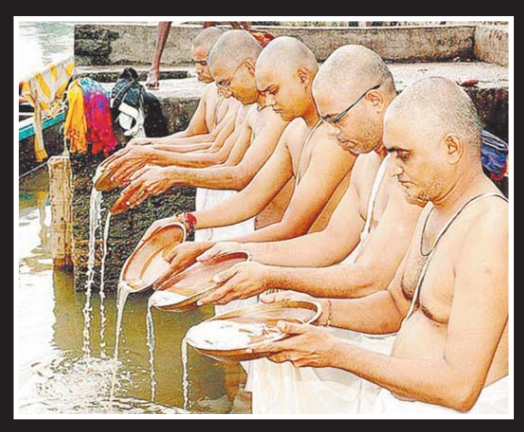

श्राद्ध का अर्थ है, श्रद्धा, आस्था व प्रेम के साथ कुछ भी भेंट किया जाय। पितृ पक्ष पूर्वजों की मृत्यु तिथि के दिन जल, जौ, कुशा, अक्षत, दूध, पुष्प आदि से उनका श्राद्ध सम्पन्न किया जाता है। पितृ पक्ष में श्राद्ध करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है तथा पूर्वज प्रसन्न होकर पूरे वर्ष आपके दीर्घायु तथा प्रगति की कामना करते है। एक मास में दो पक्ष होते है। कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष, एक पक्ष 15 दिन का होता है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष के पन्द्रह दिन पितृ पक्ष के नाम से प्रचलित है। इन 15 दिनों में लोग अपने पूर्वजों/पितरों को जल देंते है तथा उनकी मृत्यु तिथि पर श्राद्ध करते है। पितरों का ऋण श्राद्धों के द्वारा उतारा जाता है। पितृ पक्ष श्राद्धों के लिए निश्चित पन्द्रह तिथियों का कार्यकाल है। वर्ष के किसी महीना या तिथि में स्वर्गवासी हुए पूर्वजों के लिए कृष्ण पक्ष की उसी तिथि को श्राद्ध किया जाता है। विशेष मुहूर्त- शास्त्रों के अनुसार गृहस्थ को अपने पूर्वजों की निधन तिथि के दिन तृतीय प्रहर (अपरान्हकाल) में श्राद्ध करना चाहिए। इसलिए पितृकर्म में अपरान्हव्यापनी तिथि ग्रहण करनी चाहिए। इस वर्ष पितृ पक्ष 30 सितम्बर से प्रारम्भ होकर 15 सितम्बर तक रहेंगे। तर्पण-प्रत्येक दिन मध्यान्ह 12 बजे से 1-30 मि0 के मध्य तर्पण करना उत्तम रहेगा। निर्णय सिन्धु में- 12 प्रकार के श्राद्धों का उल्लेख मिलता है। 1- नित्य श्राद्धः कोई भी व्यक्ति अन्न, जल, दूध, कुशा, पुष्प व फल से प्रतिदिन श्राद्ध करके अपने पितरों को प्रसन्न कर सकता है। 2- नैमित्तक श्राद्ध- यह श्राद्ध विशेष अवसर पर किया जाता है। जैसे- पिता आदि की मृत्यु तिथि के दिन इसे एकोदिष्ट कहा जाता है। इसमें विश्वदेवा की पूजा नहीं की जाती है, केवल मात्र एक पिण्डदान दिया जाता है। 3- काम्य श्राद्धः किसी कामना विशेष के लिए यह श्राद्ध किया जाता है। जैसे- पुत्र की प्राप्ति आदि। 4- वृद्धि श्राद्धः यह श्राद्ध सौभाग्य वृद्धि के लिए किया जाता है। 5- सपिंडन श्राद्ध- मृत व्यक्ति के 12 वें दिन पितरों से मिलने के लिए किया जाता है। इसे स्त्रियां भी कर सकती है। 6- पार्वण श्राद्धः पिता, दादा, परदादा, सपत्नीक और दादी, परदादी, व सपत्नीक के निमित्त किया जाता है। इसमें दो विश्वदेवा की पूजा होती है। 7- गोष्ठी श्राद्धः यह परिवार के सभी लोगों के एकत्र होने के समय किया जाता है। 8- कर्मागं श्राद्धः यह श्राद्ध किसी संस्कार के अवसर पर किया जाता है। 9- शुद्धयर्थ श्राद्धः यह श्राद्ध परिवार की शुद्धता के लिए किया जाता है। 10- तीर्थ श्राद्धः यह श्राद्ध तीर्थ में जाने पर किया जाता है। 11- यात्रार्थ श्राद्धः यह श्राद्ध यात्रा की सफलता के लिए किया जाता है। 12- पुष्टयर्थ श्राद्धः शरीर के स्वास्थ्य व सुख समृद्धि के लिए त्रयोदशी तिथि, मघा नक्षत्र, वर्षा ऋतु व आश्विन मास का कृष्ण पक्ष इस श्राद्ध के लिए उत्तम माना जाता है। पितृ पक्ष के विशेष दिन- 1- प्रतिपदा तिथि को नाना का श्राद्ध किया जाता है। 2- चतुर्थी या पंचमी तिथि में उसका श्राद्ध किया जाता है जिसकी मृत्यु गतवर्ष हुयी है। 3- अपने जीवन काल में मरने वाली स्त्री का श्राद्ध नवमी तिथि को किया जाता है। 4- युद्ध, दुर्घटना या आत्महत्या आदि में मृत व्यक्तियों का श्राद्ध चतुर्दशी तिथि में किया जाता है। 5- आमावस्या तिथि को सभी पितरों का श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष अमावस्या पर करें पितृ श्राद्ध

झपितृपक्ष की अमावस्या को सर्वपितृ अमावस्या कहते हैं। इस तिथि पर कुल के सर्व पितरों को उद्देशित कर श्राद्ध करते हैं। वर्षभर में सदैव व पितृपक्ष की अन्य तिथियों पर श्राद्ध करना संभव न हो, तब भी इस तिथि पर सबके लिए श्राद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि पितृपक्ष की यह अंतिम तिथि है। उसी प्रकार, शास्त्र में बताया गया है कि श्राद्ध के लिए अमावस्या की तिथि अधिक योग्य है, जबकि पितृपक्ष की अमावस्या सर्वाधिक योग्य तिथि है। आश्विन के कृष्ण पक्ष को पितृपक्ष कहते हैं। यह पक्ष पितरों को प्रिय है। पितृपक्ष की कालावधि में पितर पृथ्वी के निकट आते हैं। इन अतृप्त आत्माओं को (पितरों को) शांत करने के लिए इस काल में श्राद्ध विधि की जाती है। इस पक्ष में पितरों का महालय श्राद्ध करने से वे वर्षभर तृप्त रहते हैं।

मध्यप्रदेश में 9 अक्टूबर को हो सकता है चुनाव की तारीखों का ऐलान

भोपाल। मध्यप्रदेश सहित देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग सोमवार, 9 अक्टूबर को तारीखों का ऐलान कर सकता है। इसके बाद पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। इस बार भी एक चरण में ही मतदान होगा। मध्य प्रदेश में नवंबर के तीसरे या चौथे सप्ताह में मतदान हो सकता है। हम बता दें कि मप्र सरकार का कार्यकाल 6 जनवरी 2024 को खत्म हो रहा है। हम बता दें कि पिछली बार 2018 में मध्य प्रदेश में 6 अक्टूबर को चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ था। जबकि 28 नवंबर को एक चरण में चुनाव हुए थे। इसके अलावा 2013 में 4 अक्टूबर, 2008 में 14 अक्टूबर और 2003 में 12 अक्टूबर को चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ था।

-लागू हो जाएगी आचार संहिता

प्रदेश में चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। इसके बाद सार्वजनिक लोकार्पण और शिलान्यास प्रतिबंध हो जाएंगे। किसी भी नए काम या योजना को स्वीकृति नहीं दी जा सकेंगी। सरकार अपनी उपलब्धियों के न होर्डिंग्स लगा सकेगी और न उपब्धियों के विज्ञापन मीडिया में दे सकेंगी।

मेघालय के 27 नागरिक फलस्तीन में फंसे, सुरक्षित वापसी की कोशिश

नई दिल्ली। यरुशलम की पवित्र तीर्थयात्रा के लिए गए मेघालय के 27 नागरिक इजरायल और फलस्तीन के बीच तनाव के कारण बेथलहम शहर में फंस गए हैं। यहां पर इजरायल और आतंकी संगठन हमास के बीच जंग जारी है। मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा ?कि यरुशलम की पवित्र तीर्थयात्रा के लिए गए मेघालय के 27 नागरिक इजरायल और फलस्तीन के बीच तनाव के कारण बेथलहम में फंस गए हैं। मैं उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में हूं। गौरतलब है कि आतंकी संगठन हमास ने शनिवार को स्वतंत्र फलस्तीन की मांग करते हुए इजरायल के सात शहरों पर अचानक हमला कर दिया। इस दौरान उसने हजारों रॉकेट दागे, जिसमें शारनेगेव शहर के मेयर समेत 300 से अधिक लोग मारे गए। हमास के आतंकियों ने कई विदेशी नागरिकों को भी बंधक बना लिया है। हमास के हमले का जवाब देते हुए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी युद्ध का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि हमास के सभी ठिकानों को मलबे में तब्दील किया जाएगा। उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल का समर्थन करते हुए हमास के हमले की निंदा की और हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और जापान समेत अन्य देशों ने भी इजरायल का समर्थन किया है, जबकि सऊदी अरब, मिस्र और रूस ने युद्धविराम की अपील की है। इजरायल के जवाबी हमले में अब तक हमास के 230 आतंकी मारे गए हैं। हमास ने यह हमला तब किया, जब यहूदी धर्म मानने वाले लोग अपना त्योहार मना रहे थे। ऐसा हमला 50 साल पहले 1973 में इजरायल पर किया गया था। यह हमला मिस्र और सीरिया की सेनाओं ने किया था। दोनों देश 1967 के युद्ध में इजरायल द्वारा कब्जा की गई अपनी जमीन छुड़ाना चाहते थे।

सिक्किम बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए पहुंचे केंद्रीय मंत्री

गंगटोक। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने सिक्किम में बाढ़ की स्थिति को एक बड़ी त्रासदी बताते हुए कहा है कि मानव जीवन को बचाना अब प्राथमिकता है। श्री मिश्रा ने शनिवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। ताशिलिंग सचिवालय में विचार-विमर्श के दौरान मुख्य सचिव वीबी पाठक और राज्य सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीमा सड़क संगठन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, भारतीय सेना और राष्ट्रीय जलविद्युत ऊर्जा निगम के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। श्री मिश्रा ने अक्टूबर के बाद से राहत और पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी ली और मुख्य सचिव पाठक ने उन्हें जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की मांगें तुरंत पूरी की जाएंगी। मंत्री मिश्रा ने कहा, 'सामान्य जीवन बहाल करने के लिए हमें (केंद्र और राज्य) मिलकर काम करना होगा। हम प्राथमिकताओं की पहचान पर काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता की आवश्यकताएं पूरी हों।' उन्होंने स्थिति की देखभाल करने और प्रभावितों तक पहुंचने में सीएम पीएस तमांग के उत्साह और समर्पण की सराहना की। श्री मिश्रा ने कहा कि अचानक आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने और जहां भी आवश्यक हो सहायता प्रदान करने के लिए गठित एक अंतर मंत्रालयी समिति रविवार से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने जा रही है। राज्य मंत्री ने राज्य सरकार के अधिकारियों को जल्द से जल्द पुनर्निर्माण के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया।

पंजाबी गायिका जैस्मीन सैंडलस को दिल्ली में एक कार्यक्रम से पहले मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। पंजाबी गायिका जैस्मीन सैंडलस ने आरोप लगाया है कि एक कार्यक्रम के लिए दिल्ली पहुंचने के बाद उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फोन करने वाले व्यक्ति ने गायिका को धमकी देते हुए जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का जिक्र किया था। उन्होंने बताया कि अमेरिका की रहने वाली सैंडलस को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में प्रस्तुति देनी है। अधिकारियों ने बताया कि सैंडलस को जिस फोन से धमकी दी गई वह अंतरराष्ट्रीय नंबर है। गायिका के स्टाफ ने तत्काल उत्तरपश्चिमी दिल्ली की पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि सैंडलस को होटल में सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है और मामले में जांच जारी है।

बेंगलुरु : पटाखे की दुकान में आग से मरने वालों की संख्या 14 हुई

बेंगलुरु/चेन्नई। बेंगलुरु के अनेकल तालुक के अट्टीबेले इलाके में स्थित पटाखे की एक दुकान में आग लगने से दो और लोगों की मौत के बाद घटना में मरने वाले लोगों की कुल संख्या रविवार को 14 हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दुकान में आग लगने से 12 लोगों की जलकर मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य लोगों ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को घटनास्थल का दौरा किया था और घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने घटना में लोगों की मौत पर संवेदना प्रकट की है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में ज्यादातर पटाखे की दुकान में काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं, जिनकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे हुई, जब एक वाहन से पटाखों के डिब्बों को उतारने का काम जारी था। पुलिस अधीक्षक (बेंगलुरु देहात) मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा, 'जिस वक्त आग लगी, उस वक्त कुछ कर्मचारी दुकान के अंदर काम कर रहे थे। दमकल की नौ से ज्यादा गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया।' पुलिस के अनुसार, नवरात्रि और दीपावली के मद्देनजर दुकान में लाखों रुपये के पटाखे रखे हुए थे, जिनमें आग लगने से विस्फोट होने लगा। उसने बताया कि आग की वजह से दुकान के आस-पास खड़े वाहन जलकर खाक हो गए। यह घटना तमिलनाडु सीमा से कुछ दूरी पर हुई। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मृतक पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले के अम्मलपेट्टई, तिरुपत्तूर जिले के वानियमबाड़ी और कल्लाकुरिची जिले के रहने वाले हैं। उसने बताया कि घायलों में दुकान का मालिक भी शामिल है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 9 से 12 अक्टूबर तक इटली व फ्रांस के दौरे पर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 09 से 12 अक्टूबर तक इटली और फ्रांस का दौरा करेंगे। अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण के दौरान रक्षा मंत्री का रोम में इतालवी रक्षा मंत्री गुइडो क्रिसेटो से मिलने का कार्यक्रम है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। मार्च 2023 में इतालवी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक दूसरे और अंतिम चरण के दौरान राजनाथ सिंह पेरिस में अपने समकक्ष फ्रांसीसी सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ 5वीं वार्षिक रक्षा वार्ता का संचालन करेंगे।

राजस्थान सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण करवाएगी, आदेश जारी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण करवाएगी जिसके लिए आदेश शनिवार रात जारी कर दिया गया। सामाजिक न्याय व अधिकारिकता विभाग की ओर से जारी इस आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण करायेगी। देर रात जारी आधिकारिक बयान के अनुसार सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी।

इसके अनुसार प्रस?तावित सर्वेक्षण में राज्य के समस्त नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर के सम्बंध में जानकारी एवं आकड़े एकत्रित किए जाएंगे। इसके अनुसार राज्य सरकार द्वारा इनका विशेष अध्ययन कराया जाकर वर्गों के पिछड़ेपन की स्थिति में सुधार लाने के लिए विशेष कल्याणकारी उपाय और योजनाएं लागू की जाएगी।

बयान के अनुसार इससे सभी वर्गों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। इसके अनुसार राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा द्वारा इस सम्बंध में आदेश जारी किया गया है। इसके अनुसार सर्वेक्षण कार्य आयोजना (आर्थिक एवं सांख्यिकी) विभाग द्वारा नोडल विभाग के रूप में सम्पादित किया जाएगा। इसके अनुसार साथ ही, सभी जिला कलेक्टर सर्वेक्षण के लिए नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम, ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के अधीनस्थ कार्मिकों की सेवाएं ले सकेंगे।

इसके अनुसार कार्य के लिए नोडल विभाग द्वारा प्रश्नावली तैयार की जाएगी जिसमें उन समस्त विषयों का उल्लेख होगा, जिससे प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। बयान के अनुसार सर्वेक्षण से प्राप्त सूचनाएं एवं आंकड़ें ऑनलाइन फीड किए जाएंगे। बयान के अनुसार इसके लिए सूचना, प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा पृथक से विशेष सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल ऐप बनाया जाएगा। इसके अनुसार सर्वेक्षण से प्राप्त संकलित की गई सूचनाएं विभाग सुरक्षित रखेगा।

कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स एकाउंट पर इस आदेश की प्रति साझा करते हुए लिखा गया, ''राजस्थान की कांग्रेस सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी। कांग्रेस जिसकी जितनी भागीदारी-उसकी उतनी हिस्सेदारी के अपने संकल्प पर काम कर रही है।'' उल्लेखनीय है कि इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि राज्य सरकार बिहार के मॉडल को अपनाते हुए राज्य में जातिगत सर्वेक्षण करवाएगी और यह भी एक बड़ा फैसला है। गहलोत ने कहा, ''जनगणना तो भारत सरकार ही करवा सकती है, यह केवल परिवारों का सर्वेक्षण हो रहा है जिसमें उनकी आर्थिक स्थिति भी पता चल जाएगी। मैं समझता हूं कि बहुत बड़ा निर्णय हुआ है। हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता है, हम इसे आगे बढ़ाएंगे।

राम मंदिर निर्माण पर अब तक खर्च हुए 900 करोड़ रुपये : चंपत राय

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण पर 5 फरवरी, 2020 से 31 मार्च, 2023 के बीच 900 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। राय ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट के बैंक खातों में अभी भी 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है। राय ने बताया कि शनिवार को ट्रस्ट की बैठक में कुल 18 बिंदुओं पर चर्चा हुई। इनमें विदेशी मुद्रा में दान लेने की कानूनी प्रक्रिया भी शामिल थी। ट्रस्ट ने एफसीआरए के तहत विदेशी योगदान की अनुमति के लिए आवेदन किया है। राय ने कहा कि सरयू तट पर स्थित राम कथा संग्रहालय एक कानूनी ट्रस्ट होगा और वहां राम मंदिर का 500 साल का इतिहास और 50 साल के कानूनी दस्तावेज रखे जाएंगे। प्रतिष्ठा समारोह के लिए एक धार्मिक समिति का गठन किया गया है। पैनल रामानंदी परंपरा के अनुसार भगवान के श्रृंगार, कपड़े और देवता की पूजा पद्धति पर निर्णय लेगा। पैनल में नृत्य गोपाल दास, गोविंद देवगिरी, तेजावर स्वामी, चंपत राय, अनिल मिश्रा और अयोध्या के रामानंद परंपरा के चार संत शामिल होंगे।

वायु सेना को हर तरह के युद्ध में हावी होने के लिए रणकौशल बढाना होगा: वायु सेना प्रमुख

प्रयागराज (एजेंसी)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने कहा है कि आधुनिक युद्धों की कोई सीमा नहीं है इसलिए वायु सेना को हर तरह के युद्ध में हावी होने के लिए अंतरिक्ष, साइबर और जमीनी क्षमताओं के तालमेल को बढाते हुए अपने रणकौशल को बढाना होगा।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने रविवार को यहां 92 वें वायु सेना दिवस के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मल्टी-डोमेन ऑपरेशन से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक, वायु सेना को यह पहचानने की जरूरत है कि आधुनिक युद्ध पारंपरिक सीमाओं से परे है। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए, 'हमें युद्ध क्षेत्र पर हावी होने के लिए वायु, अंतरिक्ष, साइबर और जमीनी क्षमताओं को सहजता से एकीकृत करना होगा। हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि, मैं और क्या कर सकता हूं? अपने आप को आज की जरूरतों तक सीमित न रखें। आज से आगे सोचें और आपको एहसास होगा कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।'

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और नौसेना तथा थल सेना प्रमुखों की मौजूदगी में वायु सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले नौ दशकों में भारतीय वायुसेना की ताकत लगातार बढी है और यह दुनिया की बेहतरीन वायु सेनाओं में से एक बन गई। उन्होंने सवाल किया, 'लेकिन क्या इतना काफी है? यदि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है, तो 2032 में जब हम 100 वर्ष पूरे करेंगे, तब तक भारतीय वायुसेना को सर्वोत्तम नहीं तो सर्वोत्तम में से एक होना चाहिए।'

वायु सेना प्रमुख ने कहा,'सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात, मैं आपसे यह आग्रह करना चाहूंगा कि आप जो कुछ भी करते हैं उसमें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करें। यह समझौता योग्य नहीं है. हमें अपने संचालन, प्रशिक्षण, रखरखाव और प्रशासन के हर पहलू में खुद को उच्चतम मानकों पर रखना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी और नवाचार में अग्रणी बनने का प्रयास करना चाहिए। हमें तकनीकी श्रेष्ठता बनाने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान, विकास और अधिग्रहण में निवेश करना चाहिए। नवाचार हमारे डीएनए का हिस्सा बनना चाहिए, जिससे हम उभरते खतरों और चुनौतियों से आसानी से निपट सकें। हमें स्वयं का ईमानदारी से मूल्यांकन करने और परिवर्तन में आने वाली किसी भी बाधा का समाधान करने की आवश्यकता है। हमें जिस बल संरचना को विकसित करने की आवश्यकता है वह भविष्य के लिए तैयार होनी चाहिए।'

उन्होंने कहा कि सभी को नवाचार को बढ़ावा देते हुए प्रत्येक वायु योद्धा को वायु सेना को बेहतर बनाने में योगदान का अवसर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस जटिल और बहुआयामी रणनीतिक माहौल में रणनीति को परिष्कृत करना और हर क्षेत्र में क्षमताओं को बढाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हवाई क्षेत्र और अंतरिक्ष में बड़ी ताकत बनने के लिए हमें अंतरिक्ष क्षेत्र के महत्व को पहचानना चाहिए और अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास जारी रखना चाहिए।

हमारी रगों में बहता है सनातन धर्म, अगर हिंदू भावनाएं आहत हुईं तो चुप नहीं रहेंगे : बसवराज बोम्मई

हावेरी (कर्नाटक) (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक में गणेपति महोत्सव को रोकने का प्रयास करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी ने भी हिंदू भावनाओं को आहत किया तो वह चुप नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि महान सनातन धर्म उनकी रगों में बहता है। बोम्मई ने कहा, 'अगर हमारे सनातन धर्म की तुलना मलेरिया से की जाएगी तो क्या हमें चुप रहना चाहिए? सनातन धर्म हमारी रगों में बहता है। अगर किसी ने हमारी भावनाओं को आहत करने का प्रयास किया तो हम चुप नहीं रहेंगे।' हावेरी जिले के बंकापुर में शनिवार को आयोजित हिंदू जागृति सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गणपति महोत्सव को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। बोम्मई के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया है, 'हम उस सनातन धर्म से ताल्लुक रखते हैं, जो इस दुनिया में मानव जाति के कल्याण का प्रसार करता है। पाकिस्तान या अफगानिस्तान के विपरीत यहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं।' बोम्मई ने कहा, 'यहां सभी स्वीकार्य हैं। यह सनातन धर्म की खूबसूरती है और कुछ लोग इसे डेंगू व मलेरिया बता रहे हैं। क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे दूसरे धर्मों की तुलना इन बीमारियों से कर सकें? अगर वे ऐसा करेंगे तो क्या होगा?' उन्होंने दावा कया कि जब भाजपा राज्य की सत्ता में थी, तो कोई दुश्मन ताकत ऐसी नहीं थी, जो अपना सिर उठा सके।

एस्टेरॉयड के 159 सालों के बाद पृथ्वी से टकराने का अनुमान

-नासा ने कहा- 22 परमाणु बमों के बराबर है एस्टेरॉयड बेन्नू

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार बेन्नू नाम के एस्टेरॉयड के 159 सालों के बाद पृथ्वी से टकराने का अनुमान है। इस एस्टेरॉयड के टकराने के बाद पृथ्वी पर तबाही का मंजर होगा और चारों ओर प्रलय आएगी। वायरल भविष्यवाणियों के बीच नासा जैसे संगठन सालों से अंतरिक्ष की निगरानी कर रहे हैं।

उन्होंने अब एक तारीख बता दी है जब एक विशाल एस्टेरॉयड के पृथ्वी से टकराने का अनुमान है।इस रहस्य का उद्घाटन इंस्टाग्राम अकाउंट 'इनसाइड हिस्ट्री' पर शेयर किया गया है। वैज्ञानिकों ने इसकी तुलना 22 परमाणु बमों के ताकत के बराबर की है। हालांकि नासा ने इस बात पर जोर दिया कि जोखिम तो है, लेकिन 159 साल बाद 24 सितंबर, 2182 को बेन्नू के वास्तव में पृथ्वी से टकराने की आशंका बहुत कम है। यह देखते हुए कि यह डेट 22वीं शताब्दी के अंत में आती है तो चिंता का कोई तत्काल कारण नहीं है। बेन्नू जो हर छह साल में पृथ्वी के पास से गुजरता है, उस एस्टेरॉयड के आधे आकार का है जिसके बारे में माना जाता है कि यही डायनासोर के विलुप्त होने का कारण बना था। जबकि बेन्नू के प्रभाव से दुर्घटना स्थल के 600 मील के दायरे में तबाही मच सकती है, लेकिन दुनिया विलुप्त हो जाए इसकी उम्मीद कम है। नासा बेन्नू का रास्ता बदलने और टकराव को रोकने के लिए सक्रिय रूप से रणनीति तैयार कर रहा है। मिशन फिलहाल अपने अंतिम चरण में है।

वहीं वायरल पोस्ट के जवाब में एक यूजर ने मजाकिया ढंग से कमेंट किया, 'मैं शायद तब तक चला जाऊंगा, लेकिन सचेत करने के लिए धन्यवाद।' एक अन्य ने चुटकी लेते हुए कहा, 'ठीक है, जो कोई भी उस समय होगा उसके लिए शुभकामनाएं। उन्हें भविष्य में दोबारा पोस्ट करने के लिए इस पोस्ट को सुरक्षित रखना चाहिए।'बता दें कि बता दें कि इस तरह की खबरें और भविष्यवाणियां अक्सर लोगों के मन में डर पैदा करती हैं। हालांकि कई लोग इन्हें अस्पष्ट और अविश्वसनीय कहकर खारिज कर देते हैं। लेकिन जब अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की ओर से ऐसी भविष्यवाणियां आती हैं, तो उनमें अधिक वजन और विश्वसनीयता होती है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किए केदारनाथ और बद्रीनाथ में दर्शन, कहा-

आस्था के साथ-साथ राष्ट्रीय एकात्मता के आधार हैं हमारे तीर्थस्थल

रुद्रप्रयाग। (एजेंसी)। हमारे तीर्थस्थल आस्था के साथ साथ राष्ट्रीय एकात्मता के आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विरासत के प्रति सम्मान का भाव नये भारत की नई आभा को प्रस्तुत कर रहा है। ये बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यहां श्री केदारनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के उपरांत कही। तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे के अंतिम दिन श्री केदारनाथ मंदिर पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सन् 2013 में केदारपुरी एक आपदा की चपेट में चुकी थी, लेकिन स्थानीय लोगों के आत्मविश्वास और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़संकल्प और उनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से आज उत्तराखंड के दोनों तीर्थ श्री केदारनाथ और श्री बद्रीनाथ नये भारत की नई आभा को प्रस्तुत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विरासत के प्रति सम्मान का भाव यही है। लाखों की संख्या में तीर्थयात्री यहां आ रह हैं, यह हमारे लिए एक नई प्रेरणा है। यह एक नये भविष्य की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। समयबद्ध ढंग से मानक की गुणवत्ता को बनाये रखते हुए पूरी तत्परता के साथ यहां कार्य चल रहा है। ये श्रद्धा का उमड़ता हुआ जनसैलाब नये भारत की नई तस्वीर को प्रस्तुत करता है। इसमें दृष्टि और दूरदर्शिता है। इसमें पर्यटन भी है और श्रद्धालुजन की जनआस्था का सम्मान का भाव है। इन सबको समेटे हुए केदारनाथ का नव निर्माण बहुत अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है।

पुष्कर में इजरायली यहूदियों के धार्मिक स्थल की बढाई सुरक्षा

अजमेर, । इजरायल और फिलिस्तीन के बीच युद्ध के मद्देनजर राजस्थान के अजमेर में तीर्थराज पुष्कर स्थित इजरायली यहूदियों के धार्मिक स्थल 'खबाद हाऊस' की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्राप्त जानकारी के इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध के बाद पुष्कर के खबाद हाऊस पर अजमेर प्रशासन-पुलिस प्रशासन की खास नजर है और अजमेर पुलिस की स्पेशल टीम जहां सादी वर्दी में निगरानी कर रहे हैं वहीं 'मेवाड़-भील कोर' के सशस्त्र जवानों को तैनात किया गया है। पुष्कर में डेरा डालकर खबाद हाऊस में प्रार्थना में मशगूल रहने वाले इजरायली पर्यटकों ने पुष्कर से अपने देश की ओर रवानगी लेनी शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि पुष्कर के खबाद हाऊस पूरे साल पुलिस के पहरे में रहता आया है लेकिन युद्ध के मद्देनजर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

मंजूरी के बिना जिलों, संस्थानों का नाम बदलना दंडनीय: मणिपुर सरकार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर सरकार ने मंजूरी लिए बिना जिलों और संस्थानों के नाम बदलने के खिलाफ एक अधिसूचना जारी की है, जिसमें कहा गया है कि इस तरह का कदम समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर सकता है तथा कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति को बिगाड़ सकता है।

अधिसूचना में कहा गया है कि यदि किसी को दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते पाया गया, तो उसके खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव विनीत जोशी की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, 'राज्य सरकार की मंजूरी के बिना कोई भी जानबूझकर जिलों, उप-मंडलों, स्थानों, संस्थानों के नाम बदलने का कार्य नहीं करेगा या करने का प्रयास नहीं करेगा।'

इसमें कहा गया है, 'मणिपुर सरकार को विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि नागरिक समाज से जुड़े कई संगठन, संस्थान, प्रतिष्ठान और व्यक्ति जानबूझकर जिलों का नाम बदल रहे हैं या नाम बदलने की कोशिश कर रहे हैंज जो आपत्तिजनक है। इससे राज्य में रहने वाले समुदायों के बीच विवाद और संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। खासतौर पर कानून-व्यवस्था के समक्ष मौजूद वर्तमान संकट के मद्देनजरज' अधिसूचना के अनुसार, इस मामले को 'अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ देखा जा रहा है, क्योंकि इस चलन सेज राज्य में विभेद पैदा हो सकता है या कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब और हो सकती है।'

यह कदम तब उठाया गया है, जब चुराचांदपुर में जो समुदाय के संगठन ने जिले को 'लमका' नाम दिया है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में जनजातीय एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद तीन मई को जातीय हिंसा भड़क गई थी। हिंसा की घटनाओं में अब तक 180 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं।

मणिपुर की आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 53 प्रतिशत है

और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी आदिवासियों की आबादी करीब 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

गोलीबारी के जवाब में 'लेबनान के क्षेत्र' में किया जा रहा है हमला : आईडीएफ

बेरूत। इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने रविवार को कहा कि वह क्षेत्र से गोलीबारी के जवाब में 'लेबनान के क्षेत्र' पर हमला कर रहा है। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, 'आईडीएफ आर्टिलरी वर्तमान में लेबनान के उस क्षेत्र पर हमला कर रही है जहां से गोलीबारी की गई थी, 'आईडीएफ ने कहा कि वह 'इस प्रकार की संभावना के लिए तैयारी के उपाय कर रही है और सभी क्षेत्रों में और किसी भी स्थान पर काम करना जारी रखेगी।' इजरायली नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय आवश्यक है।' लेबनानी प्रसारक अल मयादीन ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में कफ़रचौबा गांव इज़रायल की गोलबारी का शिकार हुआ। आईडीएफ ने यह भी कहा कि उसने 'आतंकवादी फंडिंग के लिए हमास आतंकवादी संगठन से संबंधित दो बैंकों पर हमला किया है, उनमें इस्लामिक नेशनल बैंक शामिल है जो आतंकवादी गतिविधि को वित्त पोषित करके संगठन की सेवा करता है, और संगठन से संबंधित फर्स्ट बैंक।卐 आईडीएफ ने गाजा शहर में इस्लामिक जिहाद आंदोलन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हवाई हथियार उत्पादन स्थल और हथियारों और सैन्य उपकरणों के भंडारण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक इमारत पर भी हमला किया है। आईडीएफ ने कहा कि उसने गाजा पट्टी में हमास आंदोलन के खुफिया मुख्यालय और एक सैन्य परिसर पर हमला किया है।

तिब्बत में माउंट शिशापंगमा हिमस्खलन के बाद दो की मौत, दो लापता

ल्हासा। दक्षिण पश्चिम चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में माउंट शिशापंगमा में शनिवार दोपहर को हिमस्खलन हुआ, जिससे दो पर्वतारोहियों की मौत हो गई, दो लापता हैं और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया, क्षेत्रीय खेल ब्यूरो ने यह जानकारी दी। बचावकर्मियों के अनुसार, हिमस्खलन 7,600 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर हुआ। प्रारंभिक जांच से पता चला कि एक अमेरिकी पर्वतारोही और एक नेपाली पर्वतारोही की मौत हो गई, एक अन्य अमेरिकी पर्वतारोही और नेपाली पर्वतारोही लापता है। एक नेपाली पर्वतारोही गंभीर रूप से घायल हो गया। हिमस्खलन के तुरंत बाद बचावकर्मियों को माउंट शिशापंगमा के आधार शिविर में भेज दिया गया और सभी चढ़ाई गतिविधियों को निलंबित कर दिया गया है। शनिवार शाम तक गंभीर रूप से घायल नेपाली पर्वतारोही खतरे से बाहर बताया जा रहा है और बचाव दल उसे नीचे ले जा रहा है। शिगाज़े के अंतर्गत न्यालम काउंटी में स्थित, माउंट शिशापंगमा 8,000 मीटर से अधिक ऊंचा एकमात्र पर्वत है जो पूरी तरह से चीन के भीतर स्थित है।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या संख्या 2 हजार हुई

इस्लामाबाद । पश्चिमी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वाले लोगों की संख्या 2 हजार तक पहुंच गई है। तालिबान के प्रवक्ता ने बताया कि 465 मकान जमींदोज हो गए हैं और 135 क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका की खबरों के बीच तलाश व बचाव अभियान के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने का अनुमान। आपदा प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुल्ला जन ने बताया कि भूकंप और उसके बाद आए झटकों का सबसे ज्यादा असर हेरात प्रांत के 4 गांवों पर पड़ा है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र हेरात से करीब 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। इसके बाद 6.3, 5.9 और 5.5 तीव्रता के 3 झटके महसूस किए गए। इस क्षेत्र में 7 भूकंप आए हैं। हेरात के रहने वाले अब्दुल समदी ने कहा कि भूकंप इतना घातक था कि लोग अपने घरों से बाहर आ गए। इसी वजह से सभी घर और दुकानें खाली हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि उसने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 12 एंबुलेंस भेजी हैं। भूकंप से टेलीफोन लाइन ठप हो गई हैं। सोशल मीडिया पर दिख रहा है कि लोग घरों के बाहर सड़कों पर हैं। तालिबान ने इस भूकंप में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पिछले दो दशकों में आया यह सबसे तगड़ा भूकंप है। सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रेयान ने कहा कि हेरात में भूकंप से मरने वालों की जो संख्या बताई जा रही है वह आंकड़ों से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि करीब 6 गांव नष्ट हुए हैं और सैकड़ों लोग मलबे में दबे हैं। इससे पहले पिछले साल अफगानिस्तान में पाकिस्तान सीमा के करीब भूकंप आया था।

हमास के बड़े हमले में मारे गए 100 से अधिक इजरायली

तेल अवीव। इजरायल पर शनिवार सुबह से हमास के रॉकेट और घुसपैठ के हमले के दौरान कम से कम 100 इजरायली मारे गए हैं, जबकि 900 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दर्जनों गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय मीडिया ने इजरायली स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि शनिवार तड़के से हमास द्वारा इज़राइल में लगभग तीन हजार रॉकेट दागे गए। इज़रायली सेना के एक बयान के अनुसार, उसने हाल के घंटों में हमास के 20 से अधिक ठिकानों पर हवाई हमले किए। गाजा में फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इजरायली हवाई हमलों में फिलिस्तीनी क्षेत्र में कम से कम 198 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और 1,610 अन्य घायल हो गए। शनिवार को भी इज़रायली नौसेना ने घोषणा की कि उसने इज़रायल में नौसैनिक घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया, जिसमें दर्जनों आतंकवादी मारे गए। इज़रायली सेना रेडियो ने यह भी कहा कि दोपहर में दक्षिणी शहर निरिम में झड़प के दौरान इज़रायली सैनिकों ने नौ हमास आतंकवादियों को मार गिराया।

सैन फ्रांसिस्को में आसमान से होने लगी मकड़ियों की बारिश

लंदन । आसमान से बारिश, बिजली और ओले गिरना आम है, लेकिन अगर कोई भयानक चीज आकाश से टपकने लगे? सोचकर भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। दरअसल, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी के एक छोटे क्षेत्र में मकड़ियों के आसमान से गिरने और जमीन पर पहुंचते ही सतहों पर चिपक जाने की कई चौंकाने वाली रिपोर्ट और तस्वीरें सामने आई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यहां के एक छोटे से क्षेत्र में लोगों ने आसमान से गिरते सफेद जाल के टुकड़े देखे हैं जिनमें बेबी स्पाइडर हैं। पेसिफिक ग्रोव की एक निवासी, ब्रुक शैडवेल ने बताया कि उनके घर के आसपास पर हर जगह जाल दिखाई दे रहे थे। ये जाल जमीन, झाड़ियों से चिपके हुए, बिजली लाइनों पर और लगभग हर जगह हैं। ये नजारे काफी डरावने हैं। उन्होंने कहा, ये नकली मकड़ी के जाले जैसे दिखते हैं, जिसे हैलोवीन स्टोर से खरीदा गया हो। छोटी मकड़ियों के साथ ये जाले बहुत रेशमी और चिपचिपे हैं। इन्हें देखकर डर लग रहा है। जीव विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर ने प्रकृति के खौफनाक नजारे को लेकर कहा, ये जाल के वे गुच्छे हैं, जिसमें मकड़ी अपने बच्चों को रखती हैं। जहां मकड़ी के बच्चे मूल रूप से पैदा हुए थे, वहां से दूर जाने के लिए, वे इन जालों को घुमाते हैं और रहने के लिए हवा के सहारे एक नई जगह पहुंचते हैं। जब हवा चलती है, तब मकड़ियों को ऊंची सतह पर जाने में मदद मिलती है। इस प्रक्रिया से पहले, मकड़ियां अपने निवास स्थान में सबके ऊंचे बिंदू तक रेंगती हैं और फिर अपने जालों को घुमाकर एक त्रिकोणीय पैराशूट बनाती हैं। इससे थोड़े से क्षेत्र में आकाश मकड़ियों से भरा हुआ दिखता है। वहीं अगर मौसम की स्थिति बदलती है, तब ये मकड़ियां जमीन पर गिरने लगती हैं और ऐसा लगता है कि मकड़ियों की बारिश हो रही है। इसतरह कुछ समय पहले अचानक से तूफान के बाद अमेरिका के टेक्सास में मछलियों की बारिश ने हैरान किया था। दरअसल, बीते साल यहां स्थित एक कस्बे में ऐसा ही हुआ था। कस्बे में हुई बारिश के साथ आसमान से पानी के साथ मछलियां भी गिर रही थीं। यह कस्बा अरकन्सास की सीमा पर स्थित है। लोगों ने मौके का फायदा भी उठाया। मछलियों को जमा करके घर ले गए। आसमान से जब मछलियों की बारिश शुरु हुई तब पहले सभी को लगा कि ओला गिर रहे हैं। इसलिए कोई बाहर नहीं निकला। लेकिन जब बारिश थमी, तब लोगों ने देखा कि यह कोई सामान्य बारिश नहीं थी। पूरे टेक्सारकाना कस्बे में चारों तरफ मछलियां पड़ी थीं।

इज़रायल में तनाव बढ़ने के बाद मरने वालों की संख्या 300 से अधिक हुई

तेल अवीव। फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष के बढ़ने के बीच इज़राइल में मरने वालों की संख्या 300 से अधिक हो गई है, और 1,500 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इजरायली मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। इजराइली अखबार जेरूसलम पोस्ट ने देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से खबर दी है कि अब तक हुए संघर्ष में मरने वालों की संख्या 300 से ज्यादा हो गई है और 1,500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं

कैलिफोर्निया के गवर्नर ने जातिगत भेदभाव पर रोक लगाने वाले विधेयक पर वीटो किया

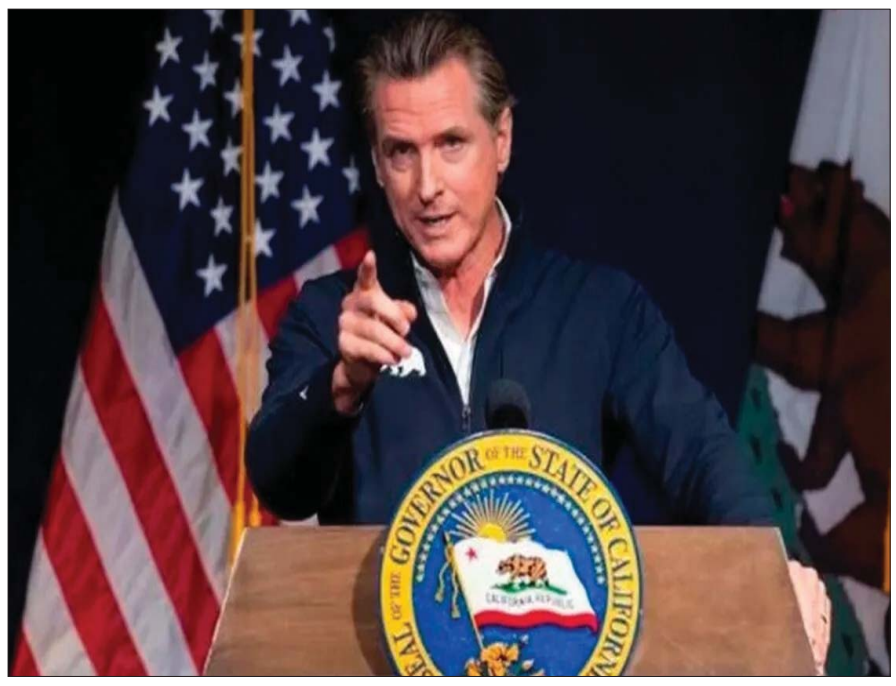

वाशिंगटन (एजेंसी)। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने प्रांतीय असेंबली द्वारा हाल ही में पारित जातिगत भेदभाव विरोधी विधेयक पर शनिवार को वीटो कर दिया। न्यूसम ने अपने फैसले के समर्थन में तर्क दिया कि कैलिफोर्निया में जातिगत भेदभाव पर रोक लगाने वाले कानून पहले से मौजूद हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक बड़े वर्ग ने न्यूसम के कदम का स्वागत किया है। ये लोग इसी तर्क के आधार पर इस विधेयक का विरोध कर रहे थे। न्यूसम ने एक बयान में कहा, 'कैलिफोर्निया में हमारा मानना है कि हर किसी से गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो, कहां से भी आया हो, किसी से भी प्यार करता हो या कहीं भी रहता हो।'

उन्होंने कहा, 'यही कारण है कि कैलिफोर्निया लिंग, नस्ल, रंग, धर्म, वंश, राष्ट्रीय मूल, विकलांगता, लैंगिक पहचान, यौन झुकाव और अन्य विशेषताओं के आधार पर भेदभाव को से ही प्रतिबंधित करता है। साथ ही प्रांत का कानून निर्दिष्ट करता है कि इन नागरिक अधिकारों की उदारतापूर्वक सुरक्षा की जाए। चूंकि इन मौजूदा श्रेणियों के तहत जाति के आधार पर भेदभाव पहले से ही निषिद्ध है, इसलिए यह विधेयक अनावश्यक है।' न्यूसम ने दावा किया कि वह इसी कारण से उस विधेयक पर 'हस्ताक्षर नहीं कर सकते', जिसे 'एसबी403' के नाम से जाना जाता है और जो कैलिफोर्निया की प्रतिनिधि सभा और सीनेट में भारी मतों से पारित किया गया था। विधेयक निष्पक्ष रोजगार और आवास अधिनियम, अनरूह अधिनियम और शिक्षा संहिता के प्रयोजनों के लिए 'वंश' को परिभाषित करता है, जिसमें 'जाति' और वंश के अन्य आयामों को शामिल किया गया है। विधेयक के विरोधियों ने फैसले को ऐतिहासिक बताया और कहा कि गवर्नर न्यूसम के इस तरह के कदम ने प्रांत में दक्षिण एशियाई समुदाय और हिंदुओं को निशाना बनाने के कई लोगों के प्रयासों को नाकाम कर दिया है।

इज़राइल के रक्षा मंत्री ने पूरे इज़राइल में 'विशेष सुरक्षा स्थिति' बढ़ाई

तेल अवीव। इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने आदेश दिया है कि फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष के बढ़ने के बीच देश के पूरे क्षेत्र में 'विशेष सुरक्षा स्थिति' का दर्जा बढ़ाया जाए। इजरायली रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया है, 'परिचालन आकलन के बाद, रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने आज शाम (शनिवार, 7 अक्टूबर 2023) 'विशेष सुरक्षा स्थिति' का विस्तार किया है - यह स्थिति अब इज़राइल के संपूर्ण क्षेत्र पर लागू होती है।' यह उपाय इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) को 'नागरिकों को सुरक्षा निर्देश प्रदान करने और सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुसार सार्वजनिक साइटों को बंद करने' में सक्षम करेगा। आईडीएफ ने रविवार को कहा कि नाहल ब्रिगेड के कमांडर, 42 वर्षीय कर्नल जोनाथन स्टाइनबर्ग संघर्ष के दौरान मारे गए। आईडीएफ ने 'उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना' व्यक्त की और 'इस कठिन समय' में उनका समर्थन करने का वादा किया। इस बीच हारेत्ज़ अखबार ने बताया कि दक्षिणी इज़राइल में बेरी के किबुत्ज़ में फिलिस्तीनी बलों द्वारा बंधक बनाए गए इजरायली नागरिकों को कई घंटों के बाद रिहा कर दिया गया। अखबार ने यह भी बताया कि आईडीएफ द्वारा गाजा पट्टी के बाहरी इलाके में कई बस्तियों पर नियंत्रण हासिल करने की घोषणा के बाद इजराइल में पांच स्थानों पर झड़पें जारी थीं। ग्रीक अखबार काथिमेरिनी ने बताया कि संघर्ष के बढ़ने के बीच इज़राइल ग्रीस से 5 हजार रिजर्व सैनिकों को घर लाने की योजना बना रहा है और कहा कि ऐसा करने के लिए इज़राइल के लिए 20 उड़ानों की योजना बनाई गई है।

बाइडन ने इजराइल को 'ठोस' समर्थन देने का आह्वान किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इजराइल को अपनी और अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने हमास के 'आतंकवादी हमलों' के जवाब में इजराइल को 'ठोस और अटूट' समर्थन देने का आह्वान किया।

फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास ने शनिवार को इजराइल में रॉकेट हमले शुरू किए, जिसमें कम से कम 250 लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया में आई खबरों में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर हवाई हमले किए, जिसमें 230 से अधिक लोग मारे गए हैं। अमेरिका ने इजरइल के लिए समर्थन जुटाने और हमास के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के लिए एक बड़ा कूटनीतिक अभियान शुरू किया।

बाइडन ने शनिवार शाम को व्हाइट हाउस से कहा, 'आतंकवादी हमलों के मद्देनजर इजराइल को अपनी और अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। यह इजराइल के किसी भी शत्रु के लिए इन हमलों का फायदा उठाने का वक्त नहीं है। दुनिया देख रही है।' उन्होंने कहा कि वह जॉर्डन के शाह के संपर्क में हैं और कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के कई सदस्यों से भी बात की है। बाइडन ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दल को इजराइली समकक्षों से बातचीत करने का निर्देश दिया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इजराइल के पास सभी आवश्यक साधन उपलब्ध हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मैंने अपने दल को मिस्र, तुर्किये, कतर, सऊदी अरब, जॉर्डन, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समेत क्षेत्र के सभी देशों के नेताओं व हमारे यूरोपीय साझेदारों तथा फलस्तीनी प्राधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहने का भी निर्देश दिया है।' उन्होंने हमले में मारे गए लोगों के संदर्भ में कहा कि यह मानवीय स्तर पर भी एक भयानक त्रासदी है।

बाइडन ने कहा कि दुनिया ने भयावह तस्वीरें देखी हैं। इजराइली शहरों पर कुछ ही घंटों के भीतर हजारों रॉकेट बरसाए गए। इससे पहले, बाइडन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन समेत अपने राष्ट्रीय सुरक्षा दल के साथ कई बैठकें कीं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रपति को हालात और घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी गई है। उन्होंने इजराइली और क्षेत्रीय समकक्षों के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन किया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह इजराइल के लिए अभूतपूर्व दिन है।'

अधिकारी के मुताबिक, बाइडन ने इजराइल को पूरा समर्थन देने और सेना तथा खुफिया दलों के बीच करीबी समन्वय पर जोर दिया। एक सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा कि अमेरिका इस अहम वक्त में इजराइल को सहयोग देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, 'हमारी इजराइल के साथ बहुत करीबी साझेदारी है। हम हमेशा इजराइल और अन्य साझेदारों के साथ क्षेत्र में खबरों के बारे में वक्त-वक्त पर खुफिया जानकारी साझा करते हैं। राष्ट्रपति ने अपने दल को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि इजराइल को जिस तरह के भी सहयोग की जरूरत हो, उसे वह मुहैया कराया जाए।'

बांगलादेश: पीएम हसीना ने ढाका हवाईअड्डे के तीसरे टर्मिनल का किया उद्घाटन

लंदन (एजेंसी)। ढाका- बांगलादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को राजधानी ढाका में विश्व स्तरीय यात्री सेवा और सुरक्षा प्रदान करने के लिए देश के विमानन क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए तैयार हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नवनिर्मित तीसरे टर्मिनल का उद्घाटन किया। नागरिक उड्डयन और पर्यटन राज्य मंत्री महबूब अली, जापान के विदेश मामलों के उप मंत्री मासाहिरो कोमुरा, सचिव नागरिक उड्डयन और पर्यटन मोकमेल हुसैन और बांग्लादेश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अध्यक्ष एयर वाइस मार्शल एम मोफिदुर रहमान के अलावा जापान के भूमि, बुनियादी ढांचा, परिवहन और पर्यटन मंत्रालय के सैतो तेत्सु भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री हसीना ने बाद में टर्मिनल-3 के विभिन्न खंडों का दौरा किया और इसके विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में तीसरे टर्मिनल पर एक वीडियो डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की गतिविधियों पर एक अन्य वीडियो वृत्तचित्र भी दिखाया गया। ढाका एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का लगभग 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है और बाकी काम जोरों पर चल रहा है। सिस्टम एकीकरण और अंशांकन के पूरा होने के बाद तीसरा टर्मिनल अगले साल के अंत तक यात्री उपयोग के लिए पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

कलेक्टेड तीसरे टर्मिनल के डबल एंट्री ब्रिज सहित बारह बोर्डिंग गेट अगले साल तक चालू होने और अन्य 14 बोर्डिंग ब्रिज बाद में स्थापित होने की उम्मीद है। 21,300 करोड़ रुपए की लागत से तीसरी टर्मिनल परियोजना 28 दिसंबर, 2019 को शुरू हुई। इसमें से सरकार ने 5,000 करोड़ रुपए खर्च किया और शेष राशि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी प्रदान कर रही है। 5,42,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र को कवर करने वाले तीसरे टर्मिनल में 2,30,000 वर्ग मीटर का फर्श होगा जिसमें 115 चेक-इन काउंटर, 66 प्रस्थान आव्रजन डेस्क, 59 आगमन आव्रजन और तीन वीआईपी आव्रजन डेस्क होंगे।

प्रतियोगिता जीतने युवक ने लगा दी जान की बाज़ी

- शराब पीने की थी प्रतियोगिता, 2 लाख से भी ज्यादा का था इनाम

बीजिंग (एजेंसी)। पड़ोसी देश चीन के गुआंगडॉन्ग प्रोविंस में मौजूद शेनज़ेन शहर में एक कर्मचारी ने ऑफिस की एक प्रतियोगिता में जीतने के लिए अपनी जान की बाज़ी लगा दी। ये प्रतियोगिता भी कोई बड़ी चीज़ नहीं बल्कि शराब पीने की थी। जो जल्दी शराब पीता, उसे इनाम मिलता।ये घटना जुलाई की बताई जा रही है, जब कंपनी की ओर से एक डिनर कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया था। इसमें कंपनी के बॉस ने ड्रिंकिंग कॉम्पटीशन रखा, जिसमें जीतने वाले को 20 हज़ार युआन यानि 2 लाख 20 हज़ार से भी ज्यादा का इनाम दिया जाना था। जांग सरनेम वाले कर्मचारी से ज्यादा शराब पीने पर बॉस ने 5000 युआन की घोषणा की। जब इनाम की राशि 10 हज़ार तक बढ़ी, तो कुछ लोगों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई। साथ ही शर्त ये थी कि अगर जांग को कोई हरा नहीं पाया तो उसे 2 लाख रुपये मिलेंगे और अगर वो हार गया तो वो 1 लाख की ट्रीट लोगों को देगा।

पूर्व राष्ट्रपति करजई ने पाकिस्तान के अफगान शरणार्थियों को निष्कासित करने के फैसले का किया विरोध

इंटरनेशनल डेस्क। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकिस्तान द्वारा अफगान शरणार्थियों के व्यापक निष्कासन की कड़ी आलोचना की है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इसे अच्छे पड़ोसी और मानवीय मूल्यों के सिद्धांतों के साथ अनुचित और असंगत करार दिया है। करजई ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान की समस्याओं का अफगानिस्तान और अफगान प्रवासियों से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान की कार्रवाई अफगान प्रवासियों को भाईचारा और आतिथ्य प्रदान करने के देश के चार दशक लंबे इतिहास के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने पाकिस्तान के आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों पर अफगान प्रवासियों के महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला। इसके बाद करजई ने पाकिस्तान से अपने द्विपक्षीय संबंधों में अधिक दूरदर्शी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण की वकालत करते हुए अफगानिस्तान के प्रति अपने रुख का पुनर्मूल्यांकन करने का आग्रह किया। इस बीच, खामा प्रेस के अनुसार, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी पाकिस्तानी सरकार से अफगान प्रवासियों के लिए अपना ÷ऐतिहासिक समर्थन÷ जारी रखने और उन्हें पाकिस्तान से बाहर निकालने की अपनी धमकी को पूरा नहीं करने का आग्रह किया है।

छात्रों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं : टोरंटो विश्वविद्यालय ने भारत-कनाडा विवाद के बीच कहा

टोरंटो (एजेंसी)। भारत और कनाडा में जारी कूटनीतिक गतिरोध के बीच यहां एक प्रमुख विश्वविद्यालय ने छात्र समुदाय को आश्वस्त किया और उनके हित में काम करने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि भारत द्वारा वीजा प्रक्रिया निलंबित किए जाने से आपसी संपर्क बाधित होगा।

टोरंटो विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर जोसेफ वोंग ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'हम जानते हैं कि टोरंटो विश्वविद्यालय समुदाय के कई सदस्य कनाडा और भारत की सरकारों के बीच संबंधों पर चिंताजनक रूप से नजर रखे हुए हैं। स्थिति तेजी से बदल रही है, जिससे अनिश्चितता और तनाव पैदा हो रहा है। हमारे पास अभी तक कई गंभीर सवालों के जवाब नहीं हैं।' वोंग ने कहा कि टोरंटो विश्वविद्यालय को 'भारत के 2,400 से अधिक छात्रों का घर होने पर गर्व है, जो हमारी कक्षाओं और कैंपस जीवन को समृद्ध बनाते हैं' तथा कई और छात्रों, संकाय सदस्यों, पुस्तकालय कर्मियों और पूर्व छात्रों के भारत से रिश्ते हैं। उन्होंने कहा, 'हम अपने समुदाय के सभी प्रभावित सदस्यों और खासतौर से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि आपका यहां स्वागत है और हम आपके कुशलक्षेम का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

वोंग ने कहा कि विश्वविद्यालय भारत के साथ अपनी 'दीर्घकालीन साझेदारी' के प्रति प्रतिबद्ध है, जो विभिन्न क्षेत्रों में अकादमिक सहयोग का समर्थन करती है और अपने छात्रों के सीखने के लिए अमूल्य वैश्विक अवसर मुहैया कराती है। उन्होंने कहा, 'हम स्थानीय और वैश्विक स्तर पर बदलाव लाने के हमारे पारस्परिक लक्ष्य के अनुरूप इन संबंधों को जारी रखने और गहरा करने के लिए तत्पर हैं। अल्पावधि में कनाडा के यात्रियों के लिए वीजा प्रक्रिया के निलंबन से आपसी संपर्क में बाधा आएगी, लेकिन हम ऑनलाइन संपर्क के जरिये इन संबंधों का निर्माण करते रहेंगे।'

वोंग ने कहा कि विश्वविद्यालय भारत और कनाडा के बीच बदलते रिश्तों का टोरंटो विश्वविद्यालय समुदाय पर पड़ने वाले असर पर नजर बनाए रखेगा और 'जैसे-जैसे हमें जानकारियां मिलती जाएंगी, हम सूचना देते रहेंगे।' जून में खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की भूमिका संबंधी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोप के बाद भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक गतिरोध पैदा हो गया है। इस विवाद के बीच भारत ने पिछले सप्ताह कनाडा से नयी दिल्ली में अपने राजनयिकों की संख्या कम करने के लिए कहा था।

भारत ने कहा कि कनाडा को संख्या में समानता हासिल करने के लिए देश में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम करनी चाहिए और आरोप लगाया कि कनाडा के कुछ राजनयिक

नयी दिल्ली के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने में शामिल हैं। भारत ने कनाडा में अपनी वीजा सेवाओं को भी 'अगले आदेश तक निलंबित' कर दिया है। वैश्विक शिक्षा उद्योग के लिए एक बाजार सूचना संसाधन 'आईसीईएफ मॉनिटर' के अनुसार, दिसंबर 2022 के अंत तक 3,20,000 भारतीय छात्रों के पास कनाडा में पढ़ाई का परमिट था।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने जीता कांस्य

स्पोकेन (अमेरिका)। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने अपना अभियान और शानदार प्रदर्शन रविवार को कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। एक करीबी मुकाबले में आयुष का सामना टूर्नामेंट के चौथे वरीय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हुआ। पहले गेम में भारतीय और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 16-16 से बराबर रहा। हालांकि, अंतिम क्षणों में उनके प्रतिद्वंद्वी ने बढ़त हासिल कर ली और आयुष 18-21 के स्कोर के साथ गेम हार गए। आयुष बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले 10वें भारतीय और ऐसा करने वाले 8वें पुरुष एकल शटलर बने। भारत ने प्रतियोगिता में 11 पदक जीते हैं, जिसमें साइना नेहवाल ने क्रमशः 2006 और 2008 में रजत और स्वर्ण पदक का योगदान दिया था। भारत के एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने 2022 में स्पेन में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में पुरुष एकल में रजत पदक जीता था।

एशियाई खेल : अनहत सबसे युवा तो जग्गी सबसे उम्रदराज भारतीय पदक विजेता

हांगझोऊ ।

जैसे ही भारत शनिवार को हांगझू में 19वें एशियाई खेलों में 100 पदक के आंकड़े पर पहुंचा, स्क्वैश खिलाड़ी अनहत सिंह और ब्रिज के दिग्गज जग्गी शिवदासानी ने एक इतिहास रच दिया। 15 साल की उम्र में अनहत, हांगझोउ में पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र की भारतीय हैं, जबकि जग्गी, 65 की उम्र में एशियाई खेलों के इस संस्करण में पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय बने। अनहत, जिनका जन्म 13 मार्च 2008 को हुआ था, उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने महिला टीम और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीता था। शिवदासानी, जिनका जन्म 16 फरवरी 1958 को हुआ था, ने ब्रिज में पुरुष टीम स्पर्धा जीतने वाली भारतीय टीम के हिस्से के रूप में रजत पदक जीता। अभय सिंह के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक का जीतने के बाद अनहत ने कहा, सामान्य तौर पर पदक जीतना वास्तव में बहुत अच्छा था। इतनी उम्र में कांस्य पदक जीतना बहुत बड़ी बात है। इससे मुझे थोड़ी खुशी होती है, लेकिन यह बेहतर होता अगर हम स्वर्ण पदक जीतते या रजत।

एशियाई खेलों में जग्गी का यह दूसरा पदक है। वह उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2018 में इंडोनेशिया में कांस्य पदक जीता था जब ब्रिज ने खेलों में पदार्पण किया था। शिवदासानी ने कहा कि यह 2018 से भारत के लिए एक सुधार है और इसलिए वे फाइनल हारने से निराश नहीं हैं। उन्होंने कहा, आप बहुत निराश नहीं हो सकते। हमें पिछली बार (जकार्ता-पालेमबांग 2018 में) कांस्य पदक मिला था, और शुरुआत में, अगर आपने मुझसे कहा होता कि हमें रजत पदक मिलेगा, तब मैंने इस ले लिया होता और कहा होता चलो नहीं खेलें। दिलचस्प बात यह है कि स्क्वैश और ब्रिज दोनों ओलंपिक खेलों का हिस्सा नहीं हैं, इन दोनों खेलों को नियंत्रित करने वाले दोनों अंतरराष्ट्रीय महासंघों ने दर्जा पाने के लिए कई प्रयास किए हैं। शिवदासानी ने कहा कि ब्रिज को ओलंपिक खेल के रूप में मंजूरी मिल गई है, लेकिन वह स्लॉट का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि अगर ओलंपिक में जगह मिलती है, तब वह वहां मौजूद रहने वाले हैं, या नहीं। उन्होंने कहा, इस एक ओलंपिक खेल के रूप में मंजूरी दे दी गई है, लेकिन जाहिर तौर पर इसके लिए कोई जगह नहीं है। मुझे नहीं पता कि मैं अभी भी आसपास रहूंगा या नहीं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह एक ओलंपिक खेल बन जाएगा। कुछ मौकों पर स्क्वैश ओलंपिक खेलों में शामिल होने के करीब पहुंच गया है। स्क्वैश 2012 लंदन गेम्स और 2016 रियो डी जेनेरो गेम्स के लिए शामिल होने से चूक गया जैसे कि गोल्फ और रग्बी सेवन्स को चुना गया। ब्यूनस आयर्स में 125वें आईओसी सत्र में, आईओसी ने स्क्वैश या बेसबॉल/सॉफ्टबॉल के बजाय कुश्ती के लिए मतदान किया।

एशियाई खेलों में 107 पदकों के साथ भारत का अभियान समाप्त, अंतिम दिन जीते 12 पदक

सत्सिकसाईराज और चिराग ने बैडमिंटन में जीता स्वर्ण

हांगझोऊ ।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों सत्सिकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। सत्सिकसाईराज और चिराग ने पुरुष युगल जोड़ी बैडमिंटन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता है। यह बैंडमिंटन में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। वहीं इसके अलावा तीरंदाजी व कबड्डी में दो-दो पदक के साथ ही भारत ने अंतिम दिन 6 स्वर्ण सहित 12 पदक जीते है। इस प्रकार भारत ने 19 वें एशियाई खेलों में कुल 107 पदक जीतकर अपना अभियान समाप्त किया। यह पहली बार है जब भारत ने एशियाई खेलों में इतने अधिक पदक जीते हैं। भारत ने इन खेलों में इस बार 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक जीते है। इससे पहले भारत ने सबसे अधिक 70 पदक ही एशियाई खेलों के इतिहास में जीते थे। सत्सिकसाईराज और चिराग ने खिताबी मुकाबले में अपना पहला स्वर्ण जीतने के लिए दक्षिण कोरियाई जोड़ी को सीधे सेटों में हराया। वहीं भारतीय कबड्डी टीम ने एक अधिकारियों की एक गलती को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जिससे खेल एक घंटे रुका। इसके बाद अधिकारियों ने उस गलती की समीक्षा के बाद भारतीय टीम को सही पाते हुए विजेता घोषित कर दिया। जिसके बाद ईरानी टीम ने भी विरोध किया। अंत में भारतीयों को ही अंक मिला जिसेस ईरानी टीम के खिलाड़ी नाराज हो गये। इससे पहले शनिवार को भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा, जिसमें 107 - 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य शामिल थे। वहीं मेजबान चीन 382 पदकों के साथ नंबर एक पर है। उसके 200 स्वर्ण, 111 रजत और 71 कांस्य पदक हैं। वहीं जापान 186 पदकों - 51 स्वर्ण, 66 रजत और 69 कांस्य - के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया गणराज्य 190 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जिनमें से 42 स्वर्ण, 59 रजत और 89 कांस्य थे। वहीं कंपाउंड तीरंदाजों में सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण डिओटेबल ने महिलाओं और पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते जो ओलंपिक खेलों में नहीं है। वहीं महिला कबड्डी टीम ने भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी गरिमा बहाल की। इसके अलावा महिलाओं के बाद पुरुष क्रिकेट टीम ने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। इस प्रकार भारत को एक ही दिन में छह स्वर्ण पदक मिले।

वहीं भारतीय पहलवान दीपक पुनिया ने चार रजत पदकों में से एक जीता। वहीं तीरंदाजी में अभिषेक वर्मा को फाइनल में देवताले से हारने के बाद रजत पदक मिला। शतरंज में भारत को दो रजत पदक मिले। डी. गुकेश, आर.ओ. प्रज्ञानंद, ई. अर्जुन, विदित संतोष गुजराती और पेंटाला हरिकृष्णा की पुरुष टीम ईरान के बाद दूसरे स्थान पर रही, जबकि उज्बेकिस्तान ने कांस्य पदक जीता। वहीं महिला टीम ने मेजबान चीन को हराकर रजत पदक जीता। कजाकिस्तान ने कांस्य पदक मिला। वहीं महिला हॉकी टीम ने जापान को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी ने कांस्य पदक जीता।

एशियाई खेल: हांगझोऊ ने प्रकाश, रंग और संगीत के सम्मोहक उत्सव के साथ प्रतिभागियों को दी विदाई

हांगझोऊ।

खेलों के इतिहास में पहला डिजिटल टर्फ पेश किया गया है, जो प्रौद्योगिकी और पारिस्थितिकी का अद्भुत मिश्रण है, और प्रौद्योगिकी तथा कला को एक करता है। हांगझोऊ ने प्रकाश, ध्वनि तथा संगीत के एक और सनसनीखेज प्रदर्शन के साथ 19वें एशियाई खेलों को अलविदा कहा और खचाखच भरे हांगझोऊ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में मौजूद हर एक व्यक्ति को मंत्रमुग्ध कर दिया। एलईडी लाइटों से सुसज्जित यह टर्फ सितारों के सागर की परिवर्तनशील छवियों को रेखांकित करने में सक्षम था। टर्फ लोगों और परिदृश्य के बीच संवाद स्थापित कर रहा था जो हांगझोऊ के प्राकृतिक दृश्यों की जीवंतता, और साझा बंधन तथा निकटता से जुड़ी एशिया की प्रकृति को प्रदर्शित करता है। जब सैकड़ों एथलीट स्टेडियम में दाखिल हुए, भारतीय दल का नेतृत्व पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने किया जो मनप्रीत सिंह के साथ एशियाई खेलों में हॉकी में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले दो भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। यदि उद्घाटन समारोह विभिन्न रूपों में पानी पर केंद्रित था, तो समापन समारोह लोगों पर केंद्रित था और पूरे खेलों में एथलीटों के रोमांचक और मार्मिक क्षणों को प्रदर्शित करता था। साथ ही हजारों स्वयंसेवकों और हांगझोऊ तथा आसपास के क्षेत्रों के लाखों नागरिकों का भी प्रतिनिधित्व करता था जिन्हें होंने इन खेलों को संभव बनाया। समापन समारोह में स्पोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स की भावना, संस्कृति और खेल के बीच सामंजस्य और विचार तथा भावनाओं के बीच परस्पर संबंधों पर भी प्रकाश डाला गया, इस आशा के साथ कि यह एशियाई महाद्वीप में लाखों युवाओं को खेल में शामिल होने और भविष्य में इस आंदोलन को जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा। एशिया ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह ने 19वें एशियाई खेलों के समापन की घोषणा की। उन्होंने हांगझोऊ में हाल के समय के सर्वश्रेष्ठ एशियाई खेलों के आयोजन के लिए हांगझोऊ के सभी हितधारकों और लोगों को धन्यवाद दिया और महाद्वीप के युवाओं को तीन साल बाद 2026 में जापान के आइची-नागोया में 20वें एशियाई खेलों के लिए इकट्ठा होने के लिए आमंत्रित किया।हांगझोऊ एशियाई खेलों की आयोजन समिति ने रणधीर सिंह की उपस्थिति में 1951 में नई दिल्ली में पहले एशियाई खेलों और ओसीए का झंडा आइची-नागोया के मेयर को सौंपा।

15 से 17 अक्तूबर तक आईओसी सत्र की मेजबानी करेगा भारत , नीता अंबानी की रही है अहम भूमिका

नई दिल्ली ।

मुंबई में 15 से 17 अक्तूबर, 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 141वें सत्र का आयोजन होगा। वहीं माना जा रहा है कि ये ओलंपिक खेलों को भारत में लाने की दिशा में पहला कदम है। वहीं आईओसी सत्र की मेजबानी मिलने पर इसकी पहली भारतीय निजी सदस्य नीता अंबानी ने कहा था खेल हमेशा दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए उम्मीद और प्रेरणा के प्रतीक रहे हैं। हम आज दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक हैं और मैं भारत के युवाओं को ओलंपिक से परिचय कराने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। हम आने वाले समय में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना चाहते हैं। आईओसी सत्र इन खेलों की मेजबानी की दिशा में पहला कदम माना जाता है। गौरतलब है कि आईओसी सत्र ही ओलंपिक खेलों पर निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। इसमें ओलंपिक चार्टर को अपनाना या संशोधित करना, आईओसी सदस्यों और पदाधिकारियों का चुनाव करना और ओलंपिक के मेजबान शहर का चुनाव शामिल है। जिस प्रकार क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने की चर्चाएं हैं और अगर इसे

2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल करने का फैसला होता है, तो इसकी घोषणा मुंबई के ही इस आईओसी सत्र में ही होगी। आईओसी सत्र के दौरान भारत आने वाली दुनिया की जानी मानी खेल हस्तियों की एक लंबी सूची है। इसमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के प्रेसिडेंट थॉमस बाख, फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन के प्रेसिडेंट सेबस्टियन को, मोनाको के राजकुमार अल्बर्ट द्वितीय और पोल वॉल्ट चैंपियन येलेना इसिनबायेवा जैसी हस्तियां शामिल हैं। इससे पहले 1983 में नई दिल्ली ने आईओसी सत्र के 86वें संस्करण की मेजबानी की थी। उसके बाद भी भारत ओलंपिक में जगह हासिल नहीं कर पाया।

धनराज पिल्ले ने हरमनप्रीत को हॉकी का धोनी कह दिया

इस जीत ने 1998 की याद दिला दी

नई दिल्ली ।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सफलता ने महान फॉरवर्ड खिलाड़ी धनराज पिल्लै को 1998 की जीत याद दिला दी और उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत सिंह की तारीफ कर उन्हें भारतीय हॉकी का महेंद्र सिंह धोनी करार दिया है। भारत ने हांगझोउ में फाइनल में गत चैम्पियन जापान को 5-1 से हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया। 1998 बैंकाक एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे धनराज ने कहा, मुझे खुशी इस बात की है कि हम पूरी तरह दबदबा बनाकर चारों क्वार्टर में उनसे बेहतर खेले। फाइनल में 5-1 से जीतना आसान नहीं होता। पिछली बार इसी जापान टीम ने हमें हराया था।'' चार ओलंपिक, चार विश्व कप, चार एशियाई खेल और चार चैम्पियंस ट्रॉफी खेल चुके 55 वर्ष के इस धुरंधर ने हांगझोउ खेलों में सर्वाधिक 13 गोल करने वाले हरमनप्रीत की तारीफ कर कहा, बहुत हद तक हरमनप्रीत की कप्तानी को भी श्रेय जाता है। वह भारतीय हॉकी का धोनी है। अपना काम करता है और पीछे से गाइड करता रहता है। जज्बात उस पर हावी नहीं होते और दबाव में भी शांत रहता है। उन्होंने कहा, इस टीम में श्रीजेश (पीआर), मनप्रीत (सिंह) ,ललित (उपाध्याय), रोहिदास (अमित) जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा तालमेल बनाया। मुझे फाइनल देखते हुए 1998 याद आ गया। यह जीत इतिहास में लिखी जाएगी। लड़के एकजुट होकर खेल और इतने गोल किये।'' धनराज की कप्तानी में 1998 एशियाई खेलों के फाइनल में दक्षिण कोरिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। कोरिया के बढ़त लेने के बाद निर्धारित समय में धनराज के गोल पर ही भारत ने बराबरी की थी। उन्होंने कहा, 1998 में मेरे पास ऐसी ही मजबूत टीम थी। आशीष बलाल और एबी सुबैया जैसे अनुभवी गोलकीपर थे।फुलबैक में लाजरूस बारला, दिलीप टिर्की , डिफेंस में संदीप सोमेश, बलबीर सिंह सैनी , मोहम्मद रियाज थे, तब फारवर्ड लाइन में मुकेश कुमार, मैं , समीर दाद, बलजीत ढिल्लों जैसे खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, जब भारतीय टीम कल पोडियम पर स्वर्ण पदक पहने खड़ी थी, तब मैं 25 साल पीछे चला गया। पदक जीतने के बाद मैं सुबैया और बलाल को पकड़कर मैं रो रहा था। धनराज ने कहा, मुझे 19 साल हो गए हॉकी छोड़े लेकिन हॉकी को फॉलो करना नहीं छोड़ा। मैंने बहुत सारे स्टेडियम में तिरंगा हाथ में लेकर मैदान का चक्कर काटा है। तिरंगे को देखते हुए टीम जब राष्ट्रगान गाती है, तब अलग ही माहौल होता है।

एक खिलाड़ी ही समझ सकता है कि उस समय खिलाड़ी के मन में क्या चलता है। कई ओलंपिक क्वालीफायर से गुजर चुके धनराज ने कहा कि वह यही दुआ कर रहे थे कि भारतीय टीम हांगझोउ से ही पेरिस का टिकट कटा ले। उन्होंने कहा ,'' एशियाड के जरिये ओलंपिक क्वालीफाई करने से बहुत राहत मिलती है। क्वालीफाइंग का दबाव इतना रहता है कि तैयारियों पर फोकस नहीं कर पाते। मुझे पुराने ओलंपिक क्वालीफायर याद आ रहे थे और मैं यही प्रार्थना कर रहा था कि हम हांगझोउ से ही क्वालीफाई कर लें।''

अनीश थापा, ज्योति गावटे ने बेंगलुरू मैराथन 2023 का खिताब जीता

बेंगलुरु। सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के अनिश थापा और महाराष्ट्र की ज्योति गावटे ने रविवार को बेंगलुरु मैराथन में जीत हासिल की। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने 25,000 से अधिक दौड़ने वाले और फिटनेस उत्साही लोगों को हरी झंडी दिखाकर बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम का आगाजा किया। जिसमें तीन श्रेणियां थीं; पूर्ण मैराथन (42.195 किमी), हाफ मैराथन (21.1 किमी) और 5 किमी होप रन। इस साल की शुरुआत में एनईबी स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित नई दिल्ली मैराथन जीतने के बाद अनीश थापा के लिए यह दोहरी जीत है।दूसरी ओर, ज्योति गावटे (3:08:53) को महिला चैंपियन बनने के लिए महाराष्ट्र की अश्विनी जाधव (3:09:00) से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। बेंगलुरु मैराथन के रेस निदेशक नागराज अडिगा ने कहा, साल दर साल इस तरह की उत्साही भागीदारी देखना उल्लेखनीय है। हम आने वाले संस्करणों में इस आयोजन को और भी बड़ा बनाने के लिए तत्पर हैं। यह विप्रो, पार्टनर्स, बेंगलुरु पुलिस और रनिंग समुदाय जैसे हमारे प्रायोजकों के समर्थन के बिना संभव नहीं होगा। इस अवसर पर थावर चंद गहलोत ने कहा, बेंगलुरु के नागरिकों को आज सुबह-सुबह बाहर आकर इतनी बड़ी संख्या में भाग लेते देखना खुशी की बात है।

विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाएंगे शुभमन : जहीर

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इस विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बनेंगे। शुभमन के लिए यह साल अबतक काफी अच्छा रहा है और उन्होंने एकदिवसीय में जमकर रन बनाये हैं। शुभमन ने 20 एकदिवसीय मैचों में सबसे ज्यादा 1,230 से अधिक रन बनाये हैं। उनका औसत प्रभावशाली 72.35 और स्ट्राइक रेट 105.03 का है। विश्वकप से ठीक पहले हुए एशिया कप में इस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा रन बनाये थे। आईसीसी क्रिकेट में वह डेंगू के कारण शुरुआती मैच में शायद ही खेल पायें। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि वह शुभमन को विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, उसके इस साल के अब तक के प्रदर्शन को देखें। यह साल उसके लिए अभूतपूर्व वर्ष रहा है। वह सभी प्रारूपों में शतक, दोहरे शतक बना रहा है। ऐसे में अब वह इस टूर्नामेंट में भी शीर्ष स्कोरर बनेगा। उसमें क्षमताएं हैं। उसने पिछले काफी समय से शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करते हुए जमकर रन बनाये हैं।

संक्षिप्त समाचार

सचिन की तरह विश्व कप जीतना चाहते हैं रोहित

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह भी महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की तरह विश्व कप जीतना चाहते हैं। सचिन साल 2011 की विश्वकप विजेता भारतीय टीम का हिस्सा थे। वहीं रोहित ने 2007 टी20 विश्व कप और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की विजेता टीम में शामिल रहे हैं पर एकदिवसीय विश्वकप विजेता टीम का हिस्सा वह नहीं रहे हैं। रोहित के अनुसान सचिन का कहना था कि जब तक वह विश्व कप नहीं जीत जाते, उनका काम अधूरा ही रहेगा। इसी से पता चलता है कि ये कितना अहम है। इसी प्रकार मैं भी ये विश्वकप जीतना चाहता हूं क्योंकि यह आपके करियर का सबसे बड़ा पुरस्कार है। साथ ही कहा कि इससे हासिल करने के लिए हमें संयम से खेलना होगा। रोहित ने कहा कि जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए बेसब्र होते हैं तो फिर कई अन्य चीज भी हो सकती हैं। साथ ही कहा कि खिताब जीतने की भूख होना अच्छा है पर इसके लिए आपको संतुलित रुख अपनाना होगा। रोहित ने साथ ही कहा कि दबाव से निपटना आना चाहिये तभी आप विश्वकप जैसे टूर्नामेंट जीत सकते हैं।

भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी में रचा इतिहास, रिकर्व पर करना होगा फोकस

हांगझोऊ। सभी पांच वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर, भारत ने शनिवार को हांगझोऊ में एशियाई खेलों में कंपाउंड तीरंदाजी में बदलाव का संकेत दिया, जिससे एशियाई खेलों में कोरिया गणराज्य का दबदबा खत्म हो गया। शनिवार को भारत की ज्योति और ओजस प्रवीण ने महिला और पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। कुछ दिन पहले, भारत ने पुरुष और महिला टीम प्रतियोगिताओं में भी स्वर्ण पदक जीते थे। गुरुवार को महिला टीम ने फाइनल में चीनी ताइपे को 159-158 से हराया जबकि पुरुष टीम ने फाइनल में कोरिया को हराया। शनिवार को, देवतले ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में अपने वरिष्ठ साथी अभिषेक वर्मा को हराया, जबकि ज्योति ने फाइनल में दक्षिण कोरिया की सौ चौवन को हराकर महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। पांच स्वर्ण पदकों के अलावा, भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी में एक रजत और एक कांस्य पदक भी जीता। मगर, देश रिकर्व के व्यक्तिगत वर्ग में पदक जीतने में असफल रहा। अतनु दास और धीरज बोम्मादेवरा धीमी शुरुआत करने और कम स्कोर बनाने के कारण शूट-ऑफ में क्वार्टर फाइनल में हार गए। हालांकि, यह कंपाउंड तीरंदाज ही थे जिन्होंने वास्तव में हांगझोऊ में 2022 एशियाई खेलों में भारतीय तीरंदाजी को एक बड़े मुकाम पर पहुंचाया। उनकी सफलता ने कंपाउंड तीरंदाजी में कोरिया गणराज्य के वर्चस्व के अंत का भी संकेत दिया, जिसने 2014 में ही एशियाई खेलों में पदार्पण किया था और पिछले दोनों संस्करणों में महिला टीम प्रतियोगिता जीती थी। कंपाउंड तीरंदाजी पेरिस 2024 के ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है, लेकिन 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले अगले संस्करण में इस इवेंट के जुड़ने की बहुत संभावना है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने हॉकी स्टार दीप ग्रेस एक्का के लिए 50 लाख रुपये नकद पुरस्कार की घोषणा की

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रविवार को चीन के हांगझोऊ में 19वें एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की सदस्य और हॉकी स्टार दीप ग्रेस एक्का को 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने एक्का के उल्लेखनीय प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए उन्हें राज्य के युवाओं के लिए रोल मॉडल बताते हुए हार्दिक बधाई दी। पटनायक ने रविवार को कहा, दीप ग्रेस एक्का देश में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए आशा और गर्व का प्रतीक बन गई हैं। दीप ने कुछ आश्चर्यजनक प्रदर्शनों के साथ अपनी दृढ़ता साबित की है और मुझे यकीन है कि वह भारत को गौरवान्वित करना जारी रखेगी और दृढ़ता और उत्कृष्टता की भावना का प्रदर्शन करेगी, जो वह प्रदर्शित कर रही है। सुंदरगढ़ जिले के लुलकिडीही गांव की रहने वाली 28 वर्षीय हॉकी स्टार ने 2011 में अर्जेंटीना में चार देशों के टूर्नामेंट के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। उन्होंने 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप पूरे कर लिए हैं। वह रियो ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। वह उस टीम का भी अभिन्न हिस्सा थीं, जिसने महिला एशिया कप 2013 में कांस्य पदक, 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण, 2017 में एशिया कप में स्वर्ण, 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रजत, 18वें एशियाई खेलों में रजत पदक, जकार्ता-पालेमबांग और बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। शीर्ष डिफेंडर ने 2022 में स्पेन में उद्घाटन एफआईएच महिला राष्ट्र कप में भारत की स्वर्ण पदक जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भतीजे के डेब्यू से बेहद खुश हैं अभय देओल

बॉक्स ऑफिस पर सनी देओल के गदर मचाने के बाद अब चारों तरफ चर्चा उनके छोटे बेटे राजवीर देओल के डेब्यू की हो रही है। राजवीर ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म दोनो से बॉलीवुड में कदम रखा है। राजश्री बैनर के तले बनी इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा ने भी डेब्यू किया है। अवनीश बड़जात्या निर्देशित फिल्म दोनो को समीक्षकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इतना ही नहीं कहानी और निर्देशन के साथ ही फिल्म में राजवीर और पलोमा के अभिनय की भी जमकर तारीफ हो रही है। लोगों की तारीफों के बीच अब राजवीर को उनके चाचा अभय देओल ने एक सलाह दी है। देओल खानदान का एक और राजकुमार बॉलीवुड की ओर अपना कदम बढ़ा चुका है। ऐसे में धर्मेंद्र से लेकर बॉबी देओल तक सभी इस मौके पर बेहद खुश हैं। धर्मेंद्र, सनी और बॉबी देओल के साथ ही अभिनेता अभय देओल भी अपने भतीजे को डेब्यू करते देख खुशी से झूम उठे हैं। जहां कुछ दिन पहले बॉबी देओल ने राजवीर को बधाई दी थी, वहीं अब अभय देओल ने अपने भतीजे को उसकी पहली फिल्म दोनो के लिए बधाई दी। बधाई देने के साथ ही अभय देओल ने राजवीर देओल को एक खास सलाह भी दी। अभय देओल ने इंस्टाग्राम पर अपनी, राजवीर और पलोमा की कुछ तस्वीरें साझा कीं और एक खास संदेश लिखा। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, मैंने इसे एक बच्चे के रूप में अपनी बाहों में ले रखा है। तुम्हारी पहली फिल्म के लिए बधाई राजवीर, अपने आप को दुनिया के सामने रखना आसान नहीं है, जिससे सभी लोग आपको जज करें। मैं हमेशा तुम्हारा चियरलीडर रहूंगा क्योंकि मुझे तुम पर हमेशा से भरोसा रहा है। तुम और पलोमा ढिल्लों दोनों का पूरा जीवन सामने है, ऐसे में याद रखना कि प्यार को गले लगाना, आलोचना को स्वीकार करना और नफरत को नजरअंदाज करना। फिल्म दोनो की बात करें तो एक डेस्टिनेशन वेडिंग की पृष्ठभूमि पर आधारित है। राजवीर देओल ने फिल्म में देव का किरदार निभाया है, जो दुल्हन का दोस्त होता है, वहीं पालोमा मेघना की भूमिका में नजर आ रही है। वह दूल्हे की दोस्त होती है। इस शादी में दोनों की मुलाकात होती है। इस शादी में दो अजनबियों के बीच प्यार की शुरुआत होती है, जिनकी मंजिल एक है। फिल्म का निर्देशन सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश बड़जात्या ने किया है, जो दोनो से निर्देशन की दुनिया में डेब्यू कर रहे हैं।

कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना...

हमेशा चर्चा में रहने वाली यूट्यूबर और इंफ्लुएंसर कुशा कपिला इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म सुखी को लेकर। वे थैंक्यू फॉर कमिंग में भी भूमि पेडनेकर, शहनाज गिल और अन्य के साथ मिलकर अपना जलवा बिखेर रही हैं।

इस खास बातचीत में वे हमेशा बोल्ड रहने की अपनी ताकत, हाउसवाइफ्स को ना मिलने वाले क्रेडिट, सशक्तिकरण, अपने परिवार, ट्रोल्स और तलाक पर बेबाक होकर बात करती हैं।

करियर हो या निजी जिंदगी आप अपने फैसलों को लेकर हमेशा बोल्ड रही हैं, कहां से आती है, वो ताकत?

मुझे लगता है, ये हमारी परवरिश से आता है। माता-पिता ने मुझे ये कभी नहीं भूलने दिया कि मैं कहां से आती हूं? मैं एक बाहर बड़े संयुक्त परिवार से ताल्लुक रखती हूं। हम परिवार के रूप में काफी जुड़े हुए हैं। मेरे आस-पास मेरी मां और चाची जैसे महिलाएं हैं, बहुत ही साथ देने वाली महिला दोस्त हैं, वे 20-20 साल से मेरी दोस्त हैं। इन सभी महिलाओं ने मुझे जिंदगी में इतना प्रभावित किया है कि मुझे आइडियल की जरूरत है नहीं है। ये सारे लोग काफी हंसमुख हैं। मैं कहती हूं, मेरी मम्मी से ज्यादा फनी और कोई हो ही नहीं सकता। मुझे अपनी जिंदगी में भी चाहे मैं डिजिटल वर्ल्ड की बात करूं या इस फिल्म मैं शिल्पा मैम (शिल्पा शेट्टी) की बात करूं, अपनी निर्देशक सोनल, अपनी को-एक्ट्रेस डेलनाज, पवलीन की बात करूं, मेरे आस-पास इतनी कमाल की मजबूर महिलाएं हैं कि लगातार ताकत मिलती रही है, मजबूती मिलती है।

लड़की होने के नाते बुरा कब लगता है?

बुरा तब लगता है, जब उन पर जुल्म होता देखती हूं या पढ़ती हूं। मुझे लगता है, हम कहां गलत हो गए? ये क्यों हो रहा है? तब एक अजीब-सी बेबसी फील होती है। जब किसी सड़क या मेट्रो पर औरत को कोई कहीं भी छूकर निकल जाता है, तो बहुत आक्रोश होता है कि क्यों हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां औरत सेफ नहीं है। जब ऑनलाइन स्पेस में आपको कोई कुछ भी गाली देकर निकल जाता है, ट्रोल के नाम पर, तब बहुत हीनता महसूस होती हैं। ये आज हमारे देश की बड़ी से बड़ी हीरोइन के साथ होता है। औरतों के ऊपर ही बनाई गई गालियां, जब औरतों पर इस्तेमाल की जाती है, तो हद से ज्यादा बुरा लगता है।

आपकी हालिया फिल्म सुखी हाउसवाइफ पर आधारित है, मगर क्या आपको लगता है कि गृहणियां जितना कुक अपने घर-परिवार के लिए करती हैं, उतना श्रेय उनको मिल पाता है?

मुझे लगता है गृहणियां पूरे परिवार की धुरी होती हैं। मैं तो यही मानती हूं कि हम जो कुछ भी हैं, मांओं के बलिदान के कारण ही हैं। अगर हमारी मम्मियों ने हमारे लिए कुर्बानियां नहीं दी होतीं, तो क्या आज हम यहां होते। मुझे लगता है हम और हमारी मांएं सभी पैट्रियाकी की शिकार हैं। बदलाव में समय लगता है। ग्रहणियां अनपेड लेबर हैं। इस पर कितनी सारी स्टडीज और हो चुकी हैं कि इनके एक-एक टास्क को यदि मापा जाए और उसकी सैलरी निकाली जाए, तो एक बहुत बड़ी रकम बनेगी, मगर इन्हें मिलता कहां है? आज अगर इस पर बात हो रही, तो इसलिए कि उन्हें चॉइस चाहिए, उन पर ये थोपा नहीं जाना चाहिए।

फिल्म में आप शिल्पा शेट्टी के साथ हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

उनकी सबसे अच्छी बात ये है कि वे अपनी टीम का बहुत खयाल रखती हैं। उनके पास बीस-तीस साल पुरानी टीम है। अगर कोई आपके लिए इतने समय तक काम कर रहा है, तो ये आपकी खूबी है। शिल्पा मैम 11.11 में बहुत मानती हैं और वे इस वक्त प्रार्थना जरूर करती हैं, तो उनके साथ उनकी पूरी टीम प्रे करती हैं। वे बहुत प्यारी साथी कलाकार हैं। सीन से पहले जरूर बोलती थीं, अपने बाल ठीक कर लो, लिपस्टिक का टच अप कर लो। उन्होंने मुझे कैमरा और एक्टिंग के बारे में कई टिप्स दिए हैं।

आप ट्रोल्स पर क्या कहना चाहेंगी? हाल ही में आपकी डिवोर्स भी काफी चर्चित रही?

मैं ट्रोल्स पर ज्यादा ध्यान नहीं देती, आप जैसी दोस्तों के साथ बैठकर उस पर हंस देती हूं। मैं यहां काम करने आई हूं। जहां तक मेरे डिवोर्स की बात है, तो मेरा निजी मामला है। अब कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। मुझे अपने जीवन और अपने बारे में सब पता है। मेरी जो दुनिया है, वो बहुत सिक्योर है। मैं इस मुद्दे पर बात करके उसकी गरिमा को कम नहीं करना चाहती।

शादी पर डाक्यूमेंट्री बनाना पहले से तय नहीं था

ऋचा चड्ढा और अली जफर की डाक्यूमेंट्री की पहली झलक 6 अक्टूबर को रिलीज होने वाली थी। उन्होंने कहा हम थोड़ा लेट हो गए हैं। दरअसल वीडियो की ग्रेडिंग चल रही है। फिलहाल वीडियो की रिलीज डेट टल गई है। ऋचा ने कहा कि डाक्यूमेंट्री बनाने का आइडिया पहला नहीं था। सभी लोग अपनी शादी की वीडियो शूट कराते हैं। पहले हम भी वैसा ही करने वाले थे। उन्होंने बताया कि इस शादी में काफी चीजें अलग थी। क्योंकि उस दौरान अली मिर्जापुर शूट कर रहे थे। मैं हीरामंडी और फुकरे-3 शूट कर रही थी। हमारे घर में मेहमानों के साथ-साथ फिल्म के डायरेक्टर और फिल्म की टीम भी होती थी। ये बहुत ही अजीब सा माहौल बन गया था। एक तरफ घर में मेहमानों का नाच-गाना चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ डायरेक्टर मीटिंग ले रहे हैं। ऋचा ने कहा मैं और अली मिडिल क्लास फैमिली से आते हैं। बेशक आज हम फिल्मस्टार हैं लेकिन हम दोनों अपनी शादी को बहुत सिंपल और प्राइवेट रखना चाहते थे। बहुत ग्रैंड वेडिंग करना हमारा मकसद नहीं था। प्राइवेट अफेयर की वजह से पिछले साल बहुत ज्यादा फोटोज वीडियोज हमने शेयर नहीं किया था। डाक्यूमेंट्री का आइडिया तब आया, जब हम लोगों ने शादी का वीडियो देखा। ये लखनऊ, दिल्ली और मुंबई तीनों जगहों पर शूट किया गया है। ऋचा को यकीन है कि ये डाक्यूमेंट्री लोगों को जरूर पसंद आएगी।

लव लाइफ पर बोले सूरज पंचोली

एक्टर सूरज पंचोली ने हाल ही में अपनी लव लाइफ को लेकर बात की। एक्टर ने कहा कि वह एक ऐसे इंसान के साथ रहकर बहुत खुश है, जो उन्हें समझता है। सूरज ने कहा कि उनकी प्रेजेंट गर्लफ्रेंड ने उनसे कभी भी जिया खान केस को लेकर सवाल नहीं किया। सूरज ने हाल ही में अपने रिलेशनशिप और गर्लफ्रेंड के बारे में खुलकर बात की। हालांकि, उन्होंने अपनी लेडी लव का नाम नहीं बताया। सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में सूरज ने बताया कि जिया खान मामले में मीडिया ट्रायल की वजह से उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जबकि जिया के साथ उनका रिलेशनशिप सबसे कम समय तक रहा था।

मैं प्यार पर विश्वास करता हूं

बातचीत के दौरान सूरज से तुनिषा शर्मा सुसाइड केस को लेकर सवाल किया गया। इस मामले में एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड शीजान खान को उनकी मौत का आरोपी माना गया था। मामले के बारे बात करते हुए सूरज ने कहा- मीडिया ट्रायल लोगों पर लगे आरोप को तय नहीं कर सकता।' प्यार के बारे में सूरज ने कहा- मैं ऐसा नहीं सोचता हूं, मैं प्यार में विश्वास करता हूं। मुझे उसके (जिया खान मामले) के बाद भी प्यार हुआ।

हम कभी मेरे अतीत के बारे में बात नहीं करते

सूरज से आगे सवाल किया गया कि क्या वह पिछले सात साल से रिलेशनशिप में हैं और उनकी गर्लफ्रेंड को उनपर कितना भरोसा है। इसपर उन्होंने कहा- इतने लंबे समय से नहीं, लेकिन मैं इस वक्त रिलेशनशिप में हूं। हमने कभी भी मेरे अतीत के बारे में बात नहीं की। शायद इसकी जरूरत भी नहीं है। इसलिए हर कोई ऐसा साथी तलाश करता है, जिसके साथ वह बेहतर महसूस करे।

पिता के साथ रिश्ते के बारे में बोले सूरज

सूरज ने इसी इंटरव्यू में पिता आदित्य पंचोली के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि भले ही वह उनके लिए गए फैसलों से कभी भी सहमत ना रहे हों, लेकिन वह उनसे हमेशा प्यार करते हैं। सूरज ने बताया कि लोगों के बीच उनके पिता की इमेज खराब थी, ऐसे में जिया खान मामले में सूरज की इमेज भी खराब करने की कोशिश की गई थी। लेकिन इसका असर केस पर नहीं पड़ा।

अनु मलिक ने सा रे गा मा पा के नए सीजन को मैजिक ऑफ ऑरिजनैलिटी बताया

रियलिटी सिंगिंग शो सा रे गा मा पा नए अवतार के साथ वापस आ रहा है। इस बार शो में पहले से अधिक चुनौतियां हैं। संगीतकार अनु मलिक ने शो के नए सीजन को मैजिक ऑफ ऑरिजनैलिटी बताया। जजों में से एक अनु मलिक ने शो के नए विचार के बारे में अपना उत्साह साझा किया और बताया,यह पहली बार है कि रचनात्मक टीम प्रतियोगी को प्रतिष्ठित निर्माताओं द्वारा रचित एक मूल गीत देकर एक मूल गायक को लॉन्च करने का यह शानदार विचार लेकर आई है।संगीतकार ने कहा, मैं सा रे गा मा पा जैसे प्रतिष्ठित शो के साथ जुड़कर खुद को भाग्यशाली महसूस करता हूं, जिसे वैश्विक पहचान मिल रही है। मैं जहां भी जाता हूं, प्रशंसक मेरे पास आते हैं और सराहना करते हैं कि कैसे यह शो नए गायकों के लिए वैश्विक लॉन्च पैड के रूप में भी काम करता है। यह उन्हें भविष्य का एक ठोस रोडमैप प्रदान करता है।बदलाव का कारण बताते हुए अनु ने कहा कि इस नए आधार के साथ एक मूल आवाज खोजने पर शो का ध्यान वास्तव में एक आशाजनक उद्यम है, क्योंकि इससे प्रतियोगियों को मौजूदा गीत को फिर से बनाने, या पुराने दिग्गजों के साथ जीने के बारे में अपने डर को दूर करने में भी मदद मिलेगी।

लियो का ट्रेलर रिलीज, विलेन के रोल में नजर आए संजय दत्त

साउथ सुपरस्टार विजय थलापति की मच अवेटेड फिल्म 'लियो' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में एक्टर जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आए। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त भी हैं, जो इसमें विलेन का किरदार निभाएंगे। वह एंटनी दास के रोल में दिखाई देंगे। लियो का ट्रेलर एक्शन और ड्रामा से भरपूर है। ट्रेलर की शुरुआत कश्मीर घाटी से होती है जिसमें पुलिस और गैंगस्टरों के बीच मुठभेड़ दिखाई जाती है। ट्रेलर को देखकर पता चलता है कि लियो एक खून का प्यासा जानवर बन गया है, जो अपने परिवार के लिए खतरा देखकर अपने दुश्मनों की तलाश कर रहा है। इतना ही विजय और संजय दत्त आपस में भिड़ते हुए नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 19 अक्टूबर को तमिल और हिंदी भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। फिल्म में विजय और संजय के अलावा तृषा कृष्णन, अर्जुन सरजा, गौतम मेनन, प्रिया आनंद, मंसूर अली खान, मैस स्किन, सैंडी और मैथ्यू थॉमस भी नजर आने वाले हैं।

सैंधव के नए पोस्टर में इंटेंस लुक में नजर आ रहे वेंकटेश दग्गुबाती

एक्टर वेंकटेश दग्गुबाती अपकमिंग क्राइम-ड्रामा-एक्शन फिल्म सैंधव के लेटेस्ट पोस्टर में बेहद इंटेंस लुक के साथ धमाल मचा रहे हैं। पोस्टर में 62 वर्षीय श्रीनिवास कल्याणम एक्टर खतरनाक लुक में नजर आ रहे हैं। वेंकटेश ने ब्लैक शर्ट और ब्लू जींस पहनी है और हाथ में एक बंदूक पकड़ी है। एक्टर के बैकग्राउंड में रस्सियां और लकड़ी के लट्ठों की तरह दिखने वाली कई चीजें हैं। पोस्टर हाई क्वालिटी वाला है जो एक बहुत बड़े प्रोडक्शन का संकेत देता है। इंस्टाग्राम और एक्स पर नए पोस्टर को लॉन्च किया गया और कैप्शन देते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की गई, सैंधव 13 जनवरी को रिलीज होगी। माना जा रहा है कि यह फिल्म नियो-नोयर टोन वाली है और इसका निर्देशन शैलेश कोलानू द्वारा किया जाएगा, जबकि निर्माता वेंकट बोयानापल्ली होंगे। वेंकटेश के अलावा, सैंधव में नवाजुद्दीन सिद्दीकी, श्रद्धा श्रीनाथ, रुहानी शर्मा, एंड्रिया जेरेमिया, सारा और जयप्रकाश भी होंगे। वेंकटेश अपनी हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर सीरीज राणा नायडू का दूसरा सीजन भी लेकर आ रहे हैं, जो अमेरिकी सीरीज रे डोनोवन का रूपांतरण है।